स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, मंगलवार
2 जून, 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष 2
सं. 2083 वि.
वर्ष 79, अंक - 280 पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

कोहली ने फिर साबित किया कि टी20 क्रिकेट में तकनीक और धैर्य का कोई सानी नहीं है : शर्मा

नीट री-एग्जाम पेन-पेपर मोड में ही होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 21 जून को होने वाली नीट री-एग्जाम को कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) मोड में कराने की मांग मानने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई में तय की है। इससे 21 जून को होने वाली परीक्षा

- सुप्रीम कोर्ट बोला- एजेंसियां पहले से दबाव में हैं, अभी परीक्षा का तरीका बदलना संभव नहीं
- संसदीय समिति में एनटीए की जगह नई संस्था का प्रस्ताव

फिलहाल पेन-पेपर मोड में ही होगी। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने नीट की दोबारा परीक्षा सीबीटी मोड में कराने की मांग की।
देशभर में 3 मई को नीट-यूजी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को री-एग्जाम होगा। याचिका में 4 बड़े बदलावों की मांग करते हुए कहा गया है कि एनटीए की जगह एक स्वतंत्र वैधानिक राष्ट्रीय परीक्षा प्राधिकरण बनाया जाए। इसके साथ ही पूर्व इसरो प्रमुख के राधाकृष्णन समिति की सिफारिशें लागू की जाए। बायोमेट्रिक सत्यापन, एआई आधारित निगरानी, एन्क्रिप्टेड डिजिटल प्रश्नपत्र प्रणाली और प्रश्नपत्रों को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने जैसे उपाय अपनाए जाए। नीट को पूरी तरह कंप्यूटर आधारित परीक्षा बनाने के लिए रोडमैप तैयार किया जाए। साथ ही परीक्षा केंद्रों के ढांचे, साइबर सुरक्षा और डिजिटल परीक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की स्थिति रिपोर्ट अदालत में पेश की जाए। साथ ही परीक्षा परिणाम केंद्रवार सार्वजनिक करने का सुझाव दिया गया है, ताकि किसी भी तरह की अनियमितता की पहचान की जा सके। इधर संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल मामलों की स्थायी समिति की बैठक सोमवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने की। इसमें नीट परीक्षा, एनटीए और पेन-पेपर बनाम सीबीटी मोड पर चर्चा हुई। यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट (यूडीएफ) ने समिति ने कहा कि नीट से जुड़े सवाल केवल परीक्षा के तरीके तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और परीक्षा कराने वाली एजेंसी की विश्वसनीयता से भी जुड़े हैं। संगठन ने एनटीए को भंग कर संसद के कानून के तहत नई राष्ट्रीय परीक्षा संस्था बनाने की मांग की। यूडीएफ ने यह भी कहा कि नीट-यूजी 2026 पेपर लीक की जांच को 2024 की परीक्षा से जुड़े विवादों के साथ जोड़कर देखा जाना चाहिए। संगठन ने पूरे मामले की समयबद्ध और पारदर्शी जांच की मांग की। नीट-यूजी परीक्षा 3 मई को देश के 551 शहरों और विदेश के 14 सेंटर्स में हुई थी। इसमें करीब 23 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। एनटीए के अनुसार 7 मई की शाम परीक्षा में गड़बड़ी की सूचना मिली थी। इसके बाद मामला केंद्रीय एजेंसियों को सौंपा गया। 12 मई को परीक्षा रद्द की गई और री-एग्जाम का फैसला लिया गया। 15 मई को शिक्षा मंत्रालय और एनटीए ने नीट री-एग्जाम की तारीख 21 मई को होने का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री बोले- घर के काम में सहयोग करते हुए भी अच्छे अंक ला रही हैं छात्राएं

छात्राओं से प्रेरणा लें छात्र : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में यूपी बोर्ड और संस्कृत शिक्षा परिषद के टॉप 10, सीबीएसई और आईसीएसई के सर्वोच्च 10-10 समेत कुल 223 राज्य

- परिश्रम का परिणाम हमेशा सुखद
- सीएम ने मेधावियों को किया सम्मानित

स्तरीय मेधावियों को एक-एक लाख रुपये, एक-एक टैबलेट, प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। सीएम ने समारोह में 11 विद्यालयों के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों को भी शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह कार्यक्रम इस बात का सबूत है कि परिश्रम का परिणाम हमेशा सुखद होता है। उन्होंने कहा कि जब परिणाम सूची देखते हैं तो हम पाते हैं कि छात्राएं जो कि घर के काम में हाथ बंटाती हैं वे मेरिट की सूची में अधिक स्थान प्राप्त कर रही हैं। छात्रों को छात्राओं से प्रेरणा लेनी चाहिए कि वे घर के काम में माता-पिता का सहयोग करती हैं और पढ़ाई में भी आगे रहती हैं। सीएम योगी ने कहा कि यहां 223 टॉप टेन विद्यार्थियों के साथ ही जिला स्तर पर टॉप टेन 1459 छात्रों को भी

सम्मानित किया जा रहा है। यह इन विद्यार्थियों की उपलब्धि और जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव भी है। इस परिणाम में 223 में से छात्र 85, छात्राएं 138 है। छात्राएं मेरिट सूची में ज्यादा और छात्र कम आए हैं। माध्यमिक शिक्षा परिषद में हाईस्कूल में 115 विद्यार्थियों में 34 छात्र और 81 छात्राएं हैं। इंटर में 9 छात्र और 14 छात्राएं हैं। छात्राएं ज्यादा मेहनत कर लेती हैं। ज्यादा अंक पाने की सामर्थ्य रखती हैं। मां-पिता का सहयोग करते हुए। उन्होंने कहा कि लगता है कि अब लड़के झाड़ू पोंछा ज्यादा लगाने लगे हैं। मोहल्ले में भी काम करने लगे हैं। उन्होंने कहा कि छात्र, छात्राओं से प्रेरणा लें कि वो कैसे घर के काम में सहयोग करते हुए अच्छे परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त कर रही हैं।

नौ साल पहले नकल से होती थी परीक्षा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से नौ साल पहले ये कार्यक्रम नहीं हो सकता था। नकल से परीक्षा होती थी। मेरिट, डी मेरिट का पता नहीं। हमने नकल विहीन परीक्षा कराई। परीक्षा छात्र को परेशान करने का माध्यम नहीं होना चाहिए। आत्मविश्वास पैदा करने का भाव पैदा करे। उसका पसीना छुड़ाने के लिए पेपर न बने। परेशान न करे। शिक्षक को पता होता है कि उसका उत्तर क्या होता है। प्रश्न ऐसा हो कि छात्र थोड़े प्रयास से उसे हल कर सके। उसको हतोत्साहित न करे। परीक्षा प्रोत्साहन का माध्यम बने। 9 साल पहले नकल होती थी। शिक्षक भर्ती नहीं करते थे। विद्यालय भी वैसे थे। अंत में ठेका होना है तो छात्र मेहनत क्यों करे। पंजाब, जम्मू कश्मीर के छात्र 2017 तक यूपी में परीक्षा देते थे।

मई में 1.94 लाख करोड़ जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली। मई 2026 में 1.94 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन हुआ है। यह अप्रैल के रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 20 प्रतिशत कम है। हालांकि

- पिछले महीने से 20 प्रतिशत कम
- अप्रैल में रिकॉर्ड 2.42 लाख करोड़ का कलेक्शन था

पिछले साल की समान अवधि यानी मई 2025 से 3.2 प्रतिशत ज्यादा है। मई 2025 में रु. 1.88 लाख करोड़ का जीएसटी कलेक्शन हुआ था। सरकार ने आज यानी 1 जून को जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए। मई महीने में जीएसटी कलेक्शन की ग्रोथ मुख्य रूप से इंपोर्ट पर निर्भर रही। इंपोर्टेड गुड्स से होने वाला कुल जीएसटी रेवेन्यू सालाना आधार पर 19.1 प्रतिशत बढ़कर 59,654 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। वहीं, दूसरी तरफ घरेलू ट्रांजैक्शन से होने वाली ग्रॉस घरेलू कमाई में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 1.35 लाख करोड़ रुपए रही। नेट बेसिस पर इंपोर्ट जीएसटभ्-कलेक्शन 19.7 प्रतिशत बढ़कर 49,403 करोड़ रुपए रहा जबकि शुद्ध घरेलू राजस्व 2.3 प्रतिशत घटकर 1.18 लाख करोड़ रुपए रह गया। वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) को मिलाकर कुल ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 6.2 प्रतिशत बढ़कर 4.37 लाख करोड़ हो गया है।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलिंडर 53.50 रुपए तक महंगा

नई दिल्ली। कॉमर्शियल सिलिंडर आज यानी 1 जून से 53.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3113.50 रुपए में मिल रहा है। 5

- पांच किलो के एफटीएल सिलिंडर के दाम रु. 11 बढ़े

किलो वाले एफटीएल सिलिंडर की कीमतों में 11 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब इस सिलेंडर की कीमत 821.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और एटीएफ यानी हवाई जहाज के ईंधन पर नई एक्सपोर्ट ड्यूटी आज से लागू हो गई है। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलिंडर रु. 53.50

रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत रु. 3113.50 हो गई है। पहले ये रु. 3071.50 में मिल रहा था। कॉमर्शियल सिलिंडर के दाम बढ़ने से रेस्टोरेंट मालिकों का खर्च बढ़ेगा। ऐसे में वे चाय, नाश्ते और थाली महंगी कर सकते हैं। शादियों की कैटरिंग भी महंगी हो सकती है। एफटीएल सिलिंडर की कीमत 11 रुपए बढ़कर रु. 821.50 हो गई है। पहले इसकी कीमत रु. 810.50 थी। एफटीएल सिलेंडर को छोटू सिलिंडर भी कहते हैं जिसे कोई भी बिना एड्रेस प्रूफ के ले सकता है। इनका ज्यादातर इस्तेमाल प्रवासी मजदूर, छात्र या छोटे दुकानदार करते हैं। इसी 5 किलो वाले छोटे सिलेंडर को रेगुलर कनेक्शन के साथ लेने पर दाम रु. 339 पर स्थिर हैं। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी घटा दी है। नई दरें आज 1 जून से लागू हो गई है। पेट्रोल के निर्यात पर ड्यूटी 1.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है। डीजल के निर्यात पर ड्यूटी 13.5 रुपए प्रति लीटर रखी गई है। हवाई जहाज के ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर ड्यूटी 9.5 रुपए प्रति लीटर तय की गई है। यह एक प्रकार का टैक्स है जो सरकार देश से बाहर बेची जाने वाली वस्तुओं पर लगाती है। टैक्स कम होने से रिफाइनरी कंपनियों को ज्यादा मुनाफा होगा।

लेबनान पर हमलों से भड़का ईरान होर्मुज बंद करने की भी दी धमकी

तेहरान। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों के विरोध में अमेरिका के साथ चल रही बातचीत को रोकने का फैसला किया है। ईरान का कहना है कि लेबनान में जारी हमले युद्धविराम का खुला उल्लंघन हैं। इसी के साथ ईरान समर्थित समूहों ने होर्मुज जलडमरूमध्य और लाल सागर के अहम समुद्री रास्तों को बंद करने की चेतावनी भी दी है।
ईरानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेहरान ने साफ कहा है कि जब तक गाजा और लेबनान में इस्राइली सैन्य कार्रवाई नहीं रुकती, तब तक अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। ईरान ने लेबनान से इस्राइली सेना की पूरी वापसी की भी मांग की है। वहीं अमेरिका की तरफ से इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। ईरान ने लेबनान पर इस्राइली हमलों को युद्धविराम का उल्लंघन बताया। तेहरान का कहना है कि लेबनान में शांति उसकी प्रमुख शर्तों में शामिल थी। ईरान ने आरोप लगाया कि इस्राइल ने बेरूत पर हमला कर हालात बिगाड़े। ईरान गाजा-लेबनान में इस्राइली कार्रवाई तुरंत रोकने की मांग कर रहा है। तेहरान चाहता है कि इस्राइली सेना पूरी तरह लेबनान से बाहर निकले। ईरान का मानना है कि अमेरिका इस्राइल की कार्रवाई रोकने में विफल रहा है।

पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार, 35 नए मंत्री बने

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में सोमवार को सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। लोकभवन

- अर्जुन सिंह, तपस रॉय मंत्री बने
- शुभेंदु मंत्रिमंडल में अब 41 मंत्री

में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। सीएम शुभेंदु अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, 3 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 को राज्य मंत्री बनाया गया। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है। इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी। संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15प्रतिशत तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं। सोमवार के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट में 41 मंत्री हो गए हैं। तय सीमा के आधार पर 3 मंत्री और बनाए जा सकते हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फिलहाल यह 3 पद खाली ही रहेंगे। इससे पहले 11 मई को सीएम शुभेंदु ने अपने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा किया था। इसमें निशिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया। दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन की जिम्मेदारी सौंपी गई। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग दिए गए।

गुजरात में 12 शेर, एमपी में 10 बाघों की मौत

नई दिल्ली। एशियाटिक लायंस के लिए फेमस गुजरात के पूर्वी और पश्चिमी गिर फॉरेस्ट में 12 शेरों की मौत का मामला केंद्र सरकार तक

- इनके सीडीवी वायरस से मरने का दावा

पहुंच गया है। वन विभाग ने 30 से अधिक शेरों को एनीमल केयर सेंटर में रखा है। हालांकि, शेरों की लेबोरेटरी रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की गई है। ऐसा ही हाल मध्यप्रदेश में बाघों का है। कान्हा टाइगर रिजर्व में 2 अप्रैल से अब तक 10 बाघों की मौत हो चुकी है। बाघों में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) के गंभीर लक्षण मिलने के बाद वन विभाग ने अलर्ट मोड में अभियान शुरू किए हैं। गुजरात के शेरों में सीडीवी वायरस के लक्षण मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों और राज्य के वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने जसाधार पशु देखभाल केंद्र का दौरा किया। पिछले 15 दिनों में 12 शेरों की मौत के बावजूद रिपोर्ट जारी न होने से मामला गहराता जा रहा है।
गुजरात में करीब 8 दिन पहले 5 शावकों और 4 शेरों की मौत हुई थी। इनके विसरा नमूनों की जांच के बाद भी वन विभाग की ओर से अभी तक कोई रिपोर्ट जारी नहीं की गई है।

जनता दर्शन में सीएम योगी का नया फरमान

अधिकारी समय पर करें जन समस्याओं का समाधान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में आए फरियादियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने फरियादियों द्वारा उठाए गए राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण समयसीमा के भीतर हो और विलंब होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जाए। मुख्यमंत्री ने अपने समक्ष लाये गये राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों का संज्ञान लिया और कहा कि लंबित राजस्व वादों का समयसीमा के भीतर निस्तारण किया जाए। आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिए की छह महीने से अधिक लंबित वादों के कारणों की समीक्षा की जाए और उचित कारण न होने पर भी अगर निस्तारण में देर होती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय और हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अपने परिजन के साथ आए कुछ बच्चों से शिक्षा के बारे में भी पूछा और अभिभावकों से कहा कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें, क्योंकि पढ़ा-लिखा बच्चा ही सशक्त भारत की नींव है।

पीएम स्वनिधि ने जोड़े 55 लाख डिजिटल स्ट्रीट वेंडर्स

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर निधि योजना की छठी वर्षगांठ के अवसर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्ट्रीट वेंडरों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था में शामिल करने में कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह योजना विश्वास, सम्मान और सशक्तिकरण पर आधारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र

- छह साल में बदली 75 लाख से ज्यादा लोगों की जिंदगी

मोदी ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट में बताया कि कैसे इस पहल ने किफायती और बिना गारंटी वाले ऋण की सुविधा देकर अनगिनत स्ट्रीट वेंडरों को सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि आज हम 6 Years of PMSVANidhi मना रहे हैं, एक ऐसी योजना जिसने बिना गारंटी वाले ऋण, वित्तीय समावेशन और विकास के नए अवसर प्रदान करके अनगिनत स्ट्रीट वेंडरों के जीवन को बदल दिया है। पोस्ट में आगे लिखा था कि यह योजना विश्वास,

सम्मान और सशक्तिकरण पर आधारित है। सभी लाभार्थियों को मेरी शुभकामनाएं, जिनकी दृढ़ता और उद्यमशीलता हमारे देश की अर्थव्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है।
पीएम स्वनिधि भारत की अनौपचारिक शहरी अर्थव्यवस्था में कार्यरत विक्रेताओं को सहायता प्रदान करने वाली एक प्रमुख पहल के रूप में उभरी है। बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराने के अलावा, इस योजना ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा दिया है, संस्थागत ऋण तक पहुंच में सुधार किया है और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार किया है। 2020 में शुरू होने के बाद से अब तक 1.12 करोड़ से अधिक ऋण वितरित किए जा चुके हैं।

वी मोहना बनीं सुप्रीम कोर्ट की जज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने वरिष्ठ वकील वी मोहना समेत चार हाईकोर्ट्स के मुख्य न्यायाधीशों को सुप्रीम कोर्ट जज बनाने की सिफारिश की थी। जिसे केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दी है। इसके साथ ही अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या बढ़कर 37 हो गई है। अब जैसे ही केंद्र सरकार ने इन नामों को मंजूर किया है तो जस्टिस वी मोहना ने इतिहास रच दिया है। जस्टिस वी मोहना, जस्टिस इंदु मल्होत्रा के बाद देश की दूसरी महिला वकील हैं, जिन्हें वकील से सीधे सुप्रीम कोर्ट की जज नियुक्त किया गया है। जस्टिस वी मोहना सुप्रीम कोर्ट के इतिहास की 12वीं महिला जज हैं। वर्तमान में जस्टिस बीवी नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट में जज हैं और वी मोहना दूसरी महिला जज होंगी।

कांग्रेस ने मांगा धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा

नई दिल्ली। सीबीएसई के ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि शिक्षा मंत्रालय की लापरवाही और अनियमितताओं के कारण लाखों छात्रों को मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी है और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को राजधर्म निभाते हुए इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर कहा कि कई सप्ताह तक साइबर सुरक्षा खामियों से इनकार करने के बाद सीबीएसई ने आखिरकार स्वीकार कर लिया है कि उसका ओएसएम सिस्टम प्रभावित हुआ है। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि इस मामले में ठेका प्राप्त कंपनी सीओईएमपीटी के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी?

श्रीलंका : धार्मिक उत्सव के दौरान हादसा, छह मरे

कोलंबो। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के बाहरी इलाके में बौद्ध धर्म के प्रमुख वेसाक उत्सव के दौरान एक बेकाबू ट्रक ने लोगों की भीड़ को कुचल दिया, जिसमें छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 13 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ट्रक का ड्राइवर नशे की हालत में वाहन चला रहा था और नशे की हालत में ही उसने उत्सव मना रहे लोगों की भीड़ को कुचल दिया। यह हादसा रविवार रात कोलंबो को मीगोडा इलाके में हुआ, जहां वेसाक समारोह के तहत लगाए गए एक मुफ्त फूड स्टॉल के बाहर बड़ी संख्या में लोग कतार में खड़े थे। इसी दौरान तेज रफ्तार पिकअप ट्रक भीड़ में घुस गया। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 35 से 38 वर्ष आयु के तीन पुरुष और 15 से 56 वर्ष आयु की तीन महिलाएं शामिल हैं।

उपलब्धि — ब्रह्मोस, आकाश और नेत्र खरीदने में कई देश रुचि दिखा रहे

ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया में भारतीय हथियारों की डिमांड बढ़ी

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर में ब्रह्मोस, आकाश, लॉयटरिंग म्युनिशन और नेत्र जैसे भारतीय हथियारों के इस्तेमाल के बाद

- अब तक 21,000 करोड़ की डील हो चुकी है

दुनिया में इनकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई देशों ने इन्हें खरीदने में रुचि दिखाई है, जबकि कुछ के साथ हजारों करोड़ रुपए के सौदे भी हो चुके हैं।
इनकी कीमत 21,000 करोड़ रुपए से अधिक है। रक्षा मंत्रालय

के मुताबिक, 2025-26 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 38,424 करोड़ रुपए पहुंच गया, जो पिछले साल से 62 प्रतिशत ज्यादा है। ब्रह्मोस के लिए फिलीपींस, वियतनाम और दो अन्य देशों से करीब 12,500 करोड़ रुपए के सौदे हो चुके हैं। इंडोनेशिया के साथ लगभग 3,600 करोड़ रुपए की डील अंतिम मंजूरी के चरण में है। आकाश मिसाइल सिस्टम के लिए अर्मेनिया से 6,100 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट पहले ही हो चुका है।

100 से ज्यादा देशों को 38,424 करोड़ रु. का निर्यात

भारत अब 100 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात करता है, जिनमें अमेरिका, फ्रांस और अर्मेनिया प्रमुख हैं। अमेरिका सबसे बड़ा खरीदार है जहां 2.8 अरब डॉलर के प्रणाली व कल्पुर्जे बोइंग और लॉकहीड मार्टिन जैसी बड़ी कंपनियों को जाते हैं। अर्मेनिया जैसे देश पूरे तैयार हथियार खरीद रहे। सरकार ने 2029-30 तक 50,000 करोड़ रुपए का रक्षा निर्यात लक्ष्य रखा है। 2016-17 में यह मात्र 1,522 करोड़ रुपए था। यानी एक दशक से कम समय में इसमें 25 गुना से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद मिले वैश्विक ध्यान ने इस लक्ष्य को और तेज गति देने के संकेत दिए हैं।

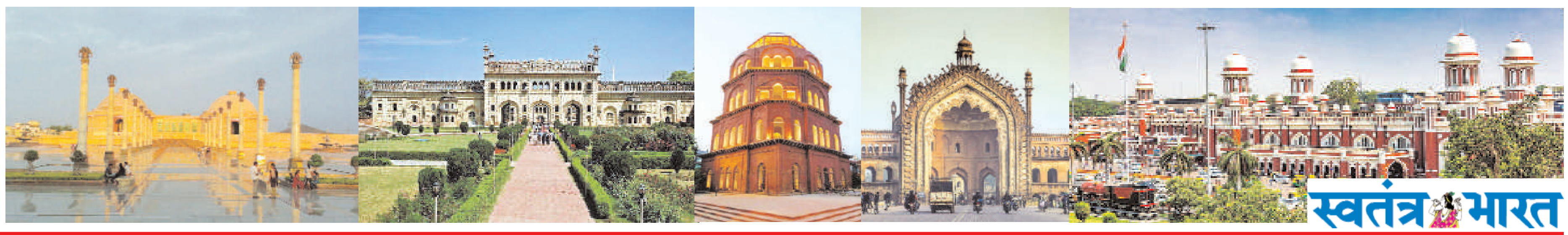

ट्रेड शो का आयोजन पहले से अधिक भव्य व आकर्षक हो : मुख्य सचिव

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 की तैयारियों की समीक्षा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । मुख्य सचिव एस.पी.गोयल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो -2026 के चतुर्थ संस्करण की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित इवेंट के मास्टर प्लान,लेआउट का अवलोकन करते हुये उन्होंने संबंधित विभागों को समयबद्ध एवं प्रभावी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो प्रदेश का एक प्रतिष्ठित और महत्वाकांक्षी आयोजन है, जिसे इस वर्ष और अधिक भव्यता एवं नवाचार के साथ आयोजित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गौरवशाली इतिहास, पारंपरिक कलाओं, जनजातीय संस्कृति, लोक कला एवं लोक विरासत का आकर्षक प्रदर्शन किया जाए, जिससे देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों को प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता से परिचित कराया जा सके। उन्होंने कहा कि 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन (ओडीओसी)' के अंतर्गत प्रदेश के विशिष्ट, ऐतिहासिक एवं पारंपरिक व्यंजनों के स्टॉल स्थापित कराए जाएं, ताकि उत्तर प्रदेश के स्थानीय स्वाद और पाक विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्राप्त हो सके। मुख्य सचिव ने आयोजन की व्यापक ब्रांडिंग एवं प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री पोर्टल एवं सभी डीआईसी पोर्टलों पर तत्काल ट्रेड शो के प्रचार बैनर प्रदर्शित किए जाएं। साथ ही देश के प्रमुख शहरों एवं एयरपोर्ट्स पर आयोजन से दो माह पहले होर्डिंग्स लगवाए जाएं। मुंबई, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित प्रमुख नगरों तथा यूपी मेट्रो नेटवर्क में भी बड़े स्तर पर ब्रांडिंग सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त समाचार पत्रों, रेडियो, डिजिटल एवं अन्य प्रचार माध्यमों के जरिए व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने आयोजन को ध्यान में रखते हुए शहर के सौंदर्यीकरण, अप्रोच रोड की मरम्मत, पार्किंग प्रबंधन,सुचारु यातायात व्यवस्था के लिए अग्रिम तैयारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डेयरी, उद्योग, मत्स्य एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में नवाचार आधारित आकर्षक व्यावसायिक मॉडल एवं प्रदर्शनों को शामिल करने पर बल दिया। बैठक में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 का आयोजन 25 से 29 सितम्बर 2026 के मध्य इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा में प्रस्तावित है। इस वर्ष ट्रेड शो की थीम प्रस्तावित है। आयोजन की प्रमुख उपथीमों में शामिल हैं। इस वर्ष ट्रेड शो में 80 से अधिक देशों के लगभग 550 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तथा 45,000 से अधिक बी2बी खरीदारों को आकर्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आयोजन के माध्यम से लगभग 5,000 करोड़ की बिजनेस इन्क्वायरी, 20,000 करोड़ की संभावित व्यावसायिक गतिविधियों तथा 5,000 से अधिक एमओयू हस्ताक्षरित होने की संभावना व्यक्त की गई।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल को मिला 5एस प्रमाण-पत्र

प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वाला भारतीय रेलवे का पहला कार्यालय बना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय को कार्यस्थल प्रबंधन और संगठन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त 5एस प्रमाणीकरण से सम्मानित किया गया है। यह कार्यस्थलों को व्यवस्थित, स्वच्छ और कुशल बनाने की एक जापानी पद्धति है, जिसका मुख्य उद्देश्य कार्यक्षमता बढ़ाना, समय बचाना और अनुपयोगी सामग्री को कम करना है। मण्डल रेल प्रबंधक कार्यालय, लखनऊ यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला भारतीय रेलवे का प्रथम कार्यालय बन गया है। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा की 5एस प्रणाली अपनाने से न केवल हमारी कार्यक्षमता और स्पष्टता में सुधार हुआ है, साथ ही हमारे रेलकर्मियों के लिए एक अधिक सकारात्मक व तनाव-मुक्त कार्य वातावरण तैयार हुआ है।

खबर एक नज़र

भागवत कथा में श्रोता और वक्ता के महत्व का वर्णन

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। पिपलेश्वर महादेव मंदिर, विराजखंड गोमती नगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस पर कथा व्यास ने राजा परीक्षित और परमहंस शुकदेव महाराज के प्रसंग का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने भगवान के चौबीस अवतारों की कथाओं का भी श्रवण कराया। आचार्य श्री ने कहा कि श्रोता के बिना कोई भी कथा पूर्ण नहीं हो सकती और कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण करने वाला व्यक्ति मोक्ष का अधिकारी बनता है। कथा के दौरान भक्तिमय भजनों पर श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम में कथा आयोजक परिवार के कैप्टन राजेश कुमार तिवारी, धीरेंद्र शुक्ल, लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, हरिप्रसाद गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज की सफलता

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। जेईई एडवांस्ड 2026 के परिणामों में छात्र अनवेश पटेल ने अखिल भारतीय रैंक 68 प्राप्त कर लखनऊ में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं छात्र शशांक ने अखिल भारतीय रैंक 455 तथा अविशि पांडे ने अखिल भारतीय रैंक 1246 प्राप्त की। परिणाम घोषित होने के बाद छात्रों के शिक्षण संस्थान में खुशी का माहौल रहा। उत्तर प्रदेश के शैक्षणिक प्रमुख विनोद शर्मा ने सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि एलन ने अपने पहले द्विवर्षीय बैच में ही उत्कृष्ट परिणाम देकर नई पहचान बनाई है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष परिचर्चा

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एफआईसीसीआई एफएलओ 5 जून को दिल्ली में ÷प्लैनेट, पॉलिसी एंड प्रोग्रेस÷ भारत के सतत भविष्य का निर्माण÷ विषय पर विशेष परिचर्चा आयोजित करेगा। कार्यक्रम में डॉ. सुलज्जा फिरोदिया मोटवानी, अंकित अग्रवाल, बरखा सुब्बा और बहार दत्त सहित कई विशेषज्ञ हरित प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता संरक्षण और चक्रीय अर्थव्यवस्था पर अपने विचार रखेंगे। एफएलओ की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूजा गर्ग ने कहा कि सतत विकास अब विकल्प नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। इस अवसर पर अखिल भारतीय अपशिष्ट संग्रहण एवं जिम्मेदार निपटान अभियान की भी घोषणा की जाएगी।

कल से कर्क राशि में गुरु का गोचर

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। देवगुरु बृहस्पति 2 जून प्रातः 6~30 बजे कर्क राशि में प्रवेश करेंगे। कर्क गुरु की उच्च राशि मानी जाती है और लगभग 12 वर्ष बाद यह महत्वपूर्ण गोचर हो रहा है। ज्योतिषाचार्य एस.एस. नागपाल के अनुसार गुरु के कर्क राशि में आने से हंस राजयोग का निर्माण होगा, जो पंच महापुरुष योगों में से एक अत्यंत प्रभावशाली राजयोग है। इस गोचर से विवाह, संतान, शिक्षा, व्यापार, संपत्ति और धार्मिक कार्यों में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना रहेगी। नागपाल ने बताया कि मेष, कर्क, तुला, वृश्चिक, मकर और मीन राशि वालों के लिए यह गोचर विशेष रूप से शुभ रहेगा। कर्क राशि के जातकों के लिए यह जीवन का स्वर्णिम काल साबित हो सकता है, जबकि तुला राशि वालों को करियर और प्रतिष्ठा में लाभ मिलेगा। वृश्चिक राशि के लिए भाग्योदय और मीन राशि के लिए संतान, शिक्षा तथा निवेश के क्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं। वहीं सिंह, धनु और कुंभ राशि वालों को खर्च, स्वास्थ्य और योजनाओं में सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। गुरु के शुभ प्रभाव को बढ़ाने के लिए विष्णु सहस्रनाम का पाठ, केसर या हल्दी का तिलक, पीले वस्त्र धारण करना, पीली वस्तुओं का दान, गाय को केला खिलाना तथा गुरु, पिता एवं बुजुर्गों का सम्मान करने की सलाह दी गई है। ज्योतिषाचार्य एस.एस. नागपाल ने कहा कि यह गोचर आर्थिक स्थिरता, कृषि, रियल एस्टेट और सरकारी योजनाओं के लिए भी सकारात्मक संकेत लेकर आ सकता है।

छात्रों को मिले बेहतर रोजगार अवसर

स्वतंत्र भारत नीलमथा। हाल के प्लेसमेंट सत्र में बड़ी संख्या में छात्रों का चयन विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में हुआ है। प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस डॉ. ओमप्रकाश ने बताया कि कौशल विकास और रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के चलते छात्रों को देश-विदेश की कंपनियों में अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. एल.एस. अवस्थी, प्लेसमेंट हेड सुश्री क्षमा सिंह तथा निदेशक सुश्री गरिमा सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।एलपीसीपीएस की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था का परिणाम है।

सेफ्टी उपकरण संविदा कर्मियों को कराए गए उपलब्ध

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. के प्रबंधन का कहना है कि निगम संविदा कर्मियों की घटित घातक विद्युत दुर्घटना के प्रकरण को पूरी सजगता से लेता है। इसके साथ निगम का यह प्रयास रहता है कि संविदा कर्मियों के साथ ऐसे प्रकरण की पुनरावृत्ति न हो, जिसके लिए निगम की तरफ से लाइन पर कार्य करने के लिए सेफ्टी उपकरण प्रमुखता से संविदा कर्मियों को उपलब्ध कराए गए हैं। यहां तक इनके उपयोग की ट्रेनिंग भी कराई गयी है। यदि कोई ऐसा प्रकरण संज्ञान में आता है कि संविदा कर्मी विद्युत पोल/परिवर्तकों पर बिना सेफ्टी किट के कार्य कर रहा है तो उन्हें इसके खतरों के बारे में जागरूक किया जाता है और संबंधित अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाती है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की तरफ से विद्युत दुर्घटना में मृतक संविदा कर्मी रिजवान अली, प्रवेश, उदयराज, अनुराग शुक्ला, दयाशंकर एवं निजाम जिनकी मृत्यु विद्युत घात से हुई है, उस पर विभाग की ओर से वांछित कार्रवाई सम्पादित करा दी गयी है, जो कि विद्युत सुरक्षा निदेशालय के पोर्टल पर दर्ज भी है।

सात उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत चोरी करते मिले, रिपोर्ट दर्ज

मध्यांचल एमडी के निर्देश पर मॉर्निंग रेड अभियान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल के निर्देश पर बड़े बकायेदारों और विद्युत चोरी में संलिप्त उपभोक्ताओं पर विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई करते हुये प्राथमिकी भी स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई। वर्टिकल व्यवस्था के अन्तर्गत सोमवार को अधिशासी अभियंता रेड असेसमेंट एण्ड कलेक्शन अमौसी क्षेत्र के द्वारा विद्युत चोरी रोकथाम व लाइन लॉस को कम करने हेतु पूर्व चयनित सक्सेस स्टोरी फीडरों मे विभागीय टीम-विजलेंस टीम द्वारा सघन मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया, जिसमें 83 संयोजनों को चेक किया गया इसमें से 7 उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत चोरी करते पाये गये। इन सभी के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गयी। इसी तरह जानकीपुरम जोन के समस्त उपभोक्ताओं को भीषण गर्मी में लगातार विद्युत आपूर्ति प्रदान करने के लिए सोमवार को मुख्य अभियंता के द्वारा कड़े निर्देशो के अनुपालन मे अधिशाषी अभियंता तकनीकी जानकीपुरम एवं महानगर के द्वारा लाइनों एवं वितरण परिवर्तको के अनुरक्षण एवं लोड बैलेंसिंग का कार्य प्रतिदिन प्राथमिकता के आधार पर लगातार कराया जा रहा है। साथ ही बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 में स्वीकृत कार्यों मे से 90 प्रतिशत कार्यों को पूरा किया जा चुका है। शेष बचें कार्यों की कार्य योजना बनाकर अतिशीघ्र पूरा कराये जा रहे हैं। इसके लखनऊ मध्य क्षेत्र के अन्तर्गत 33/11 विद्युत उपकेन्द्र कैंट पर अवर अभियंता द्वारा उपस्थित कर्मचारियों को सुरक्षा की ट्रेनिंग दी गई तथा यह निर्देशित किया गया कि जब भी लाइन पर कार्य करें सुरक्षा उपकरणों का शत प्रतिशत प्रयोग करें। इसके साथ 33/11 विद्युत उपकेन्द्र-गऊघाट मेन के पुलिस चौकी स्थित 630 केवीए ट्रांसफार्मर पर नई 4 वे सर्किट पेटी स्थापित की गई। इस कार्य के पूर्ण होने से क्षेत्र के सम्मानित उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, विद्युत वितरण व्यवस्था में सुधार होगा। यही नहीं संभावित तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान में भी सुविधा प्राप्त होगी। सोमवार को लखनऊ मध्य जोन के अन्तर्गत 1912 पर मीटर संबंधी 34, सप्लाई संबंधी 44 व बिल संबंधी 3 शिकायतें दर्ज हुई। इन उपभोक्ताओं द्वारा ऑनलाईन शिकायतों पर की गयी त्वरित कार्रवाई की गई।

रेलवे के संरचनात्मक बदलाव में हो कुली के कार्यों की सुरक्षा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। रेलवे में हो रहे संरचनात्मक बदलाव और निजीकरण में कुलियों के काम को सुरक्षित करने और बैटरी रिक्शा संचालन, ट्रॉली से सामान ढोने तथा माई कुली एप जैसी चीजों को कुलियों की सहकारी समितियां को सौंपने की मांग राष्ट्रीय कुली मोर्चा की वर्चुअल बैठक में उठी। बैठक में कुलियों को रेलवे की नौकरी में समायोजित करने और उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए रेल मंत्रालय के कराए गए सर्वे की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने का अनुरोध रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से किया गया। इस संबंध में पूरे देश में सूचना के अधिकार कानून के तहत सरकार से जवाब मांगने का निर्णय भी बैठक में हुआ। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय कुली मोर्चा के कोऑर्डिनेटर राम सुरेश यादव ने बताया कि रेलवे में हो रहे संरचनात्मक बदलाव के कारण रेलवे की कुलियों के सामने अपने जीवन को चलाने का संकट खड़ा हो गया है।निजी कंपनियों द्वारा बैटरी रिक्शा संचालन, ठेकेदारों से कराई जा रही ट्रॉली प्रथा और प्राइवेट माई कुली एप जैसी कार्रवाइयों के कारण कुलियों की आजीविका पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। चंद कॉर्पोरेट घरानों के मुनाफे के लिए सरकार इन नीतियों को लेकर आ रही है। बैठक में यह आम राय बनी की भारत सरकार से कहा जाए कि वह सारे कार्य जो यात्रियों के सामान ढोने के लिए रेलवे द्वारा प्राइवेट कंपनियों से कराए जा रहे हैं उन्हें कुलियों की सहकारी समितियां को सौंपा जाए ताकि उसका मुनाफा कुलियों को मिले और वह लाभान्वित हो सकें। बैठक में कहा गया कि यदि सरकार यह नहीं करती तो रेलवे का एक संवर्ग होने के नाते कुलियों को रेलवे की नौकरी में समायोजित किया जाए। बैठक में यह भी बात उठी की कि रेल मंत्री बार-बार सदन में यह बात कहते हैं कि कुलियों के बच्चों की शिक्षा, परिवार के स्वास्थ्य और उनके लिए विश्रामगृह आदि की सुविधा प्रदान की जा रही है। जबकि जमीनी सच्चाई इससे इतर है रेलवे के सामाजिक सुरक्षा के तमाम आदेश ठंडे बस्ते में पड़े हैं जिन्हें लागू नहीं किया जा रहा। ऐसी स्थिति में जमीनी स्तर पर इन्हें लागू करने की बात भी उठी। बैठक का संचालन सह कोऑर्डिनेटर चंदेश्वर मुखिया ने किया। बैठक में कन्हैया ग्वाला,राहुल कुमार यादव, अनिल सांवले, आनंद,राजू टेकम, जितेंद्र डांगी, राजकुमार यादव, शेख रहमतुल्लाह, मुबारक भाई, शिव शंकर, रामबाबू बिलाला, राम महावर, कलीम मकरानी, संजय पासवान, अरविंद , राज कपूर, राजकुमार, अरुण कुमार महतो, शिवराम, मूलचन्द, अमजद भाई, चंद्री चालवाड़ी, राम जनम यादव मौजूद रहे।

युवाओं की आवाज नहीं दबाई जा सकती : संजय सिंह

ब्लैक लिस्टेड कंपनियों को परीक्षा सौंपकर बर्बाद किया युवाओं का भविष्य

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को प्रयागराज में आयोजित 'पेपर लीक पर चर्चा' कार्यक्रम में भाजपा सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश और देश में लगातार हो रहे पेपर लीक ने करोड़ों युवाओं की मेहनत और सपनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि नीट समेत विभिन्न भर्ती और बोर्ड परीक्षाओं में हुई धांधली के खिलाफ छात्र अपनी पीड़ा साझा कर रहे थे, लेकिन प्रशासनिक अमला कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गया और पूरी ताकत लगाकर इस शांतिपूर्ण चर्चा को रोकने तथा दबाव बनाने का प्रयास किया। आप नेता ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला बताते हुए प्रदेश के सभी 75 जिलों में 'पेपर लीक पर चर्चा' अभियान चलाने तथा बाद में राजधानी लखनऊ में छात्रों के साथ बड़ा घेराव करने का ऐलान किया।

संजय सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा का पेपर लीक होने से 22 लाख छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पेपर लीक और भर्ती घोटालों का सिलसिला भाजपा सरकार के कार्यकाल में लगातार बढ़ता गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में दरोगा भर्ती परीक्षा, वर्ष 2018 में नौका चालक भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी भर्ती, उत्तर प्रदेश विद्युत निगम कनिष्ठ अभियंता भर्ती तथा लोअर सबोर्डिनेट भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक और अनियमितताओं के कारण प्रभावित हुईं। इसके बाद वर्ष 2021 में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की भर्ती परीक्षा तथा उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा भी विवादों और पेपर लीक की भेंट चढ़ गईं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 में उत्तर प्रदेश बोर्ड की अंग्रेजी परीक्षा का प्रश्नपत्र 24 जिलों में लीक हुआ, राजस्व लेखपाल भर्ती परीक्षा निरस्त करनी पड़ी, वर्ष 2024 में पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा और समीक्षा अधिकारी-सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा रद्द करनी पड़ी। वर्ष 2025 में हाईस्कूल गणित का प्रश्नपत्र लीक हुआ और वर्ष 2026 में कर्मचारी चयन आयोग की सिपाही भर्ती परीक्षा, नीट, केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा तथा लेखपाल भर्ती में भी धांधली और पेपर लीक के आरोप सामने आए। उन्होंने कहा कि यह घटनाएं बताती हैं कि भाजपा सरकार युवाओं का भविष्य सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल रही है।संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जिन कंपनियों को परीक्षा संचालन की जिम्मेदारी दी गई, उनमें से कई पहले से ब्लैक लिस्टेड थीं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश विद्युत निगम की परीक्षा और पुलिस भर्ती जैसी संवेदनशील परीक्षाओं का संचालन उन्हीं एजेंसियों को सौंपा गया जिन पर पहले सवाल उठ चुके थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कंपनियों को भाजपा सरकार का संरक्षण प्राप्त है और इन्हें इसलिए बचाया जाता है क्योंकि इन्होंने भाजपा को करोड़ों रुपये का चंदा दिया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली को जानबूझकर ऐसे हाथों में सौंपा गया, जिनकी विश्वसनीयता पहले से संदेह के घेरे में रही है। आगामी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र विमान के माध्यम से भेजने के सरकारी फैसले पर संजय सिंह ने कहा कि इससे बड़ा मजाक और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पेपर लीक कराने वाले लोगों और संरक्षित एजेंसियों पर कार्रवाई करने के बजाय सरकार नए-नए प्रयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि सेना का काम देश की सुरक्षा करना है, प्रश्नपत्र ढोना नहीं। सरकार अपनी नाकामी छिपाने के लिए संस्थाओं को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास कर रही है।

समाज कल्याण विभाग की शैक्षिक पहल से मिली नई उड़ान

एडवांस्ड में प्रीति ने बढ़ाया सर्वोदय विद्यालयों का मान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने मेंस व एडवांस्ड और बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। इस उपलब्धि पर समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से खुला रास्ता : समाज कल्याण विभाग के उप निदेशक जे. राम ने बताया कि मिर्जापुर (मड़िहान) स्थित सर्वोदय विद्यालय को डॉ. अरुण कुमार तिवारी ट्रस्टी एक्स नवोदयन फाउंडेशन और टाटा एआईजी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के सहयोग से जेईई,नीट की निःशुल्क तैयारी के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में विकसित किया गया है। इस वर्ष कुल 11 विद्यार्थी मेंस में सफल रहे। इनमें मड़िहान की छात्राओं दामिनी पटेल, अंवाला वर्मा, सृष्टि, शिवानी और रागनी ने मेंस में सफलता प्राप्त की, जबकि प्रीति ने एडवांस्ड के लिए भी क्वॉलीफाई किया। साथ ही प्रीति और दामिनी मंडी के कार्यक्रम के लिए भी शॉर्टलिस्ट हुईं। वहीं मेहरौना (देवरिया) के विकास यादव और अंकित सिंह, तीरगांव (बाराबंकी) के अभिषेक मिश्रा, जोगियाटप्पा भानपुर (बस्ती) के अमित कुमार व परसिया (मिर्जापुर) के ऋषिकेश भारती ने भी मेंस में बाजी मारी। बोर्ड परीक्षाओं में भी सर्वोदय विद्यालयों के छात्रों का दबदबा देखने को मिला। यूपी बोर्ड से संबद्ध सर्वोदय विद्यालय निडौरी (गाजियाबाद) की छात्राओं अंजलि पुंडीर और अंशिका ने जनपद स्तर पर क्रमशः चौथा और छठा स्थान प्राप्त किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 31 हजार और 21 हजार रुपये, प्रशस्ति पत्र व मेडल देकर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और सीडीओ कुमार सौरभ द्वारा सम्मानित किया गया।

भाजपा इलेक्शन सरचार्ज लगा रही है : अखिलेश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि बिजली के बिल के नाम पर भाजपा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के तिकड़मी खर्चों की व्यवस्था के लिए 'इलेक्शन सरचार्ज' लगा रही है। जून से बिजली का बिल देखकर लोगों के आंखों के आगे अंधेरा छाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि बिजली के बिल में भाजपा का कमीशन बढ़ा है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की कथनी-करनी में बहुत अंतर है। उसने महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन जबसे सरकार आई है, रोज महंगाई बढ़ाती जा रही है। कभी डीजल, पेट्रोल, कभी बिजली और कभी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दे रही है। भाजपा, पूंजीपतियों के लिए नीतियां बनाती है। गरीबों की जेब से पैसा निकाल कर पूंजीपतियों की पूंजी बढ़ाती है, फिर उनसे कमीशन और चंदे लेती है। प्रदेश की जनता भाजपा को हटाकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगी तभी महंगाई से निजात मिलेगी। विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पीडीए की रणनीति को विस्तार देने में जुटी समाजवादी पार्टी अपने पीडीए आडिट का दूसरा भाग जारी करने की तैयारी में जुटी है। सोमवार को सपा प्रमुख ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। वीडियो में पेपर लीक को लेकर भाजपा को घेरा गया है। सूत्रों के मुताबिक पीडीए आडिट का दूसरा भाग विभिन्न परीक्षाओं के पेपर लीक सबंधी आंकड़ों पर आधारित होगा।

मृतक संविदा कर्मचारियों को श्रद्धांजलि

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पावर कार्पोरेशन प्रबंधन ने बड़े पैमाने पर आउटसोर्स कर्मचारियों को कार्य से हटा दिया। इसके चलते कर्मचारियों की भारी कमी होने से आउटसोर्स कर्मचारियों पर कार्य का भार अधिक पड़ने, 11 केवी आउटगोइंग फिडरों पर 1 गैंग (1 लाइन मैन+ 1 पेट्रोल मैन/कुशल श्रमिक + 2 अकुशल श्रमिक) के स्थान पर 1 कर्मचारी को तैनात करने और अकुशल कर्मचारियों से एलटी-एचटी लाइनों, ट्रांसफार्मरों, ब्रेकरों आदि पर कार्य कराये जाने के कारण 22 अप्रैल से 28 मई के बीच 37 दिनों में 36 आउटसोर्स कर्मचारियों कि दुर्घटनाएं हुई, जिसमें 22 आउटसोर्स कर्मचारियों की मृत्यु हो गई। इसके अलावा 14 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि सभी दुर्घटनाओं की जानकारी नहीं मिल पाती है। नतीजतन दुर्घटनाओं का यह आंकड़ा बढ़ सकता है। आउटसोर्स कर्मचारियों कि इतने बड़े पैमाने पर हो रही दुर्घटनाओं को ध्यान में रखकर संगठन के बार बार अवगत कराने के बावजूद भी पावर कार्पोरेशन प्रबंधन द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों की दुर्घटनाओं पर ध्यान न दिए जाने के कारण प्रबंधन का ध्यान आउटसोर्स कर्मचारियों की तरफ आकृष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ लखनऊ ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मृतक कर्मचारियों की आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। लखनऊ में शक्ति भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर नियमित व आउटसोर्स कर्मचारियों के साथ ही साथ संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक ई शैलेन्द्र दुबे, अभियंता संघ के महासचिव जितेन्द्र सिंह गुर्जर, हाइड्रो इलेक्ट्रिक इम्प्लाइज के श्री प्रमोद कुमार दिक्षित एवं उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन शक्ति भवन लखनऊ के प्रबंध निदेशक के प्रतिनिधि के रूप में प्रदीप कुमार, महाप्रबंधक (औ.सं) शक्ति भवन लखनऊ द्वारा पुष्प अर्पित किया गया, किन्तु पावर कॉरपोरेशन के निर्देश (का. प्र.एवं प्रशा.) जान मैथ्यू ने श्रद्धांजलि सभा में भाग लेने से साफ मना कर दिया। यह जानकारी उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा/संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री देवेन्द्र कुमार पाण्डेय ने दी।

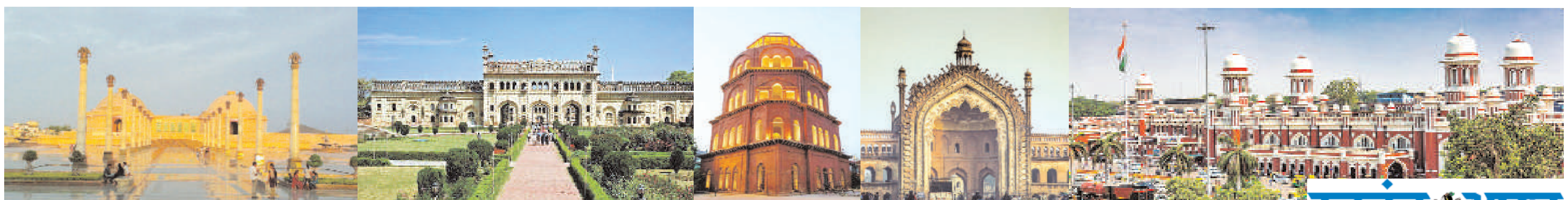

विद्युत दरों में बढ़ोत्तरी पर अंतरिम आदेश तक रोक

उपभोक्ता परिषद के लोक महत्व प्रस्ताव पर आयोग का फैसला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने प्रदेश के 3 करोड़ 73 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के हित में दाखिल जनहित एवं लोकमहत्व प्रत्यावेदन पर उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग (यूपीईआरसी) ने गंभीरता दिखाते हुए कड़ा रुख अपनाया है। आयोग ने प्रथम दृष्टया

- **विद्युत नियामक आयोग ने यूपीपीसीएल से मांगा जवाब**

माना है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा जून 2026 के बिजली बिलों में लागू किया गया 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार (फ्यूल सरचार्ज) नियामकीय प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। पावर कॉरपोरेशन द्वारा जारी आदेश कानून का उल्लंघन है। निश्चित तौर पर पावर कारपोरेशन को अपना आदेश वापस लेने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है, वहीं उपभोक्ता पर अडिग 'है कि

पावर कारपोरेशन के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं केंद्र तथा राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार तथा सदस्य संजय कुमार सिंह से भेंट कर विस्तृत लोकमहत्व एवं जनहित प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया था। परिषद ने आयोग को तथ्यों और आंकड़ों के साथ अवगत कराया कि फ्यूल एवं पावर परचेज कॉस्ट एडजस्टमेंट (एफपीपीसीए) की गणना में मार्च 2026 की वास्तविक बिजली खरीद लागत के साथ-साथ लगभग 1400 करोड़ रुपये के पुराने बकाया दावों एवं पूर्व अवधि की देनदारियों को भी जोड़ दिया गया, जो कानून और नियामकीय व्यवस्था के विपरीत है। परिषद ने आयोग को बताया कि यदि यूपीपीसीएल ने विनियमों के अनुरूप सही गणना की होती तो जून 2026 में उपभोक्ताओं पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त भार डालने के बजाय लगभग 2 प्रतिशत की दर से बिजली बिलों में कमी लागू होती। परिषद का दावा है कि आयोग द्वारा स्वीकृत बिजली खरीद लागत लगभग 4.94 रुपये प्रति यूनिट थी, जबकि मार्च 2026 के लिए लगभग 5.86 रुपये प्रति यूनिट लागत दर्शाकर उपभोक्ताओं पर लगभग 1610 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाल दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए यूपीईआरसी ने अपने आदेश में महत्वपूर्ण टिप्पणियां की हैं। आयोग ने कहा है कि न्यायिक आदेशों के अनुसार देय बकाया राशि, एनटीपीसी को देय पुराने भुगतान, केंद्रीय ट्रांसमिशन उपयोगिता से संबंधित बकाया तथा अन्य ऐतिहासिक देनदारियों को एफपीपीएएस/एफपीपीसीए गणना में शामिल करने से उपभोक्ताओं पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है। इससे आयोग को उन लागतों की प्रकृति, विवेकशीलता, स्वीकार्यता और वसूली की वैधता की जांच करने का अवसर नहीं मिल पाता।

आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा है कि ऐसा दृष्टिकोण न तो यूपीईआरसी एमवाईटी विनियम-2025 के विनियमन 16.1 के अनुरूप है और न ही उपभोक्ता संरक्षण के मूल सिद्धांतों से मेल खाता है। आयोग की राय है कि पिछली अवधि के बकाया एवं ऐतिहासिक देनदारियों को वर्तमान एफपीपीएएस गणना में शामिल करना विनियम 16.1 के प्रावधानों के साथ असंगत है।

इसी आधार पर आयोग ने यूपीपीसीएल को सात दिनों के भीतर विस्तृत स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आयोग ने संबंधित माह के एफपीपीएएस की विस्तृत गणना, उसमें शामिल सभी मदों का विवरण, वर्तमान अवधि एवं पूर्व अवधि की बिजली खरीद लागत तथा ट्रांसमिशन शुल्क का पृथक विवरण, एपीटीईएल के आदेशों के अनुपालन में किए गए भुगतानों का ब्यौरा तथा वह कानूनी एवं नियामकीय आधार मांगा है जिसके तहत पिछली अवधि की देनदारियों को एफपीपीएएस गणना में शामिल किया गया।

प्रदेश में संग्रहालयों के विकास को मिली रफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में निर्माणाधीन और संचालित संग्रहालयों के सुदृढ़ीकरण, नवीनीकरण, उच्चीकरण तथा क्यूरेशन कार्यों को गति देने के लिए करोड़ों रुपये की धनराशि जारी की है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि संग्रहालय निदेशालय के अधीन संचालित विभिन्न परियोजनाओं के लिए कार्यदायी संस्थाओं को पहली किश्त के रूप में धनराशि अवमुक्त कर

- **कई परियोजनाओं के लिए करोड़ों रुपये जारी**

दी गई है। उन्होंने कहा कि वाराणसी, फिरोजाबाद, देवरिया, लखनऊ, झांसी और कुशीनगर में संचालित परियोजनाओं के कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी परियोजना में घटिया या अधोमानक सामग्री के प्रयोग पर संबंधित संस्था के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि मुंशी प्रेमचंद स्मृति संग्रहालय एवं पुस्तकालय के आंतरिक साज-सज्जा और क्यूरेशन कार्यों के लिए 260 लाख रुपये की पहली किश्त जारी की गई है। कार्यदायी संस्था द्वारा परियोजना पर तेजी से काम किया जा रहा है। यह संग्रहालय हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद

की स्मृतियों को संरक्षित करने का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। ग्लास म्यूजियम के क्यूरेशन कार्य के लिए 440.54 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है। यह संग्रहालय फिरोजाबाद की विश्व प्रसिद्ध कांच उद्योग विरासत को प्रदर्शित करेगा और पर्यटन आकर्षण का नया केंद्र बनेगा। देवरिया जनपद में पुरानी कचहरी परिसर स्थित भूमि पर विकसित किए जा रहे शहीद रामचन्द्र विद्यार्थी स्मृति स्थल के विकास, क्यूरेशन और आंतरिक साज-सज्जा कार्यों के लिए 30 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। यह परियोजना मुख्यमंत्री की घोषणा के अंतर्गत संचालित की जा रही है। राज्य संग्रहालय में क्यूरेशन, समन्वित विकास, चिल्ड्रेन गैलरी, वर्कशॉप, लैंडस्केपिंग और उच्चीकरण कार्यों के लिए 198.13 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा संग्रहालय परिसर स्थित ओल्ड कोठी में कैफेटेरिया तथा नई लाइब्रेरी की स्थापना के लिए 459.10 लाख रुपये जारी किए गए हैं। राज्य संग्रहालय के बेसमेंट कक्षों के सुदृढ़ीकरण और आधुनिक स्टोरेज सिस्टम की स्थापना के लिए 460.49 लाख रुपये, जबकि सीवर लाइन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्लांट और नलकूप स्थापना कार्यों के लिए 174.66 लाख रुपये जारी किए गए हैं। संग्रहालय में विदेशी मूर्तिकला दीर्घा की मूर्तियों को स्थानांतरित कर नए स्थान पर प्रदर्शित करने की परियोजना के लिए 159.88 लाख रुपये की धनराशि दी गई है, जिसका लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

अपर नगर आयुक्त लखनऊ का ट्रांसफर रिटायरमेंट से 23 महीने पहले आया ऑर्डर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । लखनऊ नगर निगम के अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त का लखनऊ से वाराणसी ट्रांसफर हो गया है। इसके बाद अब प्रशासनिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। शासन के इस फैसले

- **नियमों पर उठे सवाल**

पर सवाल उठ रहे हैं क्योंकि उनके रिटायरमेंट में करीब 23 महीने बचे हैं। सामान्य प्रशासनिक नियमों के अनुसार जिन अधिकारियों की सेवानिवृत्ति में दो साल या उससे कम समय बचा हो, उनका तबादला विशेष परिस्थितियों को छोड़कर नहीं किया जाता है।

अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त को लखनऊ नगर निगम में कार्यरत हुए अभी लगभग दो वर्ष चार माह ही हुए हैं। इसके बावजूद रविवार को जारी तबादला सूची में उनका नाम शामिल कर उन्हें वाराणसी स्थानांतरित कर दिया गया। इस निर्णय को लेकर निगम अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच भी चर्चा बनी हुई है। तबादला नीति में वरिष्ठ अधिकारियों के स्थानांतरण को लेकर स्पष्ट प्रावधान हैं। ऐसे में सेवानिवृत्ति के निकट पहुंचे अधिकारी के तबादले को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। इससे पहले पिछले वर्ष नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह का भी नियमों के विपरीत तबादला किए जाने का मामला सामने आया था। उस समय संबंधित अधिकारी ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। अदालत ने उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए तबादला आदेश पर रोक लगा दी थी। ऐसे में अरुण कुमार गुप्त के तबादले को लेकर भी कानूनी और प्रशासनिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

ऐशबाग स्क्वायर और पार्क व्यू अपार्टमेंट के लिए एलडीए ने खोले पंजीकरण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ में प्रीमियम अपार्टमेंट की तलाश कर रहे लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। एलडीए ने अपने ऐशबाग स्क्वायर और पार्क व्यू अपार्टमेंट के फ्लैटों के लिए पुनः

- **एक जून से 30 जून तक लोग कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन**

पंजीकरण खोल दिया है। इसमें ऐशबाग स्क्वायर के 276 व पार्क व्यू अपार्टमेंट के 118 फ्लैट प्रस्तुत किये गये हैं। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर 1 जून से 30 जून तक पोर्टल लाइव रहेगा। पंजीकरण सिर्फ और सिर्फ एलडीए की वेबसाइट के माध्यम से ही कराया जा सकेगा। इसके

लिए फ्लैट के अनुमानित मूल्य की 5 प्रतिशत धनराशि बतौर पंजीकरण शुल्क जमा करनी होगी, जोकि आरक्षित वर्ग के लिए 2.5 प्रतिशत होगी। फ्लैटों का आवंटन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा।

सुविधाओं से लैस होंगे अपार्टमेंट

ऐशबाग स्क्वायर एवं पार्क व्यू अपार्टमेंट की कनेक्टिविटी और लोकेशन काफी प्राइम होगी। सोसाइटी में स्वीमिंग पूल,पार्क, क्लब हाउस, किड्स प्ले-एरिया, लिफ्ट, पावर बैकअप, फ्लैटों से अधिक पार्किंग स्पेस आदि की सुविधा होगी।

3 वर्ष में पूरा होगा प्रोजेक्ट

इन अपार्टमेंट्स का निर्माण 03 वर्ष में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है और 05 वर्ष के भीतर आवंटियों को फ्लैट का कब्जा प्रदान कर दिया जाएगा। आवेदकों को आवंटन के पश्चात 36 महीने की किश्तों में पूर्ण धनराशि जमा करानी होगी। वहीं, 45 से 90 दिनों में पूर्ण धनराशि जमा करने पर 6 से 4 प्रतिशत की छूट मिलेगी।

15 जून से यूपी मेट्रो में लागू होगा 'वन नेशन, वन कार्ड'

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (मेट्रो) 15 जून से नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड सेवा शुरू करने जा रहा है। इसके लागू होने के बाद यात्रियों को अलग-अलग शहरों की मेट्रो के लिए अलग कार्ड रखने की जरूरत नहीं होगी। एक ही

- **देशभर की मेट्रो में चलेगा एक ही कार्ड, किसी भी स्टेशन पर बनवा सकेंगे**

कार्ड से देश के कई शहरों की मेट्रो और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यूपीएमआरसी के मौजूदा स्मार्ट कार्ड की जगह अब एनसीएमसी कार्ड मिलेगा। पुराने कार्डधारक भी इसे बदलकर नया कार्ड ले सकेंगे। इस कार्ड के जरिए यात्री लखनऊ, कानपुर और आगरा मेट्रो के अलावा दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और बेंगलुरु समेत उन सभी मेट्रो नेटवर्क में यात्रा कर सकेंगे, जहां एनसीएमसी सुविधा उपलब्ध है। इससे दूसरे शहरों में यात्रा के दौरान नया टिकट या कार्ड लेने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मेट्रो अधिकारियों के अनुसार, एनसीएमसी केवल मेट्रो यात्रा तक सीमित नहीं रहेगा। इसका उपयोग बस यात्रा, पार्किंग शुल्क, टोल टैक्स भुगतान और खुदरा खरीदारी में भी किया जा सकेगा। यह कार्ड प्रीपेड, डेबिट या क्रेडिट कार्ड के रूप में भी काम कर सकता है, जो जारी करने वाले बैंक पर निर्भर करेगा। कार्ड में एनएफसी आधारित कॉन्टैक्टलेस तकनीक दी गई है, जिससे यात्री सिर्फ टैप कर भुगतान कर सकेंगे। इसमें ऑफलाइन ट्रांजिट वॉलेट की सुविधा भी होगी, जिससे इंटरनेट न होने पर भी मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश और निकास द्वार पर किराया स्वतः कट जाएगा। इससे यात्रियों की आवाजाही तेज होगी और स्टेशनों पर भीड़ कम होगी।

प्रताप सिंह बघेल माध्यमिक, अनिल भूषण बने बेसिक शिक्षा निदेशक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल व बेसिक शिक्षा निदेशक के पद की जिम्मेदारी अनिल भूषण चतुर्वेदी को सौंपी गई है। अपर शिक्षा निदेशक स्तर के इन दोनों अधिकारियों को प्रभारी शिक्षा निदेशक बनाकर जिम्मेदारी दी गई है। प्रताप सिंह बघेल अभी तक बेसिक शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत थे और अनिल भूषण चतुर्वेदी साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उत्तर प्रदेश शैक्षिक (सामान्य शिक्षा संवर्ग) सेवा समूह-क श्रेणी में कार्यरत अपर शिक्षा निदेशक स्तर के इन दोनों अधिकारियों को प्रभारी शिक्षा निदेशक पद की जिम्मेदारी सौंपे जाने के आदेश विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त की ओर से जारी कर दिए गए हैं। दोनों ही अधिकारी शिक्षा विभाग में कार्य करने का लंबा अनुभव रखते हैं। दोनों के ही सामने चुनौतियां भी हैं। बेसिक शिक्षा निदेशक के सामने 69 हजार शिक्षक भर्ती में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर चयन सूची बनाने, गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित करने इत्यादि की जिम्मेदारी है। दूसरी ओर माध्यमिक शिक्षा निदेशक के सामने एडेड स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों को भरना व स्कूलों में संसाधन बढ़ाने की चुनौती है।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों ने खोला मोर्चा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सेवारत शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य किए जाने के मुद्दे पर देशभर के शिक्षक संगठनों ने विरोध तेज कर दिया है। रविवार को लखनऊ में आल

- **संसद से कानून बनाने की मांग; बड़े आंदोलन की भी चेतावनी**

इंडिया बीटीसी शिक्षक संघ की राज्य स्तरीय बैठक में केंद्र सरकार से संसद के आगामी मानसून सत्र में कानून बनाकर शिक्षकों की नौकरी सुरक्षित करने की मांग की गई। बैठक की पदाधिकारियों ने कहा कि यदि टीईटी अनिवार्यता लागू होती है तो वर्ष 2011 से पहले नियुक्त बड़ी संख्या में शिक्षकों की नौकरी पर संकट खड़ा हो सकता है। साथ ही सभी शिक्षक संगठनों से एक मंच पर आकर आंदोलन की तैयारी करने का आह्वान किया। निर्णय लिया गया कि यदि केंद्र सरकार ने इस संबंध में राहत नहीं दी तो देशभर के करीब 10 लाख शिक्षक दिल्ली में अनिश्चितकालीन आंदोलन करेंगे। इनमें प्रदेश के लगभग 1.86 लाख शिक्षकों के शामिल होने का दावा किया गया। संघ के अध्यक्ष अनिल यादव, महासचिव जमशेद शरीफ, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप जायसवाल का कहना है कि 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों की नौकरी बचाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर संसद के सामने आमरण अनशन भी किया जाएगा। एनसीटीई के आदेश ने वर्षों से पढ़ा रहे शिक्षकों की योग्यता पर सवाल खड़ा कर दिया है। इस बीच नेशनल मूवमेंट फार ओल्ड पेंशन स्कीम (एनएमओपीएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु ने फेसबुक लाइव के माध्यम से शिक्षकों को संबोधित किया। कहा कि वर्ष 2017 के संशोधन की समीक्षा होनी चाहिए और सभी शिक्षक संगठनों को एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए।

विमल राजन के हाथों में लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट एमडी की कमान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम में प्रशासनिक फेरबदल के तहत वरिष्ठ अधिकारी विमल राजन को लखनऊ क्षेत्र के आरएम और लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट एमडी की

- **क्षेत्रीय प्रबंधक और एमडी का पदभार संभाला**
- **सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देने की चुनौती**

महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सोमवार को उन्होंने हजरतगंज स्थित सप्रू मार्ग के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचकर क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम), लखनऊ तथा प्रबंध निदेशक (एमडी), लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड का विधिवत कार्यभार ग्रहण कर लिया। वहीं अब तक यह जिम्मेदारी संभाल रहे अमरनाथ सहाय को परिवहन निगम मुख्यालय में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यभार ग्रहण के दौरान परिवहन निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने विमल राजन का स्वागत किया । उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

यात्री सुविधाओं और राजस्व बढ़ाने पर रहेगा फोकस

परिवहन विभाग के सूत्रों के अनुसार नई तैनाती के बाद सिटी बसों की समयबद्धता, इलेक्ट्रिक बसों के संचालन, यात्री सुविधाओं के विस्तार, टिकटिंग व्यवस्था में सुधार और निगम के राजस्व को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। राजधानी में बढ़ते यातायात दबाव के बीच सार्वजनिक परिवहन को अधिक सुविधाजनक और आकर्षक बनाना भी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

कर्मचारियों में नई उम्मीद

विमल राजन के पदभार ग्रहण करने के बाद परिवहन निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों में नई उम्मीद जगी है। कर्मचारियों का मानना है कि उनके प्रशासनिक अनुभव का लाभ लखनऊ क्षेत्र को मिलेगा और परिवहन सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिलेगा।

राजधानी की परिवहन व्यवस्था पर रहेगी नजर

लखनऊ क्षेत्र परिवहन निगम का सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त क्षेत्रों में माना जाता है। यहां प्रतिदिन हजारों यात्री रोडवेज और सिटी बस सेवाओं का उपयोग करते हैं। ऐसे में विमल राजन के सामने शहरी और अंतरजनपदीय परिवहन सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा बस संचालन में तकनीकी सुधार लागू करने की बड़ी चुनौती होगी।

अयोध्या में सफल कार्यकाल के बाद लखनऊ की जिम्मेदारी

विमल राजन इससे पहले अयोध्या क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रबंधक और सिटी ट्रांसपोर्ट के प्रबंध निदेशक के रूप में कार्यरत थे। उनके कार्यकाल में संचालन व्यवस्था को बेहतर बनाने, बसों के समयबद्ध संचालन, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा राजस्व वृद्धि के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की गई थी। इसी प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए उन्हें अब प्रदेश की राजधानी लखनऊ की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की कमान सौंपी गई है।

2027 की तैयारी में जुटी कांग्रेस, गठबंधन पर भरोसा

2027 में होने वाले की तैयारियों पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव शाहनवाज आलम से बातचीत की गई। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश।

पांच सवाल

शाहनवाज आलम
अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव

क्या कांग्रेस 2027 का विधानसभा चुनाव गठबंधन के साथ लड़ेगी?

भाजपा जब गठबंधन की राजनीति कर रही है तो विपक्ष भी निश्चित रूप से एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा। कांग्रेस इंडिया गठबंधन को और मजबूत करने के पक्ष में है और चुनावी परिस्थितियों के अनुसार सहयोगी दलों के साथ आगे बढ़ेगी।

उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर क्या स्थिति है?

समाजवादी पार्टी प्रदेश की एक बड़ी राजनीतिक ताकत है। लोकसभा चुनाव में गठबंधन के अच्छे परिणाम सामने आए थे। उसी अनुभव और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आगे की रणनीति तय की जाएगी।

कांग्रेस को किन वर्गों का समर्थन मिलने की उम्मीद है?

राहुल गांधी के प्रति दलित समाज का विश्वास लगातार बढ़ा है। दलित, मुस्लिम तथा अन्य वंचित वर्ग कांग्रेस की नीतियों को पसंद कर रहे हैं। साथ ही ब्राह्मण समाज में भी कांग्रेस के प्रति सकारात्मक रुझान दिखाई दे रहा है।

पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। पार्टी नेतृत्व दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और युवाओं पर विशेष फोकस कर रहा है ताकि व्यापक जनसमर्थन तैयार किया जा सके।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का चुनावी चेहरा कौन होगा?

प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है। पार्टी सामूहिक नेतृत्व और मजबूत संगठन के आधार पर चुनाव मैदान में उतरेगी तथा जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगी।

- भृगु नागर

बाढ़ त्रासदी को लेकर सीएम का सख्त रुख

शाकंभरी मंदिर के निकट आई बाढ़ की सीएम योगी ने की समीक्षा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को सहारनपुर दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने सबसे पहले सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी मंदिर पहुंचकर हाल ही

- **चौकी इंचार्ज निलंबित**
- **हाल ही में आई बाढ़ से हुआ था नुकसान**

में आई बाढ़ और सैलाब से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर हालात का निरीक्षण किया और आपदा के दौरान प्रशासनिक तैयारियों व राहत कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे से पहले ही पुलिस विभाग में बड़ी कार्रवाई करते हुए शाकंभरी मंदिर चौकी प्रभारी संजय कुमार को निलंबित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में संभावित खतरे और सैलाब की आशंका की

जानकारी होने के बावजूद समय रहते श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को सतर्क नहीं किया गया। सुरक्षा व्यवस्था और आपदा प्रबंधन में लापरवाही को लेकर यह कार्रवाई की गई है।हाल ही में शाकंभरी क्षेत्र में आए तेज सैलाब ने भारी तबाही मचाई थी। इस हादसे में दो महिलाओं की जान चली गई, जबकि करोड़ों रुपये की संपत्ति और सामान पानी के तेज बहाव में बह गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यदि प्रशासन समय रहते अलर्ट जारी करता और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करता, तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता था।

मंदिर परिसर और प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक शुरू की। बैठक में बाढ़ त्रासदी, राहत एवं बचाव कार्य, कानून-व्यवस्था, विकास परियोजनाओं और जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जा रही है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों से घटनाक्रम की पूरी रिपोर्ट मांगी है और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ जवाबदेही तय करने के संकेत दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में ऐसी आपदाओं से निपटने के लिए पहले से मजबूत व्यवस्था तैयार की जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उनका यह दौरा न केवल आपदा प्रबंधन की समीक्षा के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही तय करने के लिहाज से भी बेहद अहम माना जा रहा है।

अन्य विभागों के अधिकारियों की भूमिका की जांच होगी

सूत्रों के अनुसार, चौकी प्रभारी पर हुई कार्रवाई के बाद अन्य विभागों के कुछ अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। माना जा रहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे और प्रशासनिक कार्रवाई हो सकती है। वहीं, मुख्यमंत्री के निरीक्षण के समय आई आपदा को लेकर चेहरे पर खौफ साफ दिखाई दे रहा था। सूत्रों की माने तो इस आपदा को लेकर लखनऊ पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री कोई बड़ी कार्रवाई कर सकते हैं।

अल्पज्ञात तीर्थस्थल भी अब आएंगे पर्यटन मानचित्र पर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन का दायरा लगातार बढ़ रहा है। अब यह केवल अयोध्या, काशी और प्रयागराज तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि राज्य सरकार प्रदेश के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के साथ-साथ

- **अयोध्या, काशी और प्रयागराज के साथ मथुरा, नैमिषारण्य व विंध्याचल पर भी विशेष फोकस**

अपेक्षाकृत कम चर्चित तीर्थस्थलों को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में काम कर रही है। पर्यटन विभाग ने अयोध्या, काशी और प्रयागराज को जोड़ने वाले स्पिरिचुअल ट्रायंगल के विकास के साथ-साथ मथुरा, नैमिषारण्य और विंध्याचल जैसे प्रमुख धार्मिक केंद्रों को भी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। सरकार का मानना है कि धार्मिक पर्यटन के विस्तार से न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान मजबूत होगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। विशेष बात यह है कि अब उन धार्मिक और आध्यात्मिक स्थलों को भी पर्यटन मानचित्र पर लाने की योजना बनाई जा रही है, जिनके बारे में प्रदेश के अन्य क्षेत्रों के लोगों को भी पर्याप्त जानकारी नहीं है। इन स्थलों का विकास, सौंदर्यीकरण, बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु और पर्यटक वहां पहुंच सकें। पर्यटन विभाग का मानना है कि उत्तर प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। प्रदेश में अनेक ऐसे प्राचीन मंदिर, आश्रम, तीर्थस्थल और पौराणिक महत्व के स्थान हैं, जिनकी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान तो है, लेकिन उन्हें अभी तक व्यापक पर्यटन नेटवर्क से नहीं जोड़ा जा सका है।

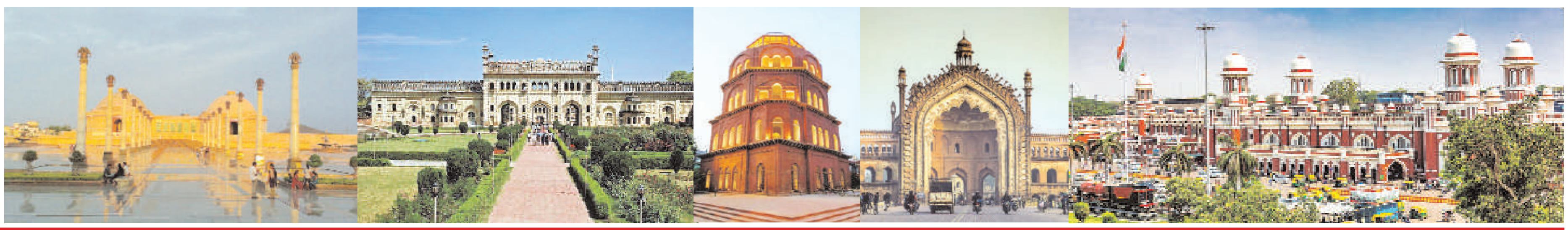

संविदा कर्मियों की छंटनी से बढ़ीं दुर्घटनाएं

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने निजीकरण और उत्पीड़न के नाम पर संविदा कर्मियों की बड़े पैमाने पर की जा रही छंटनी पर गहरी चिंता

-मौतों पर संघर्ष समिति ने जताई गहरी चिंता

व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे शेष कर्मचारियों पर कार्यभार अत्यधिक बढ़ गया है, जिसके परिणामस्वरूप दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है और संविदा कर्मियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। संघर्ष समिति ने मांग की है कि बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए हटाए गए सभी संविदा कर्मियों को तत्काल पुनः कार्य पर वापस लिया जाए। इसके साथ बिजली कर्मियों के विरुद्ध चल रही समस्त उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों को समाप्त किया जाए।

सोमवार को शक्ति भवन में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने विगत एक माह के दौरान कार्य करते हुए जान गंवाने वाले संविदा कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। संघर्ष समिति ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान प्रदेश की बिजली व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के लिए संविदा कर्मी दिन-रात कार्य कर रहे हैं, लेकिन कर्मचारियों की भारी कमी और अत्यधिक कार्यभार के कारण उन्हें अपनी जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ रहा है। संघर्ष समिति ने बताया कि निजीकरण के नाम पर की जा रही तथाकथित 'डाउनसाइजिंग' के तहत प्रत्येक उपकेंद्र पर संविदा कर्मियों की संख्या पहले 36 से घटाकर 18.5 कर दी गई थी। इसके बाद तथाकथित 'वर्टिकल रिस्ट्रक्चरिंग' लागू किए जाने के पश्चात कई स्थानों पर यह संख्या घटाकर मात्र 7.5 कर दी गई है। नए टेंडरों में भी संविदा कर्मियों की संख्या में 45 प्रतिशत से अधिक की कटौती कर दी गई है। राजधानी लखनऊ सहित जिन क्षेत्रों में वर्टिकल व्यवस्था लागू की गई है, वहां स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है। संघर्ष समिति ने कहा कि कर्मचारियों की भारी कमी के कारण कुशल संविदा कर्मियों के स्थान पर अकुशल कर्मियों से कार्य कराया जा रहा है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। अत्यंत अल्प वेतन पर कार्य करने वाले संविदा कर्मियों को बढ़ते कार्यभार और असुरक्षित परिस्थितियों में काम करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। संघर्ष समिति के अनुसार 22 अप्रैल से 28 मई के बीच लगभग 22 संविदा कर्मियों की कार्य के दौरान मृत्यु हुई है। इनमें से लगभग 70 प्रतिशत मृतक अकुशल श्रेणी के कर्मचारी थे। संघर्ष समिति ने आरोप लगाया कि पावर कॉरपोरेशन का शीर्ष प्रबंधन निजीकरण की नीति को लागू करने के लिए लगातार कर्मचारियों का उत्पीड़न कर रहा है तथा अत्यंत अल्प वेतनभोगी संविदा कर्मियों के प्रति अमानवीय और असंवेदनशील रवैया अपना रहा है। संघर्ष समिति ने मांग की है कि भीषण गर्मी में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डाउनसाइजिंग के नाम पर हटाए गए सभी संविदा कर्मियों को तत्काल बहाल किया जाए, वर्टिकल व्यवस्था के नाम पर रोजगार से वंचित किए गए कर्मियों को पुनः नियुक्त किया जाए तथा बिजली कर्मियों के विरुद्ध की गई समस्त उत्पीड़नात्मक कार्रवाइयों को वापस लिया जाए। संघर्ष समिति ने कहा कि इससे बिजली कर्मी प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार आम जनता को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर सकेंगे।

विद्यालय पुस्तकों की आपूर्ति भुगतान का सत्यापन कराएगी सरकार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और

-शिक्षा संसाधनों के प्रभावी उपयोग, जवाबदेही को और मजबूत करेगी सत्यापन प्रक्रिया : मंत्री संदीप सिंह

परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा एवं पीएम श्री योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में चयनित परिषदीय विद्यालयों के पुस्तकालयों के लिए क्रय की गई पुस्तकों की आपूर्ति एवं भुगतान संबंधी विवरणों का जनपदवार सत्यापन कराने का निर्णय लिया गया है। इस संबंध में प्रदेश के सभी जनपदों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते के लिए निर्धारित प्रारूप पर प्रमाणित विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में शिक्षा विभाग में पारदर्शिता, गुणवत्ता और जवाबदेही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि विद्यालय पुस्तकालय विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास और अध्ययन संस्कृति को मजबूत करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि विद्यालयों के लिए स्वीकृत एवं क्रय की गई पुस्तकें समयबद्ध रूप से विद्यालयों तक पहुंचें तथा उनके भुगतान संबंधी सभी अभिलेख पूर्णतः पारदर्शी और सत्यापित हों। उन्होंने कहा कि पुस्तकों की आपूर्ति एवं भुगतान संबंधी विवरणों का सत्यापन केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि शिक्षा संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी और भविष्य में निगरानी व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा। प्रदेश सरकार विद्यालय पुस्तकालयों और पठन-पाठन संसाधनों को सुदृढ़ बनाने पर विशेष बल दे रही है। विद्यार्थियों में अध्ययन की रुचि विकसित करने, उनके ज्ञान-विस्तार तथा गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण के निर्माण के उद्देश्य से विद्यालयों में विभिन्न प्रकार की उपयोगी पुस्तकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इसी क्रम में पुस्तकों की आपूर्ति व भुगतान संबंधी अभिलेखों की समीक्षा कर वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि संसाधनों का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप हो रहा है।

राष्ट्र को राममय बनाना हमारा संकल्प : रामभद्राचार्य

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने सोमवार को लखनऊ में आरंभ हुई अपनी 1423वीं श्रीराम कथा के प्रथम दिवस में पंचवटी प्रसंग का वर्णन

-कलश यात्रा के साथ आरंभ हुई नौ दिवसीय श्रीराम कथा

करते हुए लक्ष्मण द्वारा भगवान राम से पूछे गए पांच महत्वपूर्ण प्रश्नों एवं उनके उत्तरों की व्याख्या की। उन्होंने नवधा भक्ति का उल्लेख करते हुए कहा कि श्रवण, कीर्तन, स्मरण, पादसेवन सहित भक्ति के नौ स्वरूप मानव हृदय को ईश्वर से जोड़ने का माध्यम हैं। सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा में उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज विश्व अभूतपूर्व तनाव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सुरक्षित और सशक्त है क्योंकि यह भगवान की कृपा और प्रेम से अनुप्राणित राष्ट्र है। कथा प्रारंभ होने से पूर्व भव्य कलश एवं पोथी यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर गाजे-बाजे और जय श्रीराम के उद्घोष के साथ कथा स्थल तक यात्रा की तथा विधिवत कलश स्थापना की। विधायक डा. नीरज बोरा ने सपरिवार गुरुपद पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने उद्बोधन में रामभद्राचार्य ने कहा कि राष्ट्र की संस्कृति और अस्मिता की रक्षा प्रत्येक नागरिक का दायित्व है तथा भारत को राममय बनाना उनका संकल्प है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए बताया कि आगामी 14 जनवरी से एक गुरुकुलम् की स्थापना की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को नई गति देना है। उन्होंने कहा कि चित्रकूट स्थित इस संस्थान में अध्ययन-अध्यापन के साथ-साथ विश्वभर के लोगों को ऑनलाइन माध्यम से संस्कृत शिक्षा भी उपलब्ध कराई जाएगी। रामजन्मभूमि प्रकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उनके द्वारा प्रस्तुत सात दिनों की गवाही ने अनेक महत्वपूर्ण प्रश्नों के प्रामाणिक उत्तर प्रदान किए। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर का निर्माण भारतीय आस्था और सांस्कृतिक चेतना की ऐतिहासिक विजय का प्रतीक है। कथा स्थल पर मौजूद राम जन्मभूमि आदि प्रकरणों से जुड़े रहीं वरिष्ठ अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि भोजशाला का निर्णय हिंदुओं के पक्ष में आना बहुत बड़ी जीत है। मैं भोजशाला तब जाऊंगा जब लंदन से मां सरस्वती की प्रतिमा भारत वापस आ जाएगी। कथा के दौरान उन्होंने देश में घटित हाल की बकरीद वाली घटना पर भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए समाज से सजग एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध समाज को संगठित होकर खड़ा होना चाहिए तथा राष्ट्र और संस्कृति की रक्षा के लिए सतत प्रयास करना चाहिए। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजक संस्था उत्सव के पदाधिकारी, भारत लोक शिक्षा परिषद के स्वयंसेवक, श्यामप्रेमी संघ, बोरा फाउंडेशन सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भी सहभागिता की।

एक दर्जन जनपदों के 14 गांवों में चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में चकबन्दी आयुक्त डा हृषिकेश भास्कर यशोद ने जनपदीय अधिकारियों को चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत लम्बित गांवों में अभियान चलाकर चकबन्दी प्रक्रिया को समाप्त किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। जिसके क्रम में विभिन्न जनपदों द्वारा चौपाल लगाकर तथा मौके पर जाकर लम्बित चकबन्दी प्रक्रिया को समाप्त किया जा रहा है। चकबन्दी आयुक्त की ओर से सोमवार को 12 जनपदों के 14 गांवों में चल रही चकबन्दी प्रक्रिया को जोत चकबन्दी अधिनियम की धारा-52(1) के अन्तर्गत स्वीकृति प्रदान करते हुए चकबंदी प्रक्रिया को पूर्ण करने का आदेश दिया। चकबंदी आयुक्त के समक्ष कन्नौज, बिजनौर, सहारनपुर, प्रयागराज, प्रतापगढ़, सीतापुर, सिद्धार्थनगर, देवरिया, बरेली, गोरखपुर, सुल्तानपुर तथा मुरादाबाद के जिलाधिकारियों तथा बंदोबस्त अधिकारियों द्वारा चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण करने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिस चकबंदी आयुक्त को धारा 52(1) के अन्तर्गत समस्त प्रस्तावों को प्रख्यापित किया। इन 14 गांवों में से जनपद कन्नौज का गांव अकबरपुर 45 वर्षों से, जनपद बिजनौर के ग्राम कस्बा झालू 37 वर्षों से, जनपद सहारनपुर का ग्राम डालामजरा 37 वर्ष से एवं जनपद प्रयागराज का ग्राम राजेपुर मय सराय अरजानी 34 वर्षों से चकबन्दी प्रक्रियाधीन थे, जिसमें चकबन्दी आयुक्त द्वारा सघन पर्यवेक्षण के फलस्वरूप चकबन्दी पूर्ण करायी गयी। जनपद हरदोई के गांव टैनी, चित्रकूट के गांव कौडर (कुन्दर) तथा अयोध्या के गांव माफा रामपुर हलवारा को चकबंदी अधिनियम की धारा 6(1) के अन्तर्गत चकबन्दी से पृथक कर दिया गया है।

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना
बैंक पासबुक में मेरे बाबा का नाम बचनू तथा मृत्यु प्रमाणपत्र में बुचनू दर्ज है दोनों नाम का एक ही व्यक्ति हैं। अंकुर विशाल पुत्र स्व0 रामसमुझ ग्रा0 शेखरपुर, को0 देहात, बलरामपुर।
सी.आर.-421/ D-25

सूचना
मैंने अपने पुत्र सुरेश कुमार व बहू कामिनी देवी को गलत चाल-चलन के चलते अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। श्रीपाल पुत्र श्री गोपाली, उम्र 61 वर्ष, निवासी सरखनपुर, थाना व पोस्ट-खीरी, तहसील-लखीमपुर, जिला-खीरी।
सी.आर.-420/ D-48

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र संख्या बी 20250 991176 0000 2274 में त्रुटिवश मेरे बेटे का नाम अव्युक्त त्रिपाठी (AVYUKT TRIPATHI) दर्ज हो गया जो गलत है सही नाम अकाय त्रिपाठी (AKAAY TRIPATHI) है जो की सही है। अंकित त्रिपाठी निवासी - 825/ 605 कृष्णा नगर ,कीडगंज, प्रयागराज।
सी.आर.-419/ D-40

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम NEERU GUPTA था जो बदलकर NEERU KESARWANI हो गया है। भविश्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाये। NEERU KESARWANI W/o SHYAM BABU KESHARVANI 60, GARIVAN TOLA KHULDABAD PRAYAGRAJ.
सी.आर.-419/ D-29

सूचना
मैंने अपने पुत्र सुरेश कुमार व बहू कामिनी देवी को गलत चाल-चलन के चलते अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता नहीं होगा। श्रीपाल पुत्र श्री गोपाली, उम्र 61 वर्ष, निवासी सरखनपुर, थाना व पोस्ट-खीरी, तहसील-लखीमपुर, जिला-खीरी।
सी.आर.-420/ D-48

सूचना
मैंने अपना नाम ATIKUR RAHMAN से बदलकर ATIKUR RAHMAN KHAN रख लिया है अब मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए । अतीकुर रहमान खान पुत्र मोहम्मद इब्राहीम, महुवा टेढवा, तप्पाबांक, उतरौला बलरामपुर।
सी.आर.-421/ D-29

सूचना
मैं SHRUTI IRAPPA MADIWALAR मेरे पति आर्मी नं 0-4279546F रैंक- Hav, IRAPPA MADIWALAR के सैन्य दस्तावेज में मेरा नाम त्रुटिवश SHRUTI. P. MADIWALAR गलत अंकित हो गया है जबकि वास्तविक सही SHRUTI IRAPPA MADIWALAR है।
सी.आर.-418/ D-27

NOTICE
It is hereby informed to the General Public that I have Changed my Name from MOHAMMAD SAIF to MOHD SAIF SIDDIQUI, In the future, I shall be known and recognized by the MOHD SAIF SIDDIQUI. MOHD SAIF SIDDIQUI S/o MATEEN SIDDIQUI, Address: B-25 RING ROAD KALYANPUR, POST VIKAS NAGAR PS GUDAMBA LUCKNOW, UP
सी.आर.-416/ L-25

सूचना
मैं शुभम यादव पुत्र राजू यादव निवासी-426/1083, बी.एस.डी. ॲकडमी वज़ीर बाग, चौक, जिला-लखनऊ का हूँ। मेरे आधार कार्ड सं.-346438269703 में त्रुटिवश नाम शभाम यादव (SHABHAM YADAV) अंकित हो गया है जोकि गलत है जबकि मेरा सही नाम शुभम यादव (SHUBHAM YADAV) है।
सी.आर.-414/ L-34

सूचना
पटना, 27 मई बुधवार 2026
आज पटना में बुद्धिजीवियों, लोकतंत्र सेनानियों, किसानों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक नए दल का गठन किया
'भारतीय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक जनता पार्टी'
सिंहासन प्रसाद गुप्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया
केंद्रीय कार्यालय, 66 ज्ञान विहार, कमता चिनहट, लखनऊ-226028, मो.- 9792213212, 7827144283
सी.आर.-415/ L

सूचना
असहायिक स्थायी मान्यता प्राप्त बी.पी. जनता विद्यालय कसरावां में सहायक अध्यापक 01 पद रिक्त है। उक्त पद हेतु अभ्यर्थी आवेदन पत्र पंजीकृत डाक द्वारा 16/06/2026 तक प्रेषित करें। अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 17 जून 2026 दिन बुधवार प्रातः 11:00 बजे विद्यालय में संपन्न होगा।
उपर्युक्त पद हेतु उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण, स्नातक व प्रशिक्षण योग्यता बी.एड./बीटीसी उत्तीर्ण अभ्यर्थी जिनकी न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष हो वह पंजीकृत डाक से आवेदन करें।
प्रबंधक
बी.पी. जनता विद्यालय कसरावां रायबरेली
सी.आर.-417/ D

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र का सही नाम YUGANSH GOND (युगांश गोंड) पुत्र शिव कुमार है जो कि उसके शैक्षिक अभिलेख में अंकित है। त्रुटिवश मेरे पुत्र के आधार कार्ड संख्या- 2908 7142 2764 में उसका नाम YUGANK (युगंण्क) अंकित हो गया है, जो कि गलत नाम है।
भविष्य में मेरे पुत्र को उसके सही नाम YUGANSH GOND (युगांश गोंड) पुत्र शिव कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाये।
एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के सम्बंध में समस्त विधिक औपचारिकतायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण की गई हैं।
रागिनी गोंड पत्नी शिव कुमार
निवासी कसेरवां, मछलीशहर जौनपुर, उ0 प्र0 - 222165
सी.आर.-419/ D

अदालती सूचना
न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जूनियर डिवीजन) उत्तरी महोदय उन्नाव
दीवानी मु. नं. 1173/2023
दावा तकमील बैनामा
रामकृष्ण मौर्य उम्र 31 वर्ष पुत्र श्री ईश्वरदीन मौर्य साकिन मकान नंबर 433/327 रामनगर बाला गंज चौक जिला लखनऊ...वादी
बनाम-1. कैलाश उम्र 47 वर्ष पुत्र सियाराम निवासी ग्राम माखन खेड़ा मजरा टिकरा सामड पोस्ट व परगना औरास तहसील हसनगंज जिला उन्नाव 2. विनोद कुमार पुत्र मेवा लाल निवासी ग्राम मवई कलॉ फतेहपुर मवई कलॉ मलिहाबाद लखनऊ 3. रामवीर पुत्र कैलाश निवासी ग्राम माखन खेड़ा मजरा टिकरा सामड पोस्ट व परगना औरास तहसील हसनगंज जिला उन्नाव...प्रतिवादीगण
वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08.07.2026 ई. को बवक्त बमुकाम असालतन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुलउमूर अहम मुतालिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्स हो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा को कीजिए और आपको लाजिम है कि उस रोज अपने जुमला गवाहो की जिनकी शहादत पर नीव जुमला दस्तावेजात जिस पर आप बताईद अपनी जवाबदेही के इस्तदलाल कराना चाहते हो उसी रोज पेश करिए। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मसमूआ फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 30.05.2026 ई. को जारी किया गया। आज्ञा से, न्यायालय
सी.आर.-422/ K-CN

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है:- **ई-निविदा सं.: NER-LJN-2026-175; कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल:- वरिष्ठ सहायक मंडल इंजीनियर/पश्चिम/गोरखपुर के अधिकार क्षेत्र में वार्न आउट CMS-Crossing के रिकंडीशनिंग का कार्य। **अनुमानित लागत (₹):** ₹49,43,839.38; **अग्रिम धन (₹):** ₹98,900/-; **समापन अवधि:** 12 माह; **ई-निविदा सं.: NER-LJN-2026-176; कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल:- वरिष्ठ सहायक मंडल इंजीनियर/पूर्व/गोण्डा के अधिकार क्षेत्र में वार्न आउट CMS-Crossing के रिकंडीशनिंग का कार्य। **अनुमानित लागत (₹):** ₹48,87,013.64; **अग्रिम धन (₹):** ₹97,800/-; **समापन अवधि:** 12 माह; **ई-निविदा सं.: NER-LJN-2026-177; कार्य का नाम:** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल:- सीनियर सेक्शन इन्जीनियर/कार्य/पूर्व/गोरखपुर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत, किमी. 390/5-385/0 के बीच गोरखपुर-उनौला खंड में अतिक्रमण और ट्रेसपासिंग को रोकने हेतु RCC बाउंड्री **अनुमानित लागत (₹):** ₹3,74,93,426.65; **अग्रिम धन (₹):** ₹7,49,900/-; **समापन अवधि:** 06 माह; **1.** उपरोक्त ई-निविदा संख्या **NER-LJN-2026-175** व **NER-LJN-2026-176** के लिए ई-निविदा दिनांक 17.07.2026 को 15:00 बजे तक एवं ई-निविदा संख्या **NER-LJN-2026-177** के लिए ई-निविदा दिनांक 21.07.2026 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से संबंधित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग
मुजाधि/डब्ल्यू-147 **लखनऊ**
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

सूचना पत्र
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मो0 अली पुत्र गनी निवासी म0न0 62 मोहल्ला रकाबगंज परगना व तहसील जिला गोण्डा का निवासी हूँ। मेरे द्वारा मेरे पिता श्री गनी पुत्र पाँचू का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु प्रार्थना पत्र/आवेदन नगर पालिका परिषद गोण्डा में प्रस्तुत किया है। जिसमें मेरे पिता श्री गनी पुत्र पाँचू की मृत्यु दिनांक 07.05.1976 मृत्यु स्थान म0न0 62 मोहल्ला रकाबगंज जिला गोण्डा में हो गयी थी।
उक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करवाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पन्द्रह दिवस के अन्दर कार्यालय नगर पालिका परिषद गोण्डा में आकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि समाप्त हो जाने उपरान्त किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और मृत्यु प्रमाण पत्र नगर पालिका परिषद गोण्डा द्वारा निर्गत कर दिया जायेगा।
मो. अली
पुत्र गनी
निवासी-म.न. 62 मोहल्ला रकाबगंज परगना व तहसील, जिला गोण्डा।
मो. नं.- 9044985135
सी.आर.-424/ L

सूचना पत्र
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं रबी अहमद पुत्र मुन्ना निवासी म0न0 507 मोहल्ला मेवातियान परगना व तहसील जिला गोण्डा का निवासी हूँ। मेरे द्वारा मेरे पिता श्री मुन्ना पुत्र रमजान का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने हेतु प्रार्थना पत्र/आवेदन नगर पालिका परिषद गोण्डा में प्रस्तुत किया है। जिसमें मेरे पिता श्री मुन्ना पुत्र रमजान की मृत्यु दिनांक 18.12.2018 मृत्यु स्थान म0न0 507 मोहल्ला मेवातियान जिला गोण्डा में हो गयी थी।
उक्तानुसार मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करवाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पन्द्रह दिवस के अन्दर कार्यालय नगर पालिका परिषद गोण्डा में आकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि समाप्त हो जाने उपरान्त किसी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा और मृत्यु प्रमाण पत्र नगर पालिका परिषद गोण्डा द्वारा निर्गत कर दिया जायेगा।
रवी अहमद पुत्र मुन्ना निवासी म0न0 507 मोहल्ला मेवातियान परगना व तहसील जिला गोण्डा। मो0 नं0 -9889938062
सी.आर.-423/ L

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
निविदा सूचना संख्या 10-टेण्डर/.मु.परि.प्र./नि/वाराणसी दिनाँक 11.05.2026 का पहला शुद्धिपत्र
दिनांक 12.05.2026 को समाचार पत्रों में प्रकाशित निविदा सूचना संख्या 10-टेण्डर/मु.परि.प्र./नि/वाराणसी दिनाँक 11.05.2026 के संबंधित तिथियों में प्रशासनिक आधार पर निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:-

विवरण	पूर्व संशोधित तिथि	संशोधित
रेलवे द्वारा बिड पूर्व प्रश्नों के उत्तर की तिथि	02.06.2026	12.06.2026
ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	23.06.2026 समय 11:00 बजे तक	03.07.2026 समय 11:00 बजे तक
क्लॉज संख्या 22.1 एवं 23 के अनुसार दस्तावेजों को भौतिक रूप से प्रस्तुत करने की तिथि	--	02.07.2026 तक
ई-निविदा खुलने की तिथि	23.06.2026 समय 15:00 बजे के बाद	03.07.2026 समय 15:00 बजे के बाद

अन्य सभी नियम और शर्ते समान रहेंगी। **संख्या: 10-टेण्डर/.मु.परि.प्र./नि/वाराणसी, दिनाँक 11.05.2026 का पहला शुद्धिपत्र दिनांक 30.05.2026**
1841/26
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
टेंडर नोटिस संख्या-51265214 दिनांक- 01.06.2026
इलेक्ट्रानिक निविदा ई-प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उत्तर रेलवे, आलमबाग, लखनऊ-226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	51265214	"Cone Calorimeter and smoke density chamber for fire property testing of materials (Cost of basic machine meeting the requirement of attached technical specification including preventive maintenance during warranty period)."	1 Nos.	07.07.2026

निविदा शर्तें- **1.** विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी। **1844/2026**
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ निम्न कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

01	कार्य का नाम	मैनुफैक्चर, सप्लाई एंड इंस्टालेशन एंड कमीशनिंग ऑफ बेंचूरी टाइप वेंटिलेशन अरेंजमेंट फॉर लेवेटरी फिटेड विथ बायो टॉयलेट इन आईसीएफ/आरसीएफ/एनएसी कोचेस।
02	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
03	अनुमानित लागत	रु. 69,12,000.00 मात्र।
04	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
05	बिड सिक्युरिटी	रु. 1,38,200/- मात्र।
06	कार्य पूर्ण करने की अवधि	36 माह।
07	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक- 22.06.2026 समय 15:00 बजे तक
08	खुलने का समय	निविदा फॉर्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
09	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट- www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
10	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	

निविदा सूचना सं.: 2026-ए.एम.वी.-सी एंड डब्लू-ईनिविदा-23 दिनांक: 30.05.2026
1839/2026
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

NATIONAL AGRICULTURAL COOPERATIVE MARKETING FEDERATION OF INDIA LIMITED (NAFED)
Nafed Warehousing Complex, Chatta Mile Chauraha, (6th Mile) Sitapur Road, Bakshi Ka Talab, Lucknow-226201 UP, Email: naflkn@nafed-india.com
International Year of Cooperatives 2025

Nafed Lucknow is commencing sale of Moong procured under PSS Summer 2025, lying across various warehouses in the State of Uttar Pradesh from 29.05.2026 through e-auction platforms empanelled by NAFED.

Interested buyers may visit NAFED's website www.nafed-india.com/tenders for the stock locations and sale procedure.

State Head, NAFED U.P.

मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
अधीक्षण अभियन्ता (तकनीकी), अमौसी क्षेत्र, लखनऊ
ई-निविदा सूचना:- संख्या 1985 दिनांक 23.05.2026
निविदा सं0 एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण
1- 17/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रू0 1180, धरोहर राशि रु० 5000 ।
2- 18/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेरा प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रु० 3540, धरोहर राशि रू० 45000 ।
3- 19/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रातर्गत बिजनेस प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रू0 3540, धरोहर राशि रू0 25500 ।
4- 20/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रातर्गत बिजनेरा प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रु० 3540, धरोहर राशि रु० 28500 ।
5- 21/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत विजनेरा प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रु० 5900, धरोहर राशि रु० 145000 ।
6- 22/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रातर्गत बिजनेरा प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रु० 3540, धरोहर राशि रू0 52000 ।
7- 23/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क- रू0 3540, धरोहर राशि रु० 48000।
8- 24/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रू0 3540, धरोहर राशि रु० 63000 ।
9- 25/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रातर्गत बिजनेस प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रु० 3540, धरोहर राशि रू० 39000 ।
10- 26/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेरा प्लान 2026-27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क- रू0 3540, धरोहर राशि रू0 45000 ।
11- 27/SE(T)/Amausi Zone/2026-27:- अमौसी जोन के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान 2026 27 के सापेक्ष विभिन्न कार्य। प्रपत्र शुल्क रू0 3540, धरोहर राशि रु० 48000 ।
ई निविदा की अंतिम तिथि: 15.06.2026
विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएं वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी।

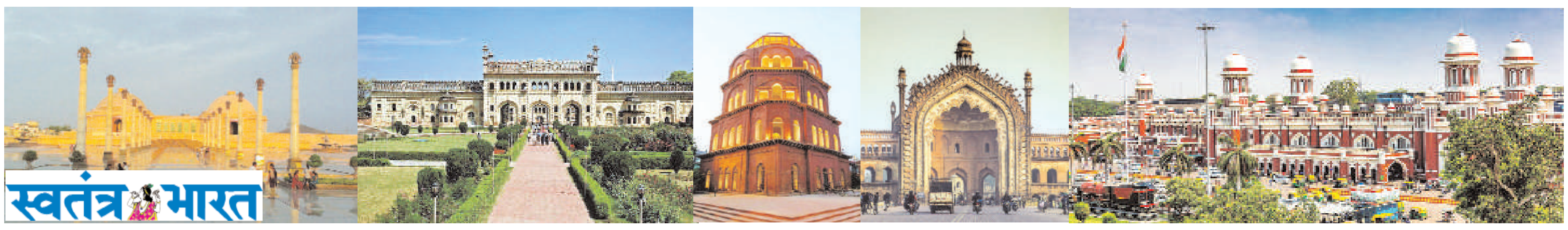

epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

अपराध नियंत्रण पूर्णकालिक डीजीपी की प्राथमिकता

महिला सुरक्षा समेत साइबर क्राइम रोकथाम और तकनीक आधारित पुलिसिंग पर विशेष फोकसए सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा पर दिया विशेष बल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश को लंबे समय के बाद उत्तर प्रदेश को अपना स्थायी पुलिस महानिदेशक मिल गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने सोमवार को अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर पुलिस मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कानून-व्यवस्था और पुलिसिंग से जुड़ी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि बीते एक वर्ष के दौरान 10 प्रमुख प्राथमिकताओं पर काम किया गया। इसमें महिला सुरक्षा, साइबर अपराध नियंत्रण, पुलिस कल्याण और संगठित अपराध पर कार्रवाई प्रमुख रही। उन्होंने सोमवार को पुलिस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता के दौरा यूपी पुलिस की उपलब्धियों के साथ ही भविष्य की योजनाओं के बारे जानकारी साझा करते हुए बताया कि शासन के निर्देशन में प्राथमिकताओं के अनुरूप पुलिस बल के लिए 10 प्रमुख प्राथमिकताएं निर्धारित की गई है। इन प्राथमिकताओं ने पूरे वर्ष के कार्यों को स्पष्ट दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पुलिस महानिदेशक ने पत्रकारों को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई और न्यायालयों में मजबूत पैरवी के परिणाम स्वरूप ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत 93 प्रतिशत से अधिक दोष सिद्धि 32,071 मामलों में न्यायालयों ने निर्णय देकर 29,911 मामलों में 42,681 अभियुक्तों को सजा दिलाई गई, जिनमें 18 मृत्युदंड और 3,340 आजीवन कारावास की सजाएं शामिल हैं। गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत 5,684 अपराधियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए 14(1) के के तहत करीब 788.38 करोड़ रुपये मूल्य की सम्पत्तियां जब्त की गई। वहीं लूट मामलों में 27.8 प्रतिशत, डकैती के मामलों में 11.1 प्रतिशत की कमी आई। हत्या, बलवा, नकबजनी जैसे अपराधों में भी गिरावट दर्ज की गई। वहीं गैंगस्टर एक्ट के तहत 336 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियां

जब्तीकरण के साथ ध्वस्तीकरण कराकर अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। प्रभावी पैरवी के माध्यम से 10 माफिया सरगनाओं और उनके 20 सहयोगियों को सजा दिलाई गई। वहीं उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा की प्रतिबद्धता को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत प्रदेश के सभी थानों में मिशन शक्ति केन्द्र स्थापित होने के साथ ही वर्तमान में 1,647 थानों में महिला हेल्प डेस्क संचालित हैं, जिनके संचालन के लिए करीब 13,500 कार्मिकों की नियुक्ति की गई है। प्रदेश के महिला सम्बंधी अपराधों में गिरावट आने के साथ ही बलात्कार सम्बंधी प्रकरणों में करीब 33.92 प्रतिशत की कमी हुयी है। महिलाओं एवं बच्चियों के अपहरण सम्बंधी प्रकरणों में करीब 17.03 प्रतिशत की कमी, दहेज हत्या सम्बंधी प्रकरणों में करीब 12.96 प्रतिशत की, घरेलू हिंसा सम्बंधी प्रकरणों में करीब 9.54 प्रतिशत की कमी आयी है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन/पोर्टल और आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों एवं लम्बित प्रकरणों में सम्मिलित रूप से 28 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश की सुदृढ़ कानून व्यवस्था प्राथमिकता के तौर पर प्रदेश में सभी प्रमुख आयोजनों को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराया गया। समयबद्ध समीक्षा के साथ योजनाओं के कारण पूरी अवधि में प्रदेश में कोई साम्प्रदायिक दंगा नहीं हुआ।

27 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों हुए प्रशिक्षित

27 हजार से अधिक पुलिसकर्मियों प्रशिक्षितकर पारंपरिक पुलिसिंग कौशलों के साथ-साथ तकनीक, साइबर अपराध, आर्थिक अपराध, डिजिटल फ्रॉड, डेटा एनालिटिक्स और आधुनिक जांच पद्धतियों को भी शामिल किया गया। पुलिस वेतन पैकेज के नवीनी करण के तहत 76 दिवंगत पुलिसकर्मियों के आश्रितों को कुल 137 करोड़ रुपये तथा 11 दिव्यांग पुलिस कर्मियों को 2.36 करोड़ रुपये की सहायता राशि के चेक प्रदान किए गए। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सड़क सुरक्षा पर दिए गए विशेष बल के क्रम में एक जनवरी 2026 से प्रदेश के सभी 7 पुलिस कमिश्नरेट और 68 जनपदों में जीरो फैटलिटी डिस्ट्रिक्ट (जेएफड) योजना शुरू की गई। इसके अंतर्गत 487 अत्यधिक दुर्घटना-प्रवण थाना क्षेत्रों को चिन्हित किया गया और आधुनिक इनफोर्समेंट डिवाइस से युक्त 573 क्रैश कंट्रोल टीम तैनात की गई वर्ष 2026 की प्रथम तिमाही में वर्ष 2025 की तुलना में दुर्घटनाओं में 7.43 प्रतिशत, मृत्यु में 11.55 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 8.05 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

नशीला पदार्थ पिलाकर दोस्तों संग किया दुष्कर्म

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बांदा के शहर कोतवाली क्षेत्र में एक युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि युवती के प्रेमी ने पहले उसे मिलने के बहाने बुलाया और फिर अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर शराब व गांजा पिलाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने प्रेमी समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।शहर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली युवती का देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव निवासी 19 वर्षीय आदित्य मिश्रा से प्रेम संबंध थे। रविवार को आदित्य ने उसे मिलने के लिए बुलाया और सभी नवाब टैंक क्षेत्र पहुंचे, जहां युवती को जबरन शराब और गांजा पिलाया गया। नशे की हालत में होने का फायदा उठाकर चारों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।वारदात के बाद आरोपी युवती को छोड़कर फरार हो गए। देर रात किसी तरह घर पहुंची युवती ने अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना सुनते ही परिजनों के होश उड़ गए और वे तत्काल बेटी को लेकर शहर कोतवाली पहुंचे। पुलिस ने युवती की तहरीर पर प्रेमी आदित्य मिश्रा व देहात कोतवाली क्षेत्र के महोखर गांव निवासी 24 वर्षीय अमित उर्फ बिल्लू, देहात कोतवाली क्षेत्र के कमनौड़ी निवासी 24 वर्षीय अनिल पाल उर्फ सौरभ उर्फ अवनीश व शहर कोतवाली क्षेत्र के जमनीपुरवा सड़क निवासी 20 वर्षीय सत्यम सिंह के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली।वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई की। देर रात दबिश देकर चारों आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार कर लिया गया। सोमवार सुबह आरोपियों का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है और सभी साक्ष्यों को संकलित किया जा रहा है।

खबर एक नजर

रंजिश में युवक पर हमला दस हजार छीना

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। वजीरगंज थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते एक युवक पर हमला हुआ। 12-13 हमलावरों ने मारपीट कर उससे नकदी छीन लिया गया। पुलिस ने उसकी शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की है। बावर्ची टोला निवासी फैजान अहमद के मुताबिक, रविवार देर रात करीब 12 बजे वह सिप्स अस्पताल के पास मौजूद था। इस दौरान उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सैफी बाड़े बताते हुए मिलने के लिए बुलाया। फैजान का कहना है कि वह सैफी को पहले से जानता था, इसलिए उससे मिलने आगामीर ड्योढ़ी चौकी के पास पहुंच गया। आरोप है कि वहां पहुंचते ही उसके चाचा अजीज अहमद, रिजवान उर्फ बब्लू, खलील उर्फ बबी, मेहराज उर्फ डबी, सैफी बाड़े, मन्नू और 6-7 अज्ञात लोग वहां आ गए। सभी ने उसके खिलाफ तहरीर देने की बात कहकर गाली-गलौज शुरू कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने लगे। हमले में उसको गंभीर चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसका चश्मा टूट गया और जेब में रखे 10 हजार रुपए भी गायब हो गए। फैजान ने यह भी आरोप लगाया कि अजीज अहमद ने उसे धमकी देते हुए कहा कि बकरीद से पहले विवाद का पुलिस से तुमने शिकायत की थी। उसे पैसे देकर दबवा दिया था। अब दोबारा शिकायत कर रहे हो। शिकायत वापस नहीं ली तो जान से मार देंगे। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी ने बताया मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

शार्ट सर्किट से ज्वैलरी शॉप में लगी भीषण आग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सैरपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह एक ज्वेलरी दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस घटना में दुकान में रखे एसी, सीसीटीवी कैमरा, डमी ज्वेलरी समेत लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के मुताबिक, यह घटना छठा मील रैथा रोड चौराहे के पास स्थित पूजा ज्वेलर्स में हुई। सुबह अचानक दुकान से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से एक बड़ा हादसा टल गया। दुकान के कर्मचारी राजू सोनी ने बताया कि रात में दुकान बंद करने के बाद वे घर चले गए थे। सुबह पड़ोसियों ने फोन करके उन्हें घटना की जानकारी दी। राजू सोनी ने यह भी बताया कि दुकान के मालिक विकास सोनी किसी काम से शहर से बाहर गए हुए हैं। आग लगने का प्रारंभिक कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग की वजह से दुकान के अंदर रखा अधिकांश सामान पूरी तरह से जलकर राख हो गया।

सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत

स्वतन्त्र भारत, गोसाईगंज। गोसाईगंज क्षेत्र में किसान पथ पर सोमवार को हुए सड़क हादसे में एक साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान मातादीन रावत (65) पुत्र राम आसरे निवासी जल्लाबाद थाना गोसाईगंज के रूप में की गई । पुलिस के अनुसार मातादीन रोज की तरह साइकिल से सब्जी बेचने जा रहे थे।अहिरन ढकवा गांव के पास किसान पथ पर पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल अवस्था में मातादीन को सीएचसी गोसाईगंज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शौचालय जाने के विवाद में घरवालों ने बेटे को मार डाला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। यूपी के अयोध्या के कैंट थाना क्षेत्र के ककरही बाजार में सोमवार की सुबह करीब 04:45 बजे शौचालय के इस्तेमाल को लेकर हुए पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। आरोप है कि माता-पिता, भाई और बहन ने मिलकर राधेश्याम यादव (30) की पीट-पीटकर हत्या कर दी, जबकि उनकी पत्नी रेनू यादव घायल हो गई। पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर चारोंआरोपियों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के बाद एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी, थाना प्रभारी संदीप सिंह मौके पर आए। फोरेंसिक टीम के साथ घटनास्थल का जायजा लेकर साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की गई। घटना कैंट थाना क्षेत्र के ककरही बाजार की है। यहां के निवासी मौजीलाल यादव के आमने-सामने दो मकान बने हैं। एक मकान में उनका बड़ा बेटा राधेश्याम यादव अपनी पत्नी रेनू और 10 साल के बेटे के साथ रहता था। सामने बने दूसरे मकान में वह अपनी पत्नी मीना देवी, छोटे व अविवाहित बेटे घनश्याम यादव के साथ रहते हैं। दोनों परिवारों के बीच राधेश्याम के घर में बने शौचालय के उपयोग को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। जिसके चलते सोमवार की भोर में मौजीलाल उसी मकान में शौच के लिए गए थे जहां राधेश्याम ने उन्हें शौंच करने की बात कहते हुए मना कर दिया। कहासुनी हुई और देखते-देखते विवाद बढ़ने पर घनश्याम, मीना और घनश्याम की जनौरा निवासी बहन अनीता मौके पर पहुंच गये औरचारों ने मिलकर राधेश्याम पर डंडों से हमला कर मरणासन्न कर दिया। यह देख बीच-बचाव करने पहुंचीं पत्नी रेनू के ऊपर हमला करते हुए घायल कर दिया। शारे सराबा सुनकर वहां पहुंचे मोहल्ले वालों ने घायलों को जिला अस्पताल ले गये जहां चिकित्सकों ने राधेश्याम को मृत घोषित कर दिया गया जबकि रेनू का इलाज चल रहा है।

चार संविदाकर्मियों ने लालबत्ती चौराहे पर की आत्मदाह की कोशिश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। लालबत्ती चौराहे पर सोमवार को रोडवेज के 4 संविदाकर्मियों ने सुसाइड की कोशिश की। चारों बॉटल में पेट्रोल लेकर पहुंचे और खुद पर उड़ेलने लगे। इस दौरान पुलिस ने उन्हें पकड़कर बचा लिया। पुलिस के पूछने पर बताया कि हमारी बात नहीं सुनी जा रही है। एक निजी कंपनी में सभी संविदा चालकों-परिचालकों का विलय किया जा रहा है। गौतमपल्ली थाना प्रभारी विपिन सिंह ने बताया- आत्मदाह का प्रयास करने वालों में औरैया के मुकेश सैनी, उन्नाव के ज्ञानेंद्र रावत, कानपुर के नितिन श्रीवास्तव और गोंडा के अभिषेक सिंह शामिल हैं। चारों सिटी बस सेवा के चालक बताए जा रहे हैं। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। बताया जा रहा है कि दुबग्गा डिपो पर संविदाकर्मी कई दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि चालक-परिचालकों का निजी कंपनी एसएस इंटरप्राइजेज में विलय

किया जा रहा है, जिसका वे विरोध कर रहे हैं। इसी मुद्दे को लेकर सोमवार को चारों कर्मचारी कालिदास मार्ग के पास लालबत्ती चौराहा पहुंच गए और आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर तैनात पुलिसकर्मियों ने कर्मचारियों को रोकते हुए तत्काल हिरासत में ले लिया। घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई। पुलिस चारों कर्मचारियों को थाने ले गई, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। दुबग्गा डिपो के संविदा परिचालकों का कहना है कि विभिन्न मांगों को लेकर कई दिनों से दुबग्गा डिपो पर कार्यबहिष्कार करके विरोध कर रहे थे मगर कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद हजरतगंज में चक्का जाम करने पहुंचे। फिर आज सोमवार को आत्महत्या करने पहुंचे थे। दुबग्गा डिपो के संविदा कर्मचारियों का प्राइवेट कंपनी एसएस एंटरप्राइजेज में विलय किया जा रहा है, जो स्वीकार नहीं है। किसी भी चालक या परिचालक को प्राइवेट कंपनी के साथ काम करना स्वीकार नहीं है। सिटी बसों में सेवा देने वाले लगभग 500 परिचालक विगत कई दिनों से हड़ताल पर हैं। इसकी वजह से शहर के 22 प्रमुख रूट पर चलने वाली सिटी बसें प्रभावित हो रही है। कर्मचारियों ने 29 मई के प्रदर्शन के दौरान लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के प्रबंध निदेशक को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया गया कि वर्ष 2021 में भर्ती किए गए विभागीय संविदा परिचालकों को एसएस इंटरप्राइजेज नामक निजी आउटसोर्सिंग फर्म में समायोजित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने वर्षों तक विभाग के तहत निष्ठा से काम किया है, और अब उन्हें निजी फर्म के अधीन भेजना अन्यायपूर्ण है।

संदीप को रास्ते से हटाने के लिए दिनेश ने अपने मित्र से ली मदद

जमीनी विवाद में दिया गया वारदात को अंजाम, पांच लाख पर बुलाए गये थे शूटर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। पीजीआई क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर संदीप सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या के मामले में एसटीएफ और पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि यह हत्या अचानक नहीं हुई थी, बल्कि करीब 5 महीने पहले जमीन विवाद के बाद इसकी साजिश रची गई थी। इसके मुख्य साजिशकर्ता प्रॉपर्टी डीलर दिनेश कुमार यादव और उसके ड्राइवर मुकर्रबीन उर्फ मुबीन को गिरफ्तार कर लिया गया है। 5 लाख रुपए की सुपारी लेकर हत्या करने वाले दोनों शूटर अभी फरार हैं। काकोरी में प्रॉपर्टी डीलर संदीप (मृतक) और दिनेश (साजिशकर्ता) के बीच विवाद हुआ था। हत्याकांड की जांच के क्रम में एसटीएफ को एक पुराना वीडियो भी मिला है।

इसमें किसी एक ही जमीन पर प्लॉटिंग करने पर दोनों के बीच विवाद होता दिख रहा है। विवाद के दौरान राजमिस्त्री के बोलने पर आरोपी दिनेश उसे कहता है- प्रॉपर्टी डीलरों की हत्या आम बात है, तुम तो लेबर हो। तुम्हें सही में मार देंगे। पूछताछ में मुकर्रबीन उर्फ मुबीन ने बताया कि वह वर्ष 2016 से दिनेश यादव के साथ ड्राइवर के रूप में काम कर रहा था। दिनेश लगातार मुकदमों और शिकायतों से परेशान था। इसी दौरान उसने मुबीन से कहा कि अब संदीप सिंह को रास्ते से हटाना पड़ेगा। इसके बाद हत्या की सुपारी देने की योजना बनाई गई

मुबीन ने कराई थी शूटरों के रहने-खाने की व्यवस्था

एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि मुबीन ने अपने संपर्कों के जरिये शूटरों से संपर्क किया और करीब पांच लाख रुपए में हत्या की सुपारी तय हुई। इसके बाद दो शूटरों को लखनऊ बुलाया गया। उनके रहने और आने-जाने की व्यवस्था की गई। कई दिनों तक संदीप सिंह की गतिविधियों और रूट की रेकी कराई गई। जांच एजेंसियों के अनुसार, वारदात को अंजाम देने के लिए एक सेकंड हैंड अपाचे बाइक खरीदी गई थी। बाइक की असली नंबर प्लेट हटाकर उस पर फर्जी नंबर प्लेट लगाई गई। इसी बाइक से शूटरों ने कई बार इलाके की रेकी की और संदीप सिंह के आने-जाने के रास्तों को अच्छी तरह से जान लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि वारदात के दिन खुद को संदेह से बचाने के लिए दिनेश यादव और मुबीन दोनों लखनऊ से बाहर चले गए थे। दिन में शूटरों ने संदीप सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में फोन कर वारदात पूरी होने की सूचना दी। दोनों से पूछताछ के आधार पर हत्या में शामिल शूटरों और अन्य सहयोगियों की तलाश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही फरार आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

खेत में मिला नर कंकाल जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में थाना खामपार क्षेत्र अंतर्गत ग्राम करौंदी में सोमवार को एक खेत से नर कंकाल और खोपड़ी मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। मामले की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को सुरक्षित कर आवश्यक जांच शुरू की गई।

क्षेत्राधिकारी भाटपार रानी अंशुमन श्रीवास्तव ने बताया कि थाना खामपार पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम करौंदी के एक खेत में मानव कंकाल और खोपड़ी जैसी वस्तु दिखाई दे रही है।उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किए जा रहे हैं, ताकि कंकाल की पहचान और उसके वहां पहुंचने के कारणों का पता लगाया जा सके। बरामद अवशेषों को परीक्षण के लिए सुरक्षित कराया गया है।सीओ अंशुमन श्रीवास्तव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि जिस खेत से कंकाल और खोपड़ी मिली है, उसके निकट ही एक कब्रिस्तान स्थित है। ऐसे में सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

मुनाफे का झांसा देकर 43 लाख ठगे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। अलीगंज थाना क्षेत्र में युवक ने साइबर ठगों के जाल में फंसकर 43 लाख रुपए गंवा दिए। ठगों ने उन्हें व्हाट्सएप निवेश ग्रुप और फार्लोन ष्ट्रू नामक ट्रेडिंग ऐप के जरिए भारी मुनाफे का लालच देकर निवेश कराया। जब पीड़ित ने रकम निकालने की कोशिश की तो ठगों ने इनकम टैक्स के नाम पर और पैसे जमा करने का दबाव बनाया। तब युवक को धोखाधड़ी का अहसास हुआ और पुलिस से शिकायत की। चंद्रलोक कॉलोनी, अलीगंज निवासी अभिषेक भारती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 मार्च को उन्हें क्क/ इंवेस्टमेंट स्ट्रेजी डिसकशन व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया था। 11 मई को॰17 वर्मा इंवेस्टमेंट क्लब इंटर्नशिप टीम नाम के दूसरे ग्रुप में शामिल किया गया। दोनों ग्रुपों का संचालन खुद को निवेश विशेषज्ञ बताने वाले जयेश वर्मा नामक व्यक्ति और उसकी टीम कर रही थी। शुरुआत में ग्रुप में शेयर बाजार और निवेश से जुड़ी सामान्य चर्चाएं कर भरोसा जीता गया। इसके बाद आरोपियों ने फार्लोन ष्ट्रू नामक ट्रेडिंग ऐप का प्रचार करते हुए कम समय में कई गुना मुनाफा मिलने का दावा किया। भरोसा बढ़ाने के लिए आरोपियों ने खुद को वैध संस्था साबित करने के उद्देश्य से सेबी का प्रमाणपत्र भी उपलब्ध कराया। एक बैंक खाते का विवरण देकर निवेश को पूरी तरह सुरक्षित बताया। पीड़ित ने बताया कि ऐप में सीधे पैसा जमा करने की सुविधा नहीं थी। हर बार निवेश के लिए आरना नामक महिला अलग-अलग बैंक खातों की जानकारी भेजती थी। जिनमें रकम ट्रांसफर करनी होती थी। इसके बाद ठगों ने गोल्डलाइन-क्क नामक आईपीओ में निवेश कराने का झांसा दिया। आरोपियों ने बाद में बताया कि अपेक्षा से अधिक शेयर आवंटित हुए हैं और उन्हें बेचने के लिए आउटस्टैंडिंग अमाउंट जमा करना जरूरी है। लगातार दबाव और बातों में आकर अभिषेक ने 43 लाख रुपए जमा कर दिए। पीड़ित के अनुसार, कुछ समय बाद ऐप में उनके खाते में करीब 1.24 करोड़ रुपए दिखने लगे, जिसमें लगभग 43 लाख रुपए निवेश और करीब 80 लाख रुपए लाभ दर्शाया गया था। जब उन्होंने रकम निकालने की कोशिश की तो निकालने नहीं दिया। आरोपियों ने प्रॉफिट पर 15 प्रतिशत पर्सनल इनकम टैक्स जमा करने की शर्त रखी। संदेह होने पर जांच करने पर पता चला कि व्हाट्सएप समूह के अधिकांश सदस्य और मोबाइल नंबर फर्जी हैं। पूरा नेटवर्क लोगों से ठगी करने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। इस पर उन्होंने पुलिस से शिकायत की। उनकी तहरीर पर अलीगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर अलीगंज का कहना है मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

नहाते समय कोमा में गए सेनानायक की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। नदी में नहाते समय घायल हुए सेनानायक की 7 दिन बाद मौत हो गई। आज, सोमवार को सैन्य सम्मान के साथ उनके गांव में उनका अंतिम संस्कार किया गया। घटना बंथरा थाना क्षेत्र के गोड़वा गांव की है। गोड़वा के रहने वाले सेनानायक रविंद्र कुमार रावत (40) दोस्तों के साथ 24 मई को गांव के पास सई नदी में नहाने गए थे। नदी में छलांग लगाने के दौरान भारी वस्तु लगने से सिर में गंभीर चोट लग गई थी। वह कोमा में चले गए थे। उनका कमांड हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था। रविंद्र कुमार रावत आर्मी मध्य कमान सिगनल रेजीमेंट की ट्रेड ईएफएस में नायक पद पर जबलपुर में तैनात थे। हाल ही में उनका ट्रांसफर लखनऊ हुआ था। 24 मई की सुबह वह अपने गांव के पास कुछ दोस्तों के साथ सई नदी में नहाने गए थे। नदी में कूदने के दौरान उनका सिर किसी भारी वस्तु से टकरा, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। वह पानी के अंदर ही बेहोश हो गए। दोस्तों ने उन्हें तत्काल अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिसके बाद उन्हें कमांड अस्पताल रेफर कर दिया गया। कमांड हॉस्पिटल में वह कोमा में थे। सोमवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इसके बाद लेफ्टिनेंट पीयूष बिष्ट सहित सेना के अन्य जवानों द्वारा उनका शव तिरंगे में लपेटकर सेना की गाड़ी से गांव गोड़वा पहुंचाया गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए गांव में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बताया गया है कि रविंद्र कुमार को 25 मई को लखनऊ में अपनी नई ड्यूटी ज्वाइन करनी थी। घर से करीब 1 किलोमीटर दूर गांव के बाहर रविंद्र की पारिवारिक जमीन है। उसी जमीन पर सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। सेनानायक के पिता जगदीश रावत, भाई महेंद्र रावत, दोनों बेटे, सांसद आरके चौधरी और लेफ्टिनेंट पीयूष बिष्ट ने पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। सेना के जवानों ने बैंड बाजे की धुन से सलामी देते हुए अंतिम विदाई दी। इसके बाद शव का दाह संस्कार किया गया। मृतक की पत्नी तारावती उन्नाव के औरास में प्राथमिक विद्यालय में टीचर हैं। बड़ा बेटा अक्षांत उर्फ चीकू 5 वर्ष और छोटा बेटा मीकू 3 वर्ष है।

खोए हुए 220 मोबाइल बरामद

फोन पाकर खिल उठे चेहरे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मोबाइल फोन गुम होने के बाद उसे वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के चेहरे पर पुलिस ने खुशियां ला दीं। पश्चिमी जोन की साइबर सेल और सीईआईआर पोर्टल की मदद से पुलिस ने 220 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद कर उनके मालिकों को सौंप दिए। बरामद मोबाइल फोनों की अनुमानित कीमत करीब 42.50 लाख रुपए आंकी गई है। डीसीपी पश्चिमी कमलेश दीक्षित के निर्देशन में पश्चिमी जोन के सभी थानों की साइबर हेल्प डेस्क टीम ने अभियान चलाया। टीम ने लखनऊ के अलावा अन्य जनपदों और दूसरे राज्यों से भी मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद किए। डीसीपी पश्चिमी ने बरामद मोबाइल उनके असली मालिकों को सौंपे। लंबे

समय बाद अपना मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे। पुलिस को सैमसंग के 20, वीवो के 35, ओप्पो के 40, रियलमी के 35, वनप्लस के 20, रेडमी के 55 और दूसरी कंपनियों के 15 मोबाइल फोन मिले। पुलिस ने लोगों को सलाह दी है कि मोबाइल फोन गुम होने पर सबसे पहले यूपीकॉप ऐप डाउनलोड करें, उसी नंबर का नया सिम जारी कराएं और लॉस्ट आर्टिकल रिपोर्ट दर्ज कराएं। आधार कार्ड और मोबाइल खरीद का बिल पीडीएफ में सुरक्षित रखें। इसके बाद सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर नजदीकी थाने या साइबर हेल्प डेस्क से संपर्क करें। इससे मोबाइल फोन की बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है।

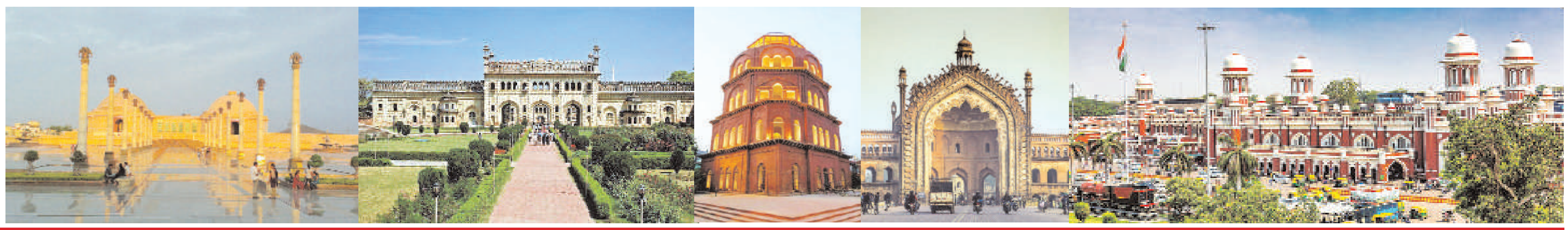

75 जिलों में राष्ट्र चेतना का महाअभियान मंच पर लौटेंगे भारत के अमर नायक

राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक एकता को नई ऊर्जा देंगे ये नाट्य मंचन : जयवीर सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राष्ट्रचेतना, इतिहास और साहित्य को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रदेश सरकार एक बड़ी सांस्कृतिक पहल शुरू होने जा रही है। भारतेंदु नाट्य अकादमी ने अखंड भारत के स्वातंर्त्य वीरों, ऐतिहासिक नायकों और महान साहित्यकारों की कृतियों पर आधारित भव्य नाट्य प्रस्तुतियों की योजना तैयार की है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिलों के विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों और सांस्कृतिक केंद्रों पर नाटकों का मंचन किया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत 'आनंदमठ' और 'महाराजा सुहेलदेव' को प्रमुख फ्लैगशिप प्रस्तुतियों के रूप में तैयार किया जाएगा। इसके अलावा स्वातंर्त्य संग्राम और भारतीय इतिहास के वीर नायकों पर आधारित 'बिजली पासी', 'झांसी की रानी', 'काकोरी ट्रेन एक्शन', '1857 की क्रांति' और 'शिवाजी महाराज' जैसे नाटकों का मंचन होगा। वहीं साहित्य और राष्ट्रीय चेतना से जुड़े विषयों पर 'रश्मिरथी', 'अज्ञेय', 'अटल बिहारी वाजपेयी', ' मुंशी प्रेमचंद कृत बड़े भाई साहब', 'जयशंकर प्रसाद', 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला', 'भारतेंदु हरिश्चंद्र' और 'वीर सावरकर' पर आधारित प्रस्तुतियां भी तैयार की जाएंगी। प्रत्येक नाटक की अवधि लगभग एक घंटा पचास मिनट से दो घंटे तक होगी। इन प्रस्तुतियों को तैयार करने के लिए जून से चरणबद्ध कार्ययोजना लागू की जाएगी। सबसे पहले ऐतिहासिक स्त्रोतों और साहित्यिक कृतियों का संकलन, विशेषज्ञों से परामर्श और शोध दस्तावेज तैयार किए जाएंगे। इसके बाद अनुभवी नाटककारों द्वारा स्क्रिप्ट लेखन, संवाद, गीत और दृश्य संरचना विकसित की जाएगी। जून के दूसरे पखवाड़े में कलाकारों का चयन किया जाएगा और उन्हें अभिनय, वाचन, शारीरिक अभिव्यक्ति, भावाभिनय, संगीत तथा नृत्य का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि पात्रों को अधिक प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया जा सके। 25 जून से 25 जुलाई 2026 तक रिहर्सल का आयोजन प्रस्तावित है, जिसमें प्रतिदिन 6 से 8 घंटे अभ्यास कराया जाएगा। इसके साथ मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि संयोजन, वेशभूषा, प्रॉप्स और तकनीकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जाएगा। 2 अगस्त 2026 को लखनऊ में इन नाटकों का पहला भव्य मंचन प्रस्तावित है, जिसमें विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति के साथ मीडिया कवरेज और दर्शकों की प्रतिक्रिया भी दर्ज की जाएगी। इसके बाद अगस्त से नवंबर 2026 तक विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में तथा दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 तक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों पर नियमित प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। भारतेंदु नाट्य अकादमी द्वारा स्वयं तैयार किए जाने वाले नाटकों के साथ-साथ प्रदेश और देश के अन्य राज्यों से भी उत्कृष्ट नाट्य प्रस्तुतियां आमंत्रित की जाएंगी। इसके लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समाचार पत्रों तथा ऑनलाइन माध्यमों से विज्ञापन जारी किया जाएगा। आवेदन की अंतिम तिथि 20 जून 2026 निर्धारित की गई है। इस पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 5 से 10 लाख युवाओं तक प्रत्यक्ष सांस्कृतिक पहुंच बनाई जा सकेगी।

इतना आसान नहीं है सावरकर हो जाना : कवि राजपाल सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। स्वातंर्त्यवीर विनायक दामोदर सावरकर की जयंती के अवसर पर माय होम इंडिया द्वारा आयोजित स्वातंर्त्यवीर सावरकर जयंती महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन गोमती नगर स्थित छत्रपति शाहूजी महाराज भागीदारी भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रवाद, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक चेतना के विविध आयामों पर चर्चा हुई।इस अवसर पर प्रख्यात कवि एवं लेखक राजपाल सिंह की ओजस्वी काव्य प्रस्तुति रही। उन्होंने अपनी सशक्त रचनाओं के माध्यम से स्वातंर्त्यवीर सावरकर के त्याग, तपस्या और राष्ट्रसमर्पण को जीवंत कर दिया। उनकी पंक्तियां तिल-तिलकर तपना और सोए राष्ट्र को जगाना, इतना आसान नहीं है सावरकर हो जाना।... ने पूरे सभागार को भाव-विभोर कर दिया। अपने काव्य पाठ में उन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा, सांस्कृतिक अस्मिता और समाज की चुनौतियों पर भी मुखर स्वर में विचार व्यक्त किए। उनकी पंक्तियां- वक्त आ गया सुनो हिन्दुओं, जीना है तो लड़ना सीखो....पर उपस्थित श्रोताओं ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि वीर सावरकर का जीवन राष्ट्रभक्ति, साहस और आत्मबल का अनुपम उदाहरण है। विशिष्ट अतिथि एवं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने युवाओं से सावरकर के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। पूर्व बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री प्रो. (डॉ.) सतीश द्विवेदी ने सावरकर को भारतीय राष्टचेतना का प्रखर प्रवक्ता बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं माय होम इंडिया के संस्थापक श्री सुनील देवधर ने कहा कि सावरकर के विचार आज भी भारत की राष्टीय अस्मिता को दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। अध्यक्षता कर रहे महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री श्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखने की प्रेरणा हमें सावरकर के जीवन से मिलती है।

गोखले मार्ग स्थित मध्यांचल विद्युत वितरण निगम कार्यालय पर बिजली की दरों में 10% की बढ़ोतरी व अन्य मामलो को लेकर घेराव कर प्रदर्शन करते एडवा के सदस्य

पेट्रोल-डीजल की जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त हुए मंत्री

स्वतंत्र भारत लखनऊ। खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने प्रदेश में पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता, पारदर्शी वितरण व्यवस्था और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं। सोमवार को बापू भवन स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में उन्होंने पेट्रोलियम कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों, खाद्य एवं रसद विभाग के प्रमुख सचिव तथा अन्य विभागीय अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की।बैठक में मंत्री ने विशेष रूप से नेपाल और बिहार की सीमाओं से सटे जनपदों में पेट्रोल और डीजल की जमाखोरी तथा कालाबाजारी की शिकायतों पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों से ऐसी शिकायतें मिली हैं कि वास्तविक उपभोक्ताओं को पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं और अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से तेल को सीमावर्ती क्षेत्रों अथवा अन्य राज्यों में ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऐसी गतिविधियां किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं हैं।मनोज कुमार पाण्डेय ने पेट्रोलियम कंपनियों के अधिकारियों और जिला पूर्ति अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की तत्काल जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पेट्रोल पंपों पर जमाखोरी, कृत्रिम अभाव पैदा करना, घटतौली या उपभोक्ताओं के साथ किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए सभी जनपदों में नियमित निरीक्षण अभियान चलाकर व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाए।बैठक में घरेलू और औद्योगिक उपयोग के लिए पाइप के माध्यम से प्राकृतिक गैस आपूर्ति व्यवस्था के विस्तार की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 1500 नए गैस कनेक्शन दिए जा रहे हैं, लेकिन प्रदेश की बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए इस संख्या में और वृद्धि की जानी चाहिए। उन्होंने संबंधित कंपनियों को गैस नेटवर्क का तेजी से विस्तार कर अधिक से अधिक घरों तक इसकी पहुंच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।घरेलू रसोई गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए भी मंत्री ने सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि बिना इलेक्ट्रॉनिक सत्यापन प्रक्रिया पूरी किए किसी भी उपभोक्ता को गैस भराई की सुविधा न दी जाए। साथ ही निर्धारित सत्यापन और आवश्यक अनुमोदन के बिना किसी भी प्रकार की पुनर्भरण प्रक्रिया न की जाए।

हमीरपुर पुल हादसे की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच हो : अजय राय

दोषियों पर हो सख्त कार्रवाई, पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता और सरकारी नौकरी देने की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री अजय राय ने हमीरपुर जिले में बेतवा नदी पर निर्माणाधीन पुल के ध्वस्त होने की घटना को अत्यंत दुखद, गंभीर और चिंताजनक बताते हुए इसकी उच्चस्तरीय न्यायिक जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह हादसा प्रदेश की निर्माण व्यवस्था, प्रशासनिक जवाबदेही और श्रमिक सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करता है।प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए तथा वास्तविक तथ्यों को जनता के सामने लाया जाए। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में प्रशासनिक लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित एक प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में दुर्घटनास्थल का दौरा किया और प्रभावित परिवारों तथा स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार हादसे से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि दुर्घटना में प्रभावित लोगों और मृतकों की वास्तविक संख्या अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है। कुछ मजदूरों के मोबाइल फोन घटना के बाद से बंद बताए जा रहे हैं, जिससे उनके परिजनों में चिंता और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि दुर्घटनास्थल पर मलबे के आसपास दुर्गंध महसूस की गई। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ श्रमिक दबे हो सकते हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि इस संबंध में व्यापक तकनीकी सर्वेक्षण और स्वतंत्र सत्यापन कराया जाए ताकि किसी भी प्रकार की मानवीय क्षति को छिपाया न जा सके। कांग्रेस का कहना है कि लगभग 92.52 करोड़ रुपये की लागत से निर्माणाधीन पुल का अचानक ध्वस्त हो जाना केवल एक सामान्य दुर्घटना नहीं माना जा सकता। यदि पुल अपने ही भार को सहन नहीं कर सका और उसके पिलर, स्लैब तथा स्टील संरचनाएं एक साथ धराशायी हो गईं, तो निर्माण गुणवत्ता, तकनीकी मानकों के पालन और कार्यदायी संस्था की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की जांच उच्च न्यायालय के किसी वर्तमान न्यायाधीश अथवा स्वतंत्र उच्चस्तरीय आयोग से कराई जाए। साथ ही निर्माण कार्य से संबंधित तकनीकी अभिलेख, गुणवत्ता परीक्षण रिपोर्ट, भुगतान विवरण और अनुबंधों को सार्वजनिक किया जाए। कांग्रेस ने यह भी मांग की है कि दुर्घटना के समय कार्यस्थल पर मौजूद सभी मजदूरों, कर्मचारियों और अधिकारियों की नामावली सार्वजनिक कर उनका सत्यापन कराया जाए। मृतकों और लापता व्यक्तियों की संख्या का भी स्वतंत्र एजेंसी से पुनः सत्यापन कराया जाना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यदि जांच में निर्माण सामग्री, डिजाइन, पर्यवेक्षण या कार्य निष्पादन में किसी प्रकार की अनियमितता अथवा भ्रष्टाचार सामने आता है तो संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं, ठेकेदारों और कार्यदायी संस्था के विरुद्ध आपराधिक मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने सरकार से मांग की कि हादसे में जान गंवाने वाले श्रमिकों के आश्रितों को पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाए, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाए जाएं।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश ने रचा नया कीर्तिमान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने सौर एवं अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए राष्टीय स्तर पर अपनी अग्रणी पहचान स्थापित की है। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्टीय कार्यक्रम में प्रदेश को पीएम सूर्य घर उत्कृष्टता पुरस्कार प्रदान किए जाने के लिए चुना गया है। यह सम्मान प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, सौर ऊर्जा विस्तार और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया जा रहा है।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज अक्षय ऊर्जा विकास के क्षेत्र में देश के लिए एक आदर्श मॉडल बनकर उभरा है और हरित ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।मंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 9.91 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनके सापेक्ष 5.57 लाख से अधिक घरों में छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिससे 5.64 लाख से अधिक परिवार सीधे लाभान्वित हुए हैं। इन संयंत्रों के माध्यम से प्रदेश में 1888 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता विकसित की जा चुकी है। योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को अब तक 3602 करोड़ रुपये से अधिक की केंद्रीय सहायता तथा 1200 करोड़ रुपये से अधिक की अतिरिक्त राज्य सहायता प्रदान की जा चुकी है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने योजना की वास्तविक समय निगरानी और पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए विशेष निगरानी तंत्र विकसित किया है। वर्तमान में प्रदेश में प्रतिदिन लगभग दो हजार सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं।

खबर एक नजर

चिराग त्यागी हत्याकांड : कांग्रेस ने की 1 करोड़ रुपए मुआवजे की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने गाजियाबाद के सैतली निवासी राष्ट्रीय पैरा खिलाड़ी चिराग त्यागी की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि देश का मान बढ़ाने वाले होनहार पैरा राष्ट्रीय खिलाड़ी चिराग त्यागी की निर्मम हत्या प्रदेश की ध्वस्त कानून-व्यवस्था का जीता-जागता उदाहरण है। उन्होंने कहा कि जो बेटा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का तिरंगा लहराने की तैयारी कर रहा था, उसे अपराधियों ने हमसे छीन लिया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के परिवार को मात्र 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देना सरकार की असंवेदनशीलता और खिलाड़ी के योगदान का अपमान है। उन्होंने मांग की कि पीड़ित परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए, माता-पिता को आजीवन पेंशन उपलब्ध कराई जाए तथा हत्या में शामिल पेशेवर अपराधियों के खिलाफ त्वरित और कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि चिराग त्यागी के परिवार को न्याय मिलना ही चाहिए और दोषियों को जल्द से जल्द सख्त सजा दी जानी चाहिए।

जेईई एडवांस में सीएमएस के 47 छात्रों का चयन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। जेईई एडवांस 2026 के घोषित परिणामों में सिटी मोन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के 47 छात्रों ने सफलता प्राप्त कर लखनऊ का गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।सीएमएस के छात्र साक्ष्य वंश, आशुतोष प्रताप सिंह, भानु प्रकाश वर्मा और नितान्त त्रिपाठी ने ऑल इंडिया रैंक में 5000 के भीतर स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं, 28 छात्रों ने 10,000 के भीतर ऑल इंडिया रैंक अर्जित की, जिनमें 16 छात्र सामान्य वर्ग तथा 12 छात्र आरक्षित वर्ग से हैं। विद्यालय के अनुसार, कुल 39 छात्रों ने 25,000 के भीतर ऑल इंडिया रैंक हासिल कर देश के शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश की अपनी दावेदारी मजबूत की है। अब ये छात्र देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों में अध्ययन कर अपने करियर को नई दिशा देंगे। सीएमएस की संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विद्यालय की प्रधानाचार्याओं और शिक्षकों के योगदान की भी सराहना की।

यूपी खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड कर्मचारी यूनियन की नई कार्यकारिणी का गठन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड कर्मचारी यूनियन की कार्यकारिणी का चुनाव 31 मई 2026 को मुख्य निर्वाचन अधिकारी कंवलजी उपाध्याय की देखरेख में संपन्न हुआ। देर रात हुई मतगणना के बाद नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई।चुनाव परिणाम के अनुसार कमलेश कुमार वर्मा को अध्यक्ष तथा हरिगेंद मोर्य को पुनः महामंत्री निर्वाचित घोषित किया गया। इसके अलावा सुधर सिंह यादव और हरिकरन सिंह को उपाध्यक्ष, प्रतिभा श्रीवास्तव को मंत्री, राम भरत यादव को कोषाध्यक्ष, आशीष यादव को संगठन मंत्री तथा उमेश कुमार गौड़ को प्रचार मंत्री चुना गया। कार्यकारिणी सदस्यों में गुंजन सिंह, हेमंत रावत, रामानंद वर्मा, कमलेश कुमार सिंह, अश्वनी कुमार राज, महेंद्र मिश्रा एवं हरेंद्र सिंह निषाद को निर्वाचित घोषित किया गया। नवनिर्वाचित महामंत्री हरिगेंद मोर्य ने कहा कि नई कार्यकारिणी बिना किसी भेदभाव के सभी संवर्गों के कर्मचारियों के हित में कार्य करेगी और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयासरत रहेगी।

पीएम स्वनिधि योजना के छह वर्ष पूरे, उप मुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को दी बधाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के सफलतापूर्वक छह वर्ष पूर्ण होने पर सभी लाभार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में वर्ष 2020 में शुरू की गई यह योजना रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और छोटे कारोबारियों के लिए आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक आजीविका तथा आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बिना गारंटी के ऋण उपलब्ध कराने, डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने और बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के कारण लाखों छोटे उद्यमियों को अपने व्यवसाय का विस्तार करने तथा आर्थिक रूप से मजबूत बनने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय समावेशन और स्वरोजगार को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि पीएम स्वनिधि योजना ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उन्हें आत्मनिर्भर भारत अभियान से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। योजना के माध्यम से छोटे व्यापारियों को आर्थिक संबल मिलने के साथ-साथ उनके जीवन स्तर में भी सुधार आया है।उन्होंने बताया कि देशभर में 75 लाख से अधिक लाभार्थियों को योजना का लाभ मिला है और 17,800 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण वितरित किया जा चुका है। यह उपलब्धि रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं तथा छोटे कारोबारियों के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और प्रेरणादायक उदाहरण है।

जनता दर्शन में उप मुख्यमंत्री ने सुनीं जनसमस्याएं

अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने कैंप कार्यालय, 7 कालिदास मार्ग, लखनऊ में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं और उनके शीघ्र, प्रभावी तथा गुणवत्तापूर्ण समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पुरुषों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों तथा युवाओं ने अपनी समस्याएं रखीं। फरियादियों ने भूमि विवाद, राजस्व संबंधी मामले, चिकित्सा सहायता, पेंशन, आवास, सड़क, विद्युत, पेयजल, पुलिस कार्रवाई, शिक्षा और रोजगार सहित विभिन्न विषयों से जुड़ी शिकायतें एवं मांगें उप मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत कीं।उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आवश्यक होने पर अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर निरीक्षण करें और पात्र व्यक्तियों को समयबद्ध राहत उपलब्ध कराएं।उन्होंने कहा कि जनता दर्शन शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है। इससे लोगों की वास्तविक समस्याओं की जानकारी मिलती है और उनके समाधान की प्रक्रिया को गति मिलती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनकल्याण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है तथा प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि ऐसा समाधान होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक राहत मिले और उसे बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगजनों और समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए।भूमि विवाद और अवैध कब्जों से संबंधित मामलों को गंभीरता से लेते हुए उप मुख्यमंत्री ने संबंधित जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम स्थलीय जांच कर निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न और अवैध कब्जे के मामलों में दोषियों के खिलाफ आवश्यकतानुसार कठोर कार्रवाई भी की जाए।जनता दर्शन के दौरान स्थानीय निकाय सफाई कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रयागराज निवासी नीरज कुमार प्रजापति ने भूमि विवाद का मामला उठाया, जबकि कौशाम्बी जनपद की ग्राम पंचायत हटवा रामपुर मडूकी की प्रधान एवं ग्रामीणों ने आवासीय पट्टों के आवंटन की मांग रखी। उप मुख्यमंत्री ने सभी मामलों में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए फरियादियों को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा।कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री स्वयं फरियादियों के बीच पहुंचे और उनसे सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक मामले का गंभीरता से परीक्षण कर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में तीन दर्जन से अधिक मामलों की सुनवाई की गई और बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई।जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उप मुख्यमंत्री ने मैनपुरी और देवरिया के जिलाधिकारियों तथा बस्ती के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से दूरभाष पर वार्ता कर आवश्यक निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मथुरा और हमीरपुर के पुलिस अधीक्षकों को भी संबंधित मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और जवाबदेही के साथ होना चाहिए, जिससे आम जनता का शासन और प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो सके।

एटीएस की बड़ी कार्रवाई : आजमगढ़ से आतंकी नेटवर्क से जुड़ा युवक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश एटीएस (एटीएस) ने आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आजमगढ़ निवासी

-महिला नेता की हत्या की साजिश का आरोप

मोहम्मद शेख को गिरफ्तार किया है। एटीएस के अनुसार आरोपी का संपर्क पाकिस्तानी गैंगस्टर और विदेशी हैंडलरों से था तथा उसे देश में आतंकी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था।

जांच एजेंसी के मुताबिक मोहम्मद शेख सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी विचारधारा के प्रभाव में आया था और उसके संपर्क पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी तथा आईएसआई से जुड़े तत्वों से स्थापित हो गए थे। आरोप है कि इन संपर्कों के जरिए उसे युवाओं को कट्टरपंथ की ओर प्रेरित करने, नए लोगों को जोड़ने और स्लीपर सेल तैयार करने के लिए उकसाया जा रहा था।एटीएस के अनुसार आरोपी को एक बड़े मिशन का हिस्सा बनाने का लालच दिया गया था। इसी क्रम में उसे एक राजनीतिक दल की महिला नेता की हत्या करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई थी। विदेशी हैंडलर लगातार उसे निर्देश दे रहे थे और उसे आतंकी गतिविधियों के लिए तैयार किया जा रहा था। गिरफ्तारी के दौरान टीम ने आरोपी के कब्जे से एक 9 एमएम पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन बरामद किया है। बरामद मोबाइल की फोरेंसिक जांच कर उसके संपर्कों, चैट और डिजिटल गतिविधियों की पड़ताल की जाएगी। एटीएस ने आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, भारतीय न्याय संहिता तथा आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। एजेंसी अब आरोपी को पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर पूरे नेटवर्क, उसके विदेशी संपर्कों और संभावित सहयोगियों के बारे में गहन पूछताछ करेगी।प्रारंभिक जांच में यह मामला केवल एक व्यक्ति तक सीमित न होकर व्यापक आतंकी नेटवर्क और कट्टरपंथी मॉड्यूल से जुड़ा दिखाई दे रहा है।

महिला नेता की हत्या करने की थी साजिश

शहजाद भट्टी के आतंकी नेटवर्क द्वारा मोहम्मद शेख को ट्रायल के तौर पर एक अन्य राज्य की एक राजनीतिक पार्टी की महिला नेता को धमकाने और हत्या करने का काम सौंपा गया था। इसके लिए मोहम्मद शेख ने खुद 9 एमएम की पिस्टल और कारतूसों का इंतजाम भी किया था। एटीएस ने उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जल्द उसकी रिमांड पर लेकर उसके बाकी मंसूबो के बारे में और अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

साइबर ठगी पर बड़ा प्रहार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बढ़ते साइबर वित्तीय अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक

-१९३० हेल्पलाइन का विस्तार, सीएफएमसी का शुभारंभ

महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्राथमिकताओं के अनुरूप पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण के निर्देशन में रविवार को कल्ली पश्चिम स्थित पुलिस लाइन, लखनऊ में 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन के नए स्टैंडअलोन 2.0 केंद्र तथा साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर डीजीपी राजीव कृष्ण के साथ डीजी साइबर क्राइम बी.के. सिंह उपस्थित रहे। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक पंकज कुमार ने डीजीपी की उपस्थिति में साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर (सीएफएमसी) का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में नाबार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा अन्य बैंकिंग संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि लगभग 10 माह पूर्व साइबर मुख्यालय में 30-सीटर साइबर कॉल सेंटर और सीएफएमसी की प्रारंभिक इकाई स्थापित की गई थी। अब उसके विस्तार के रूप में अतिरिक्त 30 सीटों वाला साइबर कॉल सेंटर और पूर्ण विकसित सीएफएमसी शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि साइबर ठगी के मामलों में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक होता है और त्वरित कार्रवाई से पीड़ितों की धनराशि बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021 में केवल 14 सीटों से शुरू हुई 1930 हेल्पलाइन आज 80 सीटों की मजबूत प्रणाली बन चुकी है। जुलाई 2025 में 30 सीटों वाला पहला स्टैंड अलोन केंद्र शुरू किया गया था, जबकि अब स्टैंडअलोन 2.0 के तहत इसकी क्षमता बढ़ाकर 60 सीट कर दी गई है। 112 भवन की 20 सीटों को मिलाकर अब कुल क्षमता 80 सीट हो गई है।उन्होंने कहा कि ठगी की जानकारी मिलते ही तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते धनराशि सुरक्षित की जा सके।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस साइबर अपराध की रोकथाम, नियंत्रण और नई तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आरबीआई, बैंकिंग संस्थानों और साइबर मुख्यालय के बीच यह समन्वित व्यवस्था प्रदेश के नागरिकों को साइबर ठगी से बचाने में मील का पत्थर साबित होगी।

बीसी संचालक पर हमला कर 85 हजार लूटे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में रुपईडीहा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात बीसी संचालक पर मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने हमला कर 85 हजार रुपये लूट लिए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और जांच शुरू की।

रुपईडीहा थाना क्षेत्र अंतर्गत चिलबिला के रहने वाले अनुराग सिंह बीसी संचालक हैं। रविवार रात लगभग नौ बजे एटीएम से 85 हजार रुपये निकालकर गांव वापस जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जब वह हाजी मोहम्मद डिग्री कॉलेज के पास पहुँचे तो पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार दो हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके सिर पर हमला कर उन्हें मोटरसाइकिल से नीचे गिरा दिया। उनसे 85 हजार रुपये छीनकर मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद घायल अनुराग सिंह की चीख पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुँचे। ग्रामीणों ने परिजनों को सूचना दिया। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुँचे और घायल को उपचार हेतु एक प्राइवेट चिकित्सालय में एडमिट कराया। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और घटना से सम्बन्धित साक्ष्य संकलित किये। थानाध्यक्ष रुपईडीहा रमेश रावत ने बताया कि पुलिस ने घटना को गम्भीरता से लिया है। जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

अवैध खनन में संलिप्त गैंगस्टर को पुलिस ने भेजा जेल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के कनकहा में अवैध मिट्टी खनन मामले

गैंगस्टर पर पुलिस की कार्यवाही से नाराज दिखे एक राजनैतिक दल से जुड़े अधिवक्ता,पुलिस पर दुर्व्यहार का आरोप लगाते हुये कोतवाली में किया प्रदर्शन, प्रभारी निरीक्षक के समझाने पर माने

में राजस्व विभाग द्वारा दर्ज कराये गये मुकदमें में गैगेंस्टर अरूण यादव की संलिप्ता सामने आने पर सोमवार को चौकी इंचार्ज नीमेश दुबे पुलिस टीम के साथ गैगेंस्टर अरूण यादव से पुछताछ करने उसके घर मानखेड़ा गांव पहुंचे जहां पर पुछताछ के दौरान गैगेंस्टर अरूण यादव खुद को जिला पंचायत सदस्य बताते हुये चौकी इंचार्ज समेत पुलिस टीम से भीड़ गया ओर अभद्रता करते हुये शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने लगा।चौकी इंचार्ज की सूचना पर पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची ओर गैगेंस्टर को थाने लाकर हवालात में बंद कर दिया।इस दौरान एक राजनैतिक दल से जुड़े कुछ अधिवक्ता गैगेंस्टर के बचाव में कोतवाली पहुंच गये ओर बगैर पूरा मामला जाने प्रभारी निरीक्षक पर उसे छोड़ने का दबाब बनाने लगे।प्रभारी निरीक्षक ने मना किया तो तहसील जाकर बार पदाधिकारियो से पुलिस द्वारा अभद्रता करने की बात कही जिसके बाद बार पदाधिकारियो समेत काफी संख्या में अधिवक्ता व एक राजनैतिक दल से जुड़े पदाधिकारी कोतवाली पहुंच गये ओर नाराजगी जताते हुये धरने पर बैठ गये ओर पुलिस के विरोध में नारेबाजी करने लगे।प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बार पदाधिकारियो समेत अधिवक्ताओ को पुलिस द्वारा गैगेंस्टर के विरूद्व की गयी कार्यवाही से अवगत कराया जिसके बाद नाराज अधिवक्ता संतुष्ट होकर धरना प्रदर्शन समाप्त कर चले गये।

प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया अवैध खनन मामले में सलिप्ता पाये जाने पर गैगेंस्टर से पुलिस टीम पुछताछ करने गयी थी जहां पर टीम से गैगेंस्टर अभद्रता करते हुये शांति भंग करने की कोशिश की थी,गैगेंस्टर को थाने लाकर उसका शांतिभंग में चालान किया जा रहा था तभी एक राजनैतिक दल से जुड़े कुछ अधिवक्ताओ ने कोतवाली आकर गैगेंस्टर पर पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही पर नाराजगी जताते हुये चालान ना करने का दबाब बनाया तो उन्हे पूरी घटना से अवगत कराते हुये मना करते हुये शांतिभंग में चालान करने की बात बताई गयी।जिसके बाद उक्त अधिवक्ताओ ने तहसील जाकर बार पदाधिकारियो समेत अन्य अधिवक्ताओ से पुलिस द्वारा दुर्व्यहार किये जाने की बात बताई तो अधिवक्ता आक्रोशित हो गये ओर कोतवाली आकर धरने पर बैठ गये जिसके बाद पदाधिकारियो व अधिवक्ताओ को गैगेंस्टर पर की गयी पूरी कार्यवाही से अवगत कराया गया तो संतुष्ट हुये ओर प्रदर्शन समाप्त किया गया।इंस्पेक्टर ने बताया गैगेंस्टर का शांतिभंग में चालान करते हुये उसे जेल भेज दिया गया।

सिपाही के समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की परीक्षा तिथि जारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी (सिपाही) नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों (सीधी भर्ती 2025) की लिखित परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को 75 जिलों के निर्धारित केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रन्नोति बोर्ड के अपर सचिव (भर्ती)/परीक्षा नियंत्रक सत्यार्थ अनिरूद्ध पंकज की ओर से सोमवार को पत्र जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि ये परीक्षाएं दो पालियों में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक आयोजित की जाएंगी। विस्तृत जानकारी बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइड पर उपलब्ध करा दी गई है। अभ्यर्थी अपनी पंजीकरण संख्या एवं जन्मतिथि के माध्यम से लॉगिन करके अपनी लिखित परीक्षा के परीक्षा जनपद सूचना पर्ची डाउनलोड कर लें। साथ ही साथ अभ्यर्थी निर्देशों को और इस भर्ती की विज्ञप्ति को भी पढ़ लें।बोर्ड ने यह भी कहा कि अभ्यर्थी इस बात का भी ध्यान दें कि उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों की सीधी भर्ती लिखित परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र नहीं है। सुविधा के लिए यह उस जिले के आंवटन के लिए एक अग्रिम सूचना हैं, जहां परीक्षा केंद्र होगा। अभ्यर्थी का एडमिट कार्ड परीक्षा तिथि के तीन दिन पहले बोर्ड की अधिकारी वेबसाइट पर भेजा जाएगा।

कोचिंग संचालक की मौत जांच में जुटी पुलिस

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के नवाबगंज थाना क्षेत्र स्थित एक कोचिंग सेंटर में संचालक का रक्तरंजित शव मिला। सोमवार सुबह कोचिंग पहुंचने वाले छात्रों ने संचालक को मृत अवस्था में देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में चेहरे पर चोट के निशान मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच कई पहलुओं से शुरू कर दी है। यशोदा नगर निवासी प्रकाश चंद्र गुप्ता (47) नवाबगंज के विष्णुपुरी क्षेत्र में एक कोचिंग सेंटर का संचालन करते थे। वह पिछले करीब दस वर्षों से एक प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान की फ्रेंचाइजी चला रहे थे। रविवार शाम उन्होंने परिजनों को फोन कर बताया था कि वह आईपीएल फाइनल मैच देखने के बाद कोचिंग सेंटर में ही रुकेंगे। इसके बाद वह घर नहीं लौटे।आज सुबह जब छात्र कोचिंग पहुंचे तो संचालक का शव खून से सना हुआ पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही डायल-112, नवाबगंज पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शुरुआती जांच में मृतक की एक आंख के ऊपर चोट का निशान मिला है और मुंह से खून निकलने के संकेत भी मिले हैं। मामले के खुलासे के लिए एसीपी कर्नलगंज चित्रांशु गौतम के नेतृत्व में तीन टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों की भी जांच कर रही है।

युवक पर हमला करने वाले मुठभेड़ में गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। कानपुर के प्रेमनगर थाना क्षेत्र में युवक पर चाकू से हमला कर घायल करने के मामले में फरार चल रहे आरोपित को पुलिस ने सोमवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के दोनों पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और वारदात में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक सुभाषनगर निवासी बृजेश मिश्रा एडवोकेट ने प्रेमनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 30 और 31 मई की रात वह अपने मामा के साथ गांव से घर और जमीन बेचने संबंधी कार्य निपटाकर लौटे थे। आरोप है कि जब वह गुलाबनगर स्थित मामा के घर के बाहर वाहन पर बैठे थे, तभी गुलाबनगर निवासी बिलाल घोसी वहां पहुंचा और उन्हें जबरन खींचकर ले जाने का प्रयास करने लगा।शोर सुनकर बृजेश के मामा ने हस्तक्षेप कर उन्हें छुड़ाया। आरोप है कि इस दौरान बिलाल ने बृजेश की मामी रानी शर्मा के साथ मारपीट की और चाकू उनके गले पर रख दिया। सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपित को पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस का दावा है कि खुद को घिरता देख आरोपित ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें बिलाल के दोनों पैरों में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और हमले में प्रयुक्त चाकू बरामद किया है। जांच में सामने आया है कि आरोपित के खिलाफ पहले से लूट, चोरी और धोखाधड़ी समेत करीब छह से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

> युवक पर चाकू से हमले मामले में नामजद बिलाल घोसी की गिरफ्तारी के लिए निकली टीम ने उसे घेर कर रोकने को प्रयास किया उसी दौरान फायरिंग कर भागने का प्रयास किया जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया।
>
> **मानुष पारीक, एसपी सिटी**

दीवार गिरने से महिला समेत दो की मौत, दो मवेशी भी मरे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में रविवार देर शाम तेज रफ्तार आंधी का कहर टूटा। आंधी के दौरान दीवार गिरने सहित जिले में अलग अलग घटनाओं में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता समेत दो लोगों की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। गई। इसके अलावा दीवार के मलबे में दबने से दो मवेशियों की भी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक जनपद में रविवार देर शाम आई तेज रफ्तार आंधी तूफान और बारिश का कहर देखने को मिला। भरथना क्षेत्र में एक मकान की कच्ची दीवार गिरने से उसके मलबे में किसान जाहर सिंह और उसकी पत्नी दब गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू ऑपरेशन कर दीवार के मलवे को हटाकर दोनों को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां पर डॉक्टरों ने किसान जाहर सिंह को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल उसकी पत्नी का उपचार चल रहा है।दूसरी घटना थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत केशोपुर गांव में हुई, जहां आंधी में एक पक्की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर 59 वर्षीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता विद्यावती देवी और उसके पति कैलाश बाबू के अलावा घर में बंधे दो पशु भी मलबे में दब गए। स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू कर मलवे के नीचे दबे लोगों को बाहर निकालकर उपचार के लिए अपस्ताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर ने विद्यावती को मृत घोषित कर दिया और उनके पति कैलाश बाबू का उपचार चल रहा है। इस हादसे में घर में बंधे दो पशु भी दीवार के नीचे दबकर मर गए। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल ने बताया कि अचानक बिगड़े मौसम की वजह से आई तेज रफ्तार आंधी में हुए हादसों का आकलन कर लेखपालों से रिपोर्ट मांगी गई है। शासन के दिशा निर्देशों के तहत पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद की जाएगी।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना बनी किसानों की सुरक्षा ढाल, 39 लाख से अधिक कृषकों को मिला संरक्षण

स्वतंत्र भारत लखनऊ ।भारतीय कृषि लंबे समय से मानसून और प्राकृतिक आपदाओं पर निर्भर रही है। जलवायु परिवर्तन के वर्तमान दौर में असमय वर्षा, ओलावृष्टि, बाढ़ और सूखे जैसी परिस्थितियां किसानों के लिए गंभीर आर्थिक संकट का कारण बनती हैं। ऐसे में किसानों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और खेती को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना उत्तर प्रदेश में किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरी है।भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रदेश के सभी जनपदों में ग्राम पंचायत स्तर तक लागू यह योजना प्राकृतिक आपदाओं, कीटों और रोगों से फसल को होने वाले नुकसान की स्थिति में किसानों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रही है। योजना का उद्देश्य किसानों की आय को सुरक्षित रखना, उन्हें कर्ज के बोझ से बचाना तथा कृषि कार्य को निरंतर बनाए रखना है।

गैंगस्टर एक्ट मामले में एक सदस्य गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। भू माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ बहराइच पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना

-प्रदेश के टॉप ६८ माफियाओं में है शामिल

दरगाह पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने प्रदेश के टॉप 68 माफियाओं में शामिल देवेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ गब्बर सिंह के संगठित गिरोह के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में अभियोग पंजीकृत करते हुए गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्यवाही जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देश में देवेन्द्र उर्फ गब्बर सिंह पर संगठित गिरोह बनाकर बेशकीमती जमीनों मकानों व अन्य सम्पत्तियों को फर्जी व कूटरचित दस्तावेजों के सहारे हड़पने एवं उन पर अवैध कब्जा करने का आरोप है। गिरोह के आपराधिक इतिहास का परीक्षण करने के उपरान्त डीएम ने गैंग चार्ट को स्वीकृति दे दी है, जिसके आधार पर थाना दरगाह शरीफ में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। यह मुकदमा उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम की धारा 3 (1) के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए गिरोह के सक्रिय सदस्य अनिल कुमार को गिरफ्तार किया है। अनिल हमजापुरा थाना दरगाह शरीफ का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार उसे अनारकली रोड रेलवे क्रासिंग के निकट से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार संगठित अपराध और भू माफियाओं के विरुद्ध आगे भी अभियान जारी रहेगा। गिरोह के अन्य सदस्यों और उनकी सम्पत्तियों की भी जांच की जा रही है।

दुग्ध उत्पादन में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा यूपी : केशव मौर्य

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद

-दुग्ध क्रांति से सशक्त हो रहा ग्रामीण भारत

-विश्व दुग्ध दिवस पर दी शुभकामनाएं

मौर्य ने विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दुग्ध उत्पादन से जुड़े सभी पशुपालकों अन्नदाताओं, दुग्ध सहकारी समितियों तथा स्वयं सहायता समूहों में कार्यरत बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

मौर्य ने कहा कि भारत आज विश्व का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन करने वाला देश है और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनकर निरंतर नई उपलब्धियां अर्जित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन गतिविधियों में स्वयं सहायता समूहों की बढ़ती भागीदारी महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता तथा ग्रामीण आजीविका को नई मजबूती प्रदान कर रही है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादन एवं प्रसंस्करण से जुड़ी संस्थाएं, दुग्ध सहकारी समितियां तथा विभिन्न कंपनियां किसानों की आय बढ़ाने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। दुग्ध क्षेत्र न केवल पोषण सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को भी गति प्रदान कर रहा है। डिप्टी सीएम ने प्रदेशवासियों का आह्वान करते हुए कहा कि दुग्ध उत्पादन एवं डेयरी क्षेत्र को और अधिक समृद्ध, आधुनिक तथा आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी हितधारकों को सामूहिक प्रयासों के साथ आगे बढ़ना चाहिए, जिससे किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति और अधिक सुदृढ़ हो सके। उन्होंने विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर दुग्ध क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों के उज्ज्वल भविष्य निरंतर प्रगति की कामना की है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

अर्थव्यवस्था के लिए

पिछले कुछ समय से वैश्विक रेटिंग एजेंसियों द्वारा भारत की विकास दर में कमी आने के संकेतों के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा बेहद आशाजनक तस्वीर पेश किया जाना एक अच्छी खबर है। शीर्ष बैंक का कहना है कि मजबूत घरेलू बुनियादी ढांचे के दम पर भारत आर्थिक विकास की राह पर तेजी के साथ आगे बढ़ता रहेगा। उसने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वहीं चेतावनी भी दी है कि पश्चिम एशिया विवाद 2026 में ग्लोबल विकास दर के लिए सबसे बड़ी रुकावट बनकर उभरा है जिसमें व्यापार और वित्तीय बाजारों के लिए जोखिम पैदा हो रहा है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। यह बात अन्य संस्थाएं भी कह चुकी हैं। जैसे यूएन और विश्व बैंक की रिपोर्टों में कहा गया है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल के ऊंचे दाम, व्यापार मार्ग और सप्लाई चेन की बाधा, महंगाई, राजकोषीय घाटा और रुपए के मूल्य में गिरावट जैसे कारण भारत की तेज विकास दर के सामने चुनौती बन गए हैं। इसलिए भारत को इस समय एफटीए और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों का अधिकतम लाभ उठाने की जरूरत है। इस समय व्यवहार में आ रही नई विश्व अर्थव्यवस्था भारत के पक्ष में झुकी दिखाई दे रही है। इसलिए यह भी जरूरी है कि इसके लिए नए आयाम भी खोजे जाएं। उदाहरण के लिए वर्तमान समय में भारत से कुल निर्यात का अधिकांश हिस्सा अमेरिका, यूएई, ब्रिटेन, सऊदी अरब और चीन जैसे प्रमुख देशों पर निर्भर है। इसलिए अब अन्य देशों में भी बाजार तलाशने होंगे ताकि किसी एक या कुछ देशों में आर्थिक सुस्ती का सीधा असर भारत पर न पड़े। निर्यात विविधीकरण पर भी ध्यान देना होगा ताकि नए उत्पादों को उसमें शामिल किया जा सके। उधर, आरबीआई का भी कहना है कि भविष्य में दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों के लिए बार-बार आने वाले सप्लाई झटकों और भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच विकास दर की चिंताओं और महंगाई नियंत्रण के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती होगी। फिर भी, शीर्ष बैंक की ताजा रिपोर्ट का आशय यही है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और बढ़ते वैश्विक तनाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूती बनाए रखने के लिए तैयार है। यह निष्कर्ष देश के आर्थिक भविष्य को लेकर निश्चित रूप से आशा जगाता है।

बालिका शिक्षा

समाज के हर क्षेत्र में महिलाओं के बढ़ते कदमों के साथ उनकी स्थिति में बदलाव का नया संदेश आता जा रहा है। अब वे घर की चहारदीवारी तक सीमित नहीं रह गई हैं बल्कि उससे बाहर आकर अपनी योग्यता एवं जुझारू शक्ति का प्रदर्शन कर रही हैं। ऐसे में जरूरी है कि जीवन के शुरुआती स्तर से ही उन्हें समुचित शिक्षा के अवसर सुलभ करा कर उनके व्यक्तित्व को संवारा जाए। यूपी सरकार इस दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इनके तहत अब प्रदेश में अस्सी आवासीय बालिका विद्यालयों का निर्माण कराए जाने की योजना बनाई गई है। जिन ब्लॉकों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय नहीं हैं, वहां ये विद्यालय बनेंगे और इनमें कक्षा छह से कक्षा बारह तक की शिक्षा दी जाएगी। इनमें दो सौ छात्राओं के रहने की व्यवस्था होगी तथा इनके निर्माण पर लगभग छह सौ करोड़ रुपए खर्च होंगे। बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने की दिशा में यह निश्चित रूप से बड़ा कदम है। आज भी गांवों से लेकर नगर क्षेत्रों तक कई परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई केवल इसलिए नहीं हो पाती कि वे आवासीय सुविधा से वंचित हैं। ऐसे में उन्हें शिक्षा तो नहीं ही मिलती, उनके व्यक्तित्व का समग्र-संपूर्ण विकास भी नहीं हो पाता। इस व्यवस्था के अंतर्गत छात्राओं को निःशुल्क शिक्षा, छात्रावास में रहने एवं खाने की व्यवस्था शिक्षा के अतिरिक्त खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों की सुविधाएं आदि उपलब्ध होंगी जिनसे उनके जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को इससे खासतौर पर लाभ पहुंचेगा और वे भी अपनी रुचि एवं योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर प्राप्त कर सकेंगी। उम्मीद तो की जानी चाहिए कि आगे चलकर ऐसे आवासीय विद्यालयों की संख्या और बढ़ेगी जिससे अधिकाधिक बालिकाओं को इससे लाभ मिल सके और वे भी शहरों की बालिकाओं की तरह अपने जीवन की राह चुन सकें।

काँव-काँव

♦♦♦

आरसीबी लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन
भुखमरी, बीमारी, बेरोजगारी की समस्याएं खत्म!
वियतनाम खरीदेगा भारत की ब्रह्मोस मिसाइलें
हमारा देश विश्वशांति का घनघोर समर्थक है!
यूपी के पूर्णकालिक डीजीपी बने राजीव कृष्ण
अब गांजा चरस के धंधेबाजों का क्या होगा?
देश के बड़े तालाबों में मात्र चौबीस प्रतिशत पानी
वहां भी तालाब पाटकर हाईकोर्ट बनाये जायें!
गर्मी से लड़ने का तरीका हमारी रसोई में है-मोदी
महंगी गैस ने लाखों घरों की रसोई ठंडी कर दी!
विश्व तंबाकू जागरूकता दिवस पर निकली रैली
धुआं उड़ाते युवा नये लखनऊ की पहचान हैं!

♦♦♦

सिस्टम : न्याय, सत्ता और संवेदनाओं के बीच की बेचैनी

– पंकज दुबे

भारतीय सिनेमा में अदालतों और न्याय व्यवस्था पर आधारित फ़िल्में हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। ऐसी फ़िल्मों की सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे केवल कानूनी बहसों तक सीमित न रह जाएं, बल्कि इंसानी भावनाओं, सामाजिक यथार्थ और सत्ता की जटिलताओं को भी अपने भीतर समेट सकें। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित नई हिंदी फ़िल्म 'सिस्टम' इसी चुनौती को स्वीकार करती है। आज के सिने-सोहबत में इसी फ़िल्म पर चर्चा करते हैं। 'सिस्टम' केवल एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जिसमें सच, शक्ति और विशेषाधिकार अक्सर एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं। फ़िल्म में सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आशुतोष गोवारिकर जैसे अनुभवी कलाकार कहानी को अतिरिक्त वजन देते हैं।

'सिस्टम' की कहानी दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। एक ओर है नेहा राजवंश, जो विशेषाधिकार प्राप्त दुनिया से आने वाली सरकारी वकील है, और दूसरी ओर है सारिका रावत, जो अदालत की दुनिया में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर खड़ी एक स्टेनोग्राफर है। दोनों अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमियों से आती हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद असमानताओं और सत्ता के खेल से उनका सामना उन्हें एक साझा संघर्ष की ओर ले जाता है। फ़िल्म का मूल प्रश्न यही है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है, या फिर व्यवस्था केवल शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करती है?

निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने करियर में अक्सर साधारण लोगों की असाधारण कहानियां कही हैं। 'निल बट्टे सन्नाटा', 'बरेली की बर्फी' और 'पंगा' जैसी फ़िल्मों में उन्होंने छोटे शहरों, पारिवारिक रिश्तों और व्यक्तिगत संघर्षों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया था। 'सिस्टम' में वह पहली बार अपेक्षाकृत गहरे और गंभीर कोर्टरूम स्पेस में प्रवेश करती हैं। यह बदलाव दिलचस्प है क्योंकि यहां उनका परिचित मानवीय दृष्टिकोण तो मौजूद है, लेकिन उसके साथ एक राजनीतिक और संस्थागत आलोचना भी जुड़ जाती है।

फ़िल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका वातावरण है। अदालत की कार्यवाही, कानूनी प्रक्रियाएं और उनके पीछे छिपी शक्ति संरचनाएं काफी विश्वसनीय लगती हैं। कैमरा अक्सर पात्रों के चेहरों पर ठहरता है, जिससे उनके भीतर चल रहे संघर्ष दर्शकों तक पहुंचते हैं। कई दृश्यों में संवादों से अधिक मौन काम करता है। अश्विनी अय्यर तिवारी यहां शोर मचाने वाली फ़िल्म नहीं बनातीं; वह दर्शकों को धीरे-धीरे उस दुनिया में ले जाती हैं जहां सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली होती जाती है।

सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश के किरदार में अपने करियर के सबसे परिपक्व अभिनय में से एक दिया है। यह किरदार केवल एक वकील का नहीं, बल्कि उस व्यक्ति का है जो अपने विशेषाधिकारों और नैतिक जिम्मेदारियों के बीच फंसी हुई है। सोनाक्षी ने इस आंतरिक संघर्ष को बड़े संयम से निभाया है। कई जगह उनके चेहरे के भाव संवादों से अधिक प्रभाव पैदा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में 'दहाड़' जैसी परियोजनाओं में उन्होंने जिस गंभीर अभिनय क्षमता का परिचय दिया था, 'सिस्टम' उसे और आगे बढ़ाती है। वहीं ज्योतिका फ़िल्म की भावनात्मक धुरी बनकर उभरती हैं। सारिका रावत के रूप में उनका प्रदर्शन अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है। उनके किरदार में गुस्सा भी है, विवशता भी और आत्मसम्मान भी। ज्योतिका अपने अभिनय से यह महसूस करा देती हैं कि व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर खड़े लोग किस तरह रोज़ अन्याय का सामना करते हैं। कई दृश्यों में उनका अभिनय फ़िल्म को नई ऊंचाई देता है। अशुतोष गोवारिकर का काम भी उल्लेखनीय है। उनका अनुभव स्क्रीन पर साफ़ दिखाई देता है। वह कहानी में स्थिरता और गंभीरता जोड़ते हैं। सहायक कलाकारों ने भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से किया है, जिससे फ़िल्म का संसार विश्वसनीय बनता है। फ़िल्म का लेखन महत्वाकांक्षी है। यह केवल एक मुकदमे की कहानी नहीं कहना चाहता, बल्कि पूरे न्यायिक ढांचे पर टिप्पणी करना चाहता है। कई दृश्य ऐसे हैं जहां फ़िल्म महत्वपूर्ण सवाल उठाती है कि क्या कानून और न्याय एक ही चीज़ हैं? क्या सच हमेशा अदालत में जीतता है? क्या सामाजिक हैसियत फैसलों को प्रभावित करती है? इन प्रश्नों के कारण फ़िल्म विचारोत्तेजक बनती है। हालांकि, यहीं फ़िल्म की कुछ कमजोरियां भी सामने आती हैं। कई बार ऐसा महसूस होता है कि फ़िल्म के पास अच्छे विचार तो हैं, लेकिन वह उन्हें पूरी गहराई तक विकसित नहीं कर पाती। कुछ उपकथाएं अधूरी लगती हैं और कुछ महत्वपूर्ण संघर्ष सतही स्तर पर ही रह जाते हैं। कोर्टरूम ड्रामा के रूप में फ़िल्म कई बार उतनी तीखी नहीं बन पाती जितनी उसकी विषयवस्तु मांग करती है।

फ़िल्म का दूसरा भाग विशेष रूप से मिश्रित प्रभाव छोड़ता है। शुरुआती हिस्से में जो रहस्य और तनाव निर्मित होता है, वह बाद में थोड़ी गति खो देता है। कुछ दृश्य अनावश्यक रूप से लंबे महसूस होते हैं। दर्शकों को यह भी लग सकता है कि फ़िल्म अपने सबसे साहसी राजनीतिक निष्कर्षों तक पहुंचने से पहले ही रुक जाती है। व्यवस्था की आलोचना मौजूद है, लेकिन वह कई बार सुरक्षित दायरे में रहती है। तकनीकी पक्ष की बात करें तो फ़िल्म का कैमरावर्क काफ़ी प्रभावशाली है। अदालतों के बंद कमरों, गलियारों और वेटिंग क्षेत्र को जिस तरह फिल्माया गया है, वह कहानी के दबाव और घुटन को महसूस कराता है। बैकग्राउंड स्कोर भी संयमित है। संगीत कभी भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि उसके भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है। 'सिस्टम' की एक और विशेषता इसकी महिला दृष्टि है। यह फ़िल्म महिलाओं को केवल पीड़ित या आदर्शवादी पात्रों के रूप में नहीं दिखाती। यहां महिलाएं जटिल हैं, महत्वाकांक्षी हैं, गलतियां भी करती हैं और कठिन फैसले भी लेती हैं। अश्विनी अय्यर तिवारी का यह दृष्टिकोण हिंदी सिनेमा में अक्सर दिखाई नहीं देता। फ़िल्म की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यही है कि वह अपने महिला पात्रों को पूर्ण मनुष्य की तरह प्रस्तुत करती है।

अश्विनी अय्यर तिवारी के फ़िल्मी सफर को देखें तो 'सिस्टम' उनके लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ की तरह दिखाई देती है। यह उनकी सबसे परिपक्व या सबसे प्रभावशाली फ़िल्म नहीं है, लेकिन यह निश्चित रूप से उनकी रचनात्मक महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। वह अपने परिचित भावनात्मक क्षेत्र से बाहर निकलकर एक बड़े सामाजिक और संस्थागत विषय को छूने की कोशिश करती हैं। यह प्रयास सम्मान के योग्य है, भले ही परिणाम पूरी तरह निर्दोष न हो।

मिलाजुला कर 'सिस्टम' ऐसी फ़िल्म है जो अपने विचारों की वजह से याद रहती है, भले ही हर जगह समान रूप से प्रभावशाली न हो। यह दर्शकों को आसान जवाब नहीं देती, बल्कि उन्हें सवालों के साथ छोड़ती है। न्याय, सत्ता और नैतिकता के बीच मौजूद जटिल संबंधों पर सोचने के लिए मजबूर करती है। सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका के मजबूत अभिनय, अश्विनी अय्यर तिवारी की संवेदनशील दृष्टि और फिल्म का सामाजिक सरोकार इसे देखने योग्य बनाते हैं। यदि आप तेज़ रफ्तार थ्रिलर की उम्मीद लेकर बैठेंगे तो शायद 'सिस्टम' आपको पूरी तरह संतुष्ट न करे। लेकिन अगर आप ऐसी फ़िल्में पसंद करते हैं जो समाज और व्यवस्था के भीतर छिपी परतों को खोलने की कोशिश करती हैं, तो यह फ़िल्म आपके समय की हकदार है। यह एक परफेक्ट कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, लेकिन एक ईमानदार और विचारशील सिनेमाई प्रयास अवश्य है।

।। यथार्थ गीता ।।

स्वामी अड़गड़ानंद

अथैकादशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

साधक तो निमित्तमात्र होकर उसके संकेत और आदेश पर चलता भर रहता है। साधक की विजय उसकी देन है। ऐसे अनुरागी के लिये ईश्वर अपनी दृष्टि से देखता है, दिखाता है और अपने स्वरूप तक पहुँचाता है। यही श्रीकृष्ण कहते हैं कि मेरे द्वारा मारे हुए इन बैरियों को मार। निश्चय ही तुम्हारी विजय होगी, मैं जो खड़ा हूँ।

सञ्जय उवाच एतच्छ्रुत्वा वचनं केशवस्य कृताञ्जलिर्वेपमानः किरीटी। नमस्कृत्वा भूय एवाह कृष्णं सगद्गदं भीतभीतः प्रणम्य ।। 35।।

संजय बोला- (जो कुछ अर्जुन ने देखा, ठीक वैसा ही संजय ने देखा है। अज्ञान से आच्छादित मन ही अन्धा धृतराष्ट्र है; लेकिन ऐसा मन भी संयम के माध्यम से भली प्रकार देखता, सुनता और समझता है) केशव के इन (उपर्युक्त) वचनों को सुनकर किरीटधारी अर्जुन भयभीत होकर काँपता हुआ हाथ जोड़कर नमस्कार करके, फिर श्रीकृष्ण से इस प्रकार गद्गद वाणी में बोला-

अर्जुन उवाच - स्थाने हृषीकेश तव प्रकीर्त्या
जगत्प्रहृष्यत्यनुरज्यते च । रक्षांसि भीतानि दिशो द्रवन्ति
सर्वे नमस्यन्ति च सिद्धसङ्घाः ।। 36 ।।

हे हृषीकेश! यह उचित ही है कि आपकी कीर्ति से संसार हर्षित होता है और अनुराग को प्राप्त होता है। आपकी ही महिमा से भयभीत हुए राक्षस दिशाओं में भागते हैं और सब सिद्धगणों के समुदाय आपकी महिमा को देखकर नमस्कार करते हैं। कस्माच्च ते न नमेरन्महात्मन् है। गरीयसे ब्रह्मणोऽप्यादिकर्ते। अनन्त देवेश जगन्निवास त्वमक्षरं सदसत्तत्परं यत् ।। 37 ।। हे महात्मन् ! ब्रह्मा के भी आदिकर्त्ता और सबसे बडे आपके लिये ये सब कैसे नमस्कार न करें- क्योंकि हे अनन्त ! हे देवेश ! हे जगन्निवास। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

पठन्ति चतुरो वेदान् धर्मशास्त्राणनेकशः।
आत्मानं नैव जानन्ति दर्वी पाकरसं यथा।।

जिस प्रकार पाक में घुसी हुई कलछी उस पाक के रस को नहीं जानती, उसी प्रकार आजकल के विद्वान भी वेदों और शास्त्रों को पढ़ तो लेते हैं, परन्तु आत्मतत्त्व को नहीं जानते।

♦♦♦

वीआईपी अपराधियों के लिए जेल मानो होटल?

– रजनीश कपूर

सवाल है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। राम रहीम को 2020 से 2026 तक 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे।

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सज़ा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वे बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं। उल्लेखनीय है कि 2017 में दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सेल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जबकि सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही।

जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन राम रहीम को बार-बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। रोहतक जेल में उनका रहना आम कैदियों के लिए कठिनाइयों के बीच विपरीत तस्वीर पेश करता है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही। ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक और पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में इसका दुरुपयोग स्पष्ट दिखता है। 2020 से 2026 तक उन्हें 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे। मई 2026 में मिली 30 दिन की पैरोल पर वे जेल से बाहर निकले और सिरसा डेरे पहुंचे। यह उनकी 2026 की दूसरी पैरोल थी। कथित तौर पर ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं। क्योंकि ये रिहाइयां अक्सर चुनावों, धार्मिक कार्यक्रमों या त्योहारों के आसपास दी गईं। 2022 पंजाब, 2023 राजस्थान, 2024 हरियाणा चुनावों से पहले भी ऐसी छूट मिली। डेरे के लाखों अनुयायी एक बड़ा वोट बैंक हैं, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगते रहे। बलात्कार और हत्या के अपराधी राम रहीम की बार-बार रिहाई पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है। 2017 में सजा के बाद हुए दंगे में 40 लोगों की मौत हुई थी। गवाहों पर दबाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति समेत कई संगठन इन पैरोलों की निंदा करते हैं। पत्रकार अंशुल छत्रपति ने इसे 'कानून का मजाक' बताया। आम कैदियों के लिए पैरोल मिलना मुश्किल होता है। हरियाणा के आंकड़ों के अनुसार, जेलों में हजारों कैदी हैं, लेकिन सीमित संख्या को ही ऐसी छूट मिलती है। ऐसे में ये कहना ग़लत नहीं होगा कि राम रहीम को मिलने वाली लगातार रिहाइयां अन्य कैदियों में असंतोष पैदा करती हैं। गौरतलब है कि रोहतक की सुनारिया जेल सामान्य रूप से क्षमता से अधिक भरी रहती है। कैदियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिलती हैं। लेकिन राम रहीम के लिए यहां विशेष इंतजाम किए जाते रहे। आरामदायक रहन-सहन, बेहतर भोजन और लगातार बाहर जाने की छूट। यह जेल उनके लिए सजा की जगह आरामगाह बन गई है। एक तरफ़ तो जेल सुधार की बातें होती रहती हैं, लेकिन वहीं दूसरी ओर उच्च प्रभाव वाले कैदियों को मिलने वाली सुविधाएं व्यवस्था की कमजोरी उजागर करती हैं। जहां गरीब या सामान्य अपराधी सालों जेल में सड़ते हैं, वहीं प्रभावशाली व्यक्ति यहाँ एक लक्ज़री होटल जैसी जिंदगी जीते दिखते हैं। सवाल उठता है कि इस का क्या समाधान संभव है? पैरोल और फरलो जैसे प्रावधानों का उद्देश्य पुनर्वास है, न कि दुरुपयोग। इसलिए पुलिस प्रशासन व सरकार को इनमें पारदर्शिता लानी चाहिए। जैसे कि, रिहाई के फैसले स्वतंत्र समिति से करवाए जाएं। चुनाव के समय पैरोल पर रोक लगे। सभी कैदियों के लिए समान नियम लागू हों। जेलों में सीसीटीवी और मैन्युअल निगरानी की सख्ती बढ़े। गुरमीत राम रहिम के मामले में हरियाणा सरकार को खुद पर लगे आरोपों का जवाब देना चाहिए। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति और अन्य संगठनों की आलोचना को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। गुरमीत राम रहीम जैसे प्रभावशाली अपराधियों को मिलने वाले ऐशो-आराम का मामला सिर्फ एक व्यक्ति की कहानी नहीं है। यह न्याय व्यवस्था की निष्पक्षता पर सवाल है। रोहतक जेल अगर एक कैदी के लिए होटल बन जाती है, तो कानून की गरिमा कहां रह जाती है? पैरोल का प्रावधान सभी के लिए समान होना चाहिए, न कि चुनिंदा प्रभावशालियों के लिए विशेषाधिकार। समाज को इस भेदभाव के खिलाफ आवाज उठानी होगी। ताकि कानून वाकई सबके लिए समान हो। राम रहीम की लगातार रिहाइयां न केवल पीड़ितों का अपमान हैं, बल्कि पूरे न्याय तंत्र पर सवालिया निशान लगाती हैं। जेल सजा की जगह होनी चाहिए, न कि आराम की।

प्रेरक प्रसंग

सहनशीलता

एक दरोगा संत दादू की ईश्वर भक्ति और सिद्धि से बहुत प्रभावित था। उन्हें गुरु मानने की इच्छा से वह उनकी खोज में निकल पड़ा। लगभग आधा जंगल पार करने के बाद दरोगा को केवल धोती पहने एक साधारण-सा व्यक्ति दिखाई दिया। वह उसके पास जाकर बोला, क्यों बे तुझे मालूम है कि संत दादू का आश्रम कहां है?

वह व्यक्ति दरोगा की बात अनसुनी कर के अपना काम करता रहा।

भला दरोगा को यह सब कैसे सहन होता? लोग तो उसके नाम से ही थर-थर कापते थे उसने आव देखा न ताव लगा ग़रीब की धुनाई करने। इस पर भी जब वह व्यक्ति मौन धारण किए अपना काम करता ही रहा तो दरोगा ने आग बबूला होते हुए एक ठोकर मारी और आगे बढ़ गया।

थोड़ा आगे जाने पर दरोगा को एक और आदमी मिला। दरोगा ने उसे भी रोक कर पूछा, क्या तुम्हें मालूम है संत दादू कहां रहते है? उन्हें भला कौन नहीं जानता, वे तो उधर ही रहते हैं जिधर से आप आ रहे हैं। यहां से थोड़ी ही दूर पर उनका आश्रम है। मैं भी उनके दर्शन के लिए ही जा रहा था। आप मेरे साथ ही चलिए। वह व्यक्ति बोला।

दरोगा मन ही मन प्रसन्न होते हुए साथ चल दिया। राहगीर जिस व्यक्ति के पास दरोगा को ले गया उसे देख कर वह लज्जित हो उठा क्योंकि संत दादू वही व्यक्ति थे जिसको दरोगा ने मामूली आदमी समझ कर अपमानित किया था। वह दादू के चरणों में गिर कर क्षमा मांगने लगा। बोला, महात्मन् मुझे क्षमा कर दीजिए, मुझसे अनजाने में अपराध हो गया। दरोगा की बात सुनकर संत दादू हंसते हुए बोले, भाई, इसमें बुरा मानने की क्या बात? कोई मिट्टी का एक घड़ा भी ख़रीदता है तो ठोक बजा कर देख लेता है। फिर तुम तो मुझे गुरु बनाने आए थे।

संत दादू की सहिष्णुता के आगे दरोगा नतमस्तक हो गया।

आपका पत्र मिला

दो जून रोटी और हमारी सरकार

सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धान्त पर हमारी सरकार चल रही है. लगभग 12 साल हो गए हैं चलते-चलते। काफी सुधार हुए हैं ग़रीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में. लक्ष्य पाने के लिए मूलभूत सुविधाओं के साथ ही रोटी-कपड़ा-मकान के लिए भी सरकार ने काम किये हैं. फिर भी लक्ष्य अभी काफी दूर है. जगह-जगह सुबह से शाम तक झुण्ड में मजदूरों को काम की तलाश में रोजाना देखा जा सकता है. उन्हें कभी काम मिलता है तो कभी नहीं भी. इससे कभी-कभी उनको दो जून रोटी की कमाई भी नहीं मिल पाती है. देश में बेतहाशा गरीबी और बेरोजगारी से इंकार नहीं किया जा सकता. मजदूर तो मजदूर पढ़े-लिखे भी बेरोजगारों की भी लम्बी-लम्बी लाइन एक नौकरी के लिए हजारों आवेदन होने के कारण लगी मिल रही है. युवकों को बेरोजगारी भत्ता और मजदूरों के दो हाथों को काम ये लक्ष्य भी सरकार की योजनाओं में होना चाहिए।

एक बात और है यदि राजनीतिक फ्री रेवड़ियों की बजाय काम के बदले दाम देने की आम योजना अगर सरकार बनाये तो काम भी होगा, दाम का भी सदुपयोग होगा, गरीब युवाओं में आलस्य भी खत्म होगा जिससे सबके साथ सबका विकास तो होगा साथ ही सरकार के प्रति विश्वास तो बढ़ेगा व जिन्हें फ्री रेवड़ी की पात्रता नहीं आ पाती है उनका मनोबल भी नहीं गिरेगा।

शकुंतला महेश नेनावा
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrabharat77@gmail.com

'संकट कटै मिटै सब पीरा। जो सुमिरै हनुमत बलबीरा॥

हनुमान जी को क्यों प्रिय है सिंदूर?

हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने को विशेष रूप से महत्वपूर्ण बताया गया है। ऐसी मान्यता है कि हनुमान जी को नारंगी सिंदूर सिन्दूर चढ़ाने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और उनकी भक्ति का पूर्ण फल मिलता है। आमतौर पर लोग पूजन के साथ हनुमान जी को नारंगी सिंदूर चढ़ाकर सभी कामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं और साथ ही ऐसा कहा जाता है कि इससे बजरंगबली प्रसन्न होकर सभी इच्छाओं की पूर्ति करते हैं। पौराणिक कथा के अनुसार, लंका से लौटने के बाद एक दिन जब माता सीता अपनी मांग में सिंदूर भर रही थीं उस समयत भी हनुमान जी ने उनसे इसका कारण पूछा। हनुमान जी के इस प्रश्न का जवाब देते हुए माता सीता ने कहा कि प्रभु श्रीराम की लंबी उम्र की कामना के लिए वो मांग में सिंदूरलगाती हैं। माता सीता की यह बात सुनकर हनुमान जी ने सोचा कि अगर थोड़ा सा सिंदूर लगाने से प्रभु को इतना लाभ है तो पूरे शरीर पर सिंदूर लगाने से प्रभु

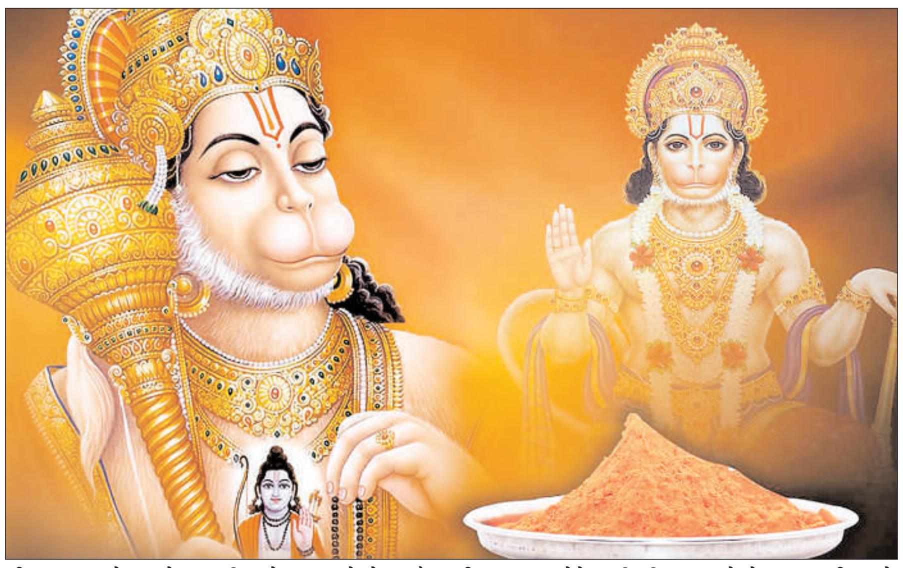

श्रीराम अमर हो जाएंगे। उस दिन से हनुमान जी ने अपने शरीर में सिंदूर का लेप लगाना शुरू कर दिया। उसी समय से हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने की प्रथा भी प्रचलित हो गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यदि कोई भक्त किसी संकट से जूझ रहा है तो हनुमान जी को सिंदूर का चोला चढ़ाने से उसके सभी संकट दूर होते हैं। इससे हनुमान जी प्रसन्न होकर अपने भक्तों पर कृपा बरसाते हैं। इसके अलावा यह भी कहा जाता है कि सिंदूर चढ़ाने से हनुमान जी अपने भक्त के जीवन में आ रही सभी बाधाओं को दूर करते हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने से कई लाभ मिलते हैं

हनुमान जी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं।
व्यक्ति को बल और बुद्धि की प्राप्ति होती है।
रूके हुए काम धीरे-धीरे बनने लगते हैं।
नकारात्मक शक्तियों से छुटकारा मिलता है। एकाग्रता बनी रहती है।
मंगल दोष से छुटकारा मिलता है।
सैभाग्य में वृद्धि होती है।

हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाने के बारे में कुछ और बातें:
हनुमान जी को नारंगी सिंदूर चढ़ाना चाहिए, क्योंकि लाल सिंदूर सुहाग का प्रतीक है। वहीं, नारंगी सिंदूर समर्पण का प्रतीक है। हनुमान जी को सिंदूर के साथ चमेली का तेल या फूल चढ़ाना चाहिए। चमेली का तेल या फूल नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए मंगलवार का दिन विशेष महत्व रखता है।

हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करने से मिलते हैं कई फायदे

वीर बजरंग बली आज भी सशरीर मौजूद हैं। मान्यता है कि बजरंगबली सभी भक्तों की परेशानियों को पलक झपकते दूर कर देते हैं। इसलिए उन्हें संकटमोचक कहा जाता है। उनके समक्ष कोई भी शक्ति नहीं टिक पाती है। बजरंगबली को प्रसन्न करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ भी किया जाता है। सभी जानते हैं कि, हनुमान चालीसा के पाठ में बहुत शक्ति है। यह मन से डर को दूर करने में सहायता करता है। माना जाता है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति को अपने जीवन में कई लाभ भी मिलते हैं। साथ ही कुंडली में मंगल दोष समेत राहु और केतु दोष से भी छुटकारा मिलता है। इसी कड़ी में आइए जानते हैं कि, हनुमान चालीस का पाठ करने से और क्या लाभ मिलते हैं।

मानसिक अशांति होती है दूर : मान्यता है कि हनुमान चालीसा का पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होती है। साथ ही व्यक्ति के मन से भी हर तरह का डर भी दूर होता है। इसके अलावा चालीसा का पाठ करने से नकारात्मकता भी दूर होती है।

मिलती है सफलता : हनुमान चालीसा का पाठ करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं। इसलिए जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सच्चे दिल से चालीसा का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से आपकी तरक्की के नए मार्ग भी खुल सकते हैं।

बीमारियों से मिलेगी मुक्ति : यदि आप बीमारियों से घिरे हैं, तो सच्चे मन से हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से सेहत में सुधार देखने को मिल सकता है। साथ ही आपकी परेशानियों में भी कमियां आएंगी।

आर्थिक स्थिति होती है बेहतर : मान्यता है कि, दिन में 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है। उसके काम और व्यापार में भी प्रगति होती है। रोजाना चालीसा का पाठ करने से प्रमोशन और तरक्की के योग बनते हैं।

डर को दूर भगाएं हनुमान : जी के सामने कोई भी शक्ति नहीं टिक पाती है। वह बहुत ही बलवान और ताकतवर है। इसलिए हनुमान चालीसा का पाठ करने की सलाह दी जाती है ताकी मनुष्य के मन से डर निकल सके।

मंत्र- इस दिन 'ॠहनु हनुमते नमः' मंत्र का जाप करने से मानसिक तनाव और जीवन में आने वाले संकटों से मुक्ति मिलती है।

उपाय- -बजरंग बाण का पाठ अवश्य करें। आर्थिक परेशानियों को दूर करने के लिए तीसरे बड़े मंगल को हनुमान जी के साथ प्रभु श्रीराम की भी पूजा करें. रामायण का पाठ करना भी फलदायी रहेगा। --हनुमान मंदिर में नारियल अर्पित करें और लाल रंग का झंडा (ध्वज) चढ़ाएं। ऐसा करने से मनोकामनाएं पूरी होने की मान्यता है। बड़ा मंगल के शुभ अवसर पर भंडारे या प्रसाद वितरण का आयोजन करें। इस दिन जरूरतमंदों को भोजन कराना विशेष पुण्य का कार्य माना जाता है।

पूजा-विधि- प्रातःकाल स्नान के बाद स्वच्छ लाल वस्त्र धारण करें. फिर हनुमान जी को लाल पुष्प अर्पित करें, सिंदूर में चमेली का तेल मिलाकर चोला चढ़ाएं, साथ ही चना, गुड़ और नारियल चढ़ाएं. हनुमान जी को बेसन या बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं. फिर घी का दीपक जलाकर सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें और आरती करें। व्रत का संकल्प लें और श्रीराम-सिता जी के साथ हनुमान जी की उपासना करें. पूजा के अंत में क्षमा याचना करना न भूलें।

खाना खाने से लेकर सोने तक इन दिशाओं का रखें ध्यान तो नही होगी कोई परेशानी

वास्तु शास्त्र को हिंदू धर्म में विशेष महत्व दिया गया है। यह हिंदू प्रणाली के सबसे पुराने विज्ञानों में से एक माना गया है। वास्तु शास्त्र में हर दिशा का महत्व माना गया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि वह कौन-से वास्तु नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर आपको जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। **खाते समय रखें इस दिशा का ध्यान-** इतना ही नहीं, अगर आप भोजन करते समय भी वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको जीवन में सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि खाना खाते समय आपका मुख उत्तर-पूर्व दिशा में होना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी आपसे प्रसन्न रहती है, जिससे घर में धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती। **सोने की सही दिशा-** सोते समय भी व्यक्ति को वास्तु नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए, क्योंकि इसका प्रभाव व्यक्ति के स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। सोते समय आपका सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर होना चाहिए। इससे स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव देखने को मिलता है। वहीं उत्तर और पश्चिम दिशा में सिर करके सोने से स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव भी देखने को मिल सकते हैं। इसके साथ ही घर के मुख्य द्वार के सामने नहीं सोना चाहिए और न ही दरवाजे की तरफ आपके पैर होने चाहिए। **इन नियमों का भी रखें ध्यान-** घर में कभी भी बंद घड़ी को नहीं रखना चाहिए, क्योंकि वास्तु शास्त्र में इसे दुर्भाग्य का प्रतीक माना गया है। इसी के साथ घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में कोई भी भारी सामान रखने से बचना चाहिए। आपके घर का मंदिर ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

ईश्वर के प्रति समर्पण निष्काम बना देता है

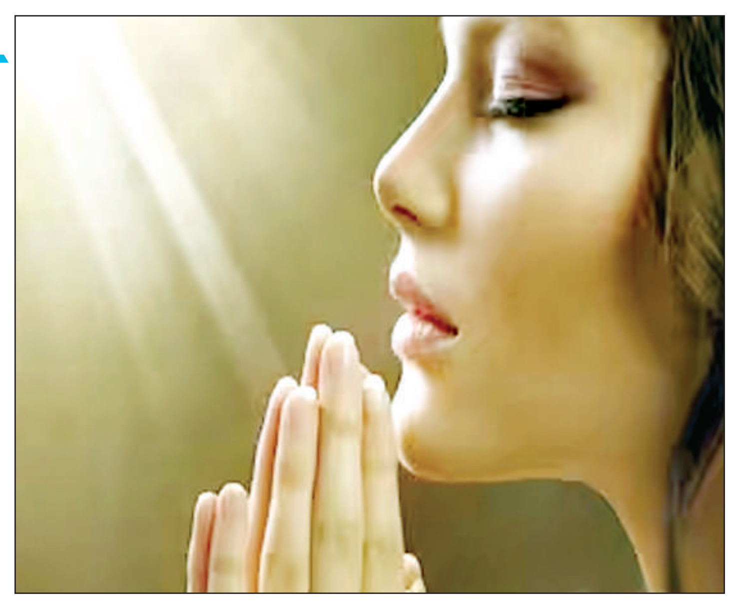

भगवान ही सब लोकों के एकमात्र ईश्वर हैं और वे भगवान जीवमात्र के परम सुहृदय होने के कारण मेरे भी परम सुहृदय हैं। यह जानते ही उसे शांति मिल जाती है। उसे निश्चय हो जाता है कि अब मैं सब प्रकार से सुरक्षित और पूर्ण काम हो गया। जब सर्वशक्तिमान भगवान मेरे परम सुहृदय हैं, तब मुझे किसका डर।

मनुष्य के मन में नाना प्रकार के मनोरथ हैं। संसार में वह सदा ही अपने को किसी-न-किसी अभाव से ग्रस्त पाता है। किसी भी अवस्था में वह यह अनुभव नहीं करता कि मुझको सब कुछ मिल गया, अब और कुछ भी नहीं चाहिए। बड़ी-से-बड़ी दुर्लभ वस्तु के पाने पर भी वह उसमें किसी कमी का अनुभव करता है और यह सोचता है कि जब मेरी यह कमी पूरी होगी, तब मुझे शांति मिलेगी। यह अभाव का अनुभव कभी मनुष्य के चित्त को शांत नहीं होने देता। शांति की दो ही स्थितियां हैं। एक तो वह, जिसमें पहुंचने पर वह स्वयं शांतिस्वरूप हो जाता है । फिर उसे किसी वस्तु की कमी का कभी बोध होता ही नहीं। वह सभी में सर्वत्र, सर्वथा और सर्वदा एकमात्र परमात्मा को देखता है और अपने को उनसे अभिन्न पाता है। उसकी यह पूर्णता उसकी स्वरूपभूता होती है, इसी का नाम मुक्ति है। दूसरी वह स्थिति है, जिसमें वह अपने को सदा-सर्वदा भगवान के संरक्षण में पाता है, जहां भगवान अनंत हाथों और अनंत शक्तियों से उसकी कमी को पूरा करने के लिए सदा प्रस्तुत रहते हैं, परंतु उसे भगवान को पाकर किसी कमी का अनुभव होता ही नहीं, वह कृतार्थ हो जाता है। यहां तक कि मुक्ति की ओर भी उसकी दृष्टि भूलकर भी कभी नहीं जाती। वह इस बात को पहले ही जान चुका होता है कि जगत में जितने भी यज्ञ-तप किए जाते हैं, विभिन्न देवताओं के रूप में एकमात्र भगवान ही उन सबके भोक्ता हैं; अतएव देवोपासनारूप कर्म से जिनको जो कुछ भी फल मिलता है, सब भगवान के अपरिमित भंडार से ही आता है। भगवान ही सब लोकों के एकमात्र ईश्वर हैं और वे भगवान जीवमात्र के परम सुहृदय होने के कारण मेरे भी परम सुहृदय हैं। यह जानते ही उसे शांति मिल जाती है। उसे निश्चय हो जाता है कि अब मैं सब प्रकार से सुरक्षित और पूर्ण काम हो गया। जब सर्वशक्तिमान भगवान मेरे परम सुहृदय हैं, तब मुझे किसका डर और किस बात का अभाव। ऐसी अवस्था में वह सब प्रकार से भगवान पर निर्भर करके निश्चिंत और शांतचित्त हो जाता है। इसी प्रकार सकाम भक्तों में तीन तरह के भक्त माने गये हैं– अर्थार्थी, आर्त और जिज्ञासु ('आर्त्तो जिज्ञासुरर्थार्थी')। इनमें एक तो वह है, जो किसी भी अर्थ की सिद्धि के लिए– धन, जन, मान, यश, भोग, स्वर्ग आदि की प्राप्ति के लिए भगवान को भजता है। दूसरा वह है, जो प्रारब्धवश किसी संकट में पड़कर उससे त्राण पाने के लिए भगवान की भक्ति करता है और तीसरा वह है, जो भगवान की प्राप्ति का सरल और सहज पथ जानने के लिए भगवान को याद करता है। इन तीनों सकाम भक्तों की सकाम भक्ति को भी तभी पूर्ण समझना चाहिए, जब कि वे भगवान को ही एकमात्र आश्रय मानकर उन्हीं पर निर्भर रहें। तभी उन्हें अनायास फल भी मिलता है। ध्रुव अर्थार्थी भक्त थे; वे ज्यों ही भगवान पर निर्भर हुए, त्यों ही उन्हें उनका इच्छित फल मिल गया। द्रौपदी और गजराज आर्त भक्त थे और जब तक वे दूसरों से त्राण की जरा भी आशा करते रहे, तब तक उनके संकट दूर नहीं हुए; जब एकमात्र भगवान पर निर्भर करके उनको पुकारा, तब उसी क्षण भगवान ने स्वयं प्रकट होकर उनके दुख दूर कर दिए। जिज्ञासु भक्त तो ऐसे बहुत हुए हैं, जो भगवान पर निर्भर करके भगवत प्रेरणा से भगवान के पथ पर सहज ही आरूढ़ हो गए हैं। सकाम भाव की इस निर्भरता के लिए बंदर के बच्चे से तुलना कर संत लोग बिल्ली के बच्चे का दृष्टांत दिया करते हैं। बंदर का बच्चा भूखा होने पर स्वयं कूदकर मां को पकड़ लेता है। परंतु भूखा बिल्ली का बच्चा मां की प्रतीक्षा करता हुआ अपने स्थान पर बैठा रहता है; स्वयं मां उसकी चिंता करती है और उसके पास आकर जहां ले जाना होता है, अपने मुंह से उठाकर उसे वहां ले जाती है। इसी प्रकार जो मनुष्य किसी भी काम की सिद्धि के लिए श्रद्धा-विश्वासपूर्वक भगवत कृपा की प्रतीक्षा करते हुए भगवान पर निर्भर रहते हैं, उनके काम को भगवान स्वयं पधार कर पूरा कर देते हैं। नरसी मेहता आदि अनेक भक्तों के उदाहरण इसके प्रमाण हैं।

घर के मंदिर में रखें इन वास्तु नियमों का ध्यान

हिंदू धर्म में विशेष महत्व रखने वाले वास्तु शास्त्र के नियमों का यदि आप पालन करते हैं, तो इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। घर के मंदिर में भी वास्तु नियमों का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे आपको काफी लाभ देखने को मिल सकते हैं। साथ ही इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी बना रहता है।

ये होनी चाहिए दिशा-
वास्तु में मंदिर के लिए घर का उत्तर-पूर्वी कोना जिसे ईशान कोण भी कहा जाता है, सबसे बेहतर माना गया है। साथ ही मंदिर का मुख पूर्व की ओर होना चाहिए। इससे घर-परिवार में सुख-समृद्धि और शांति का वास बना रहता है। इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि

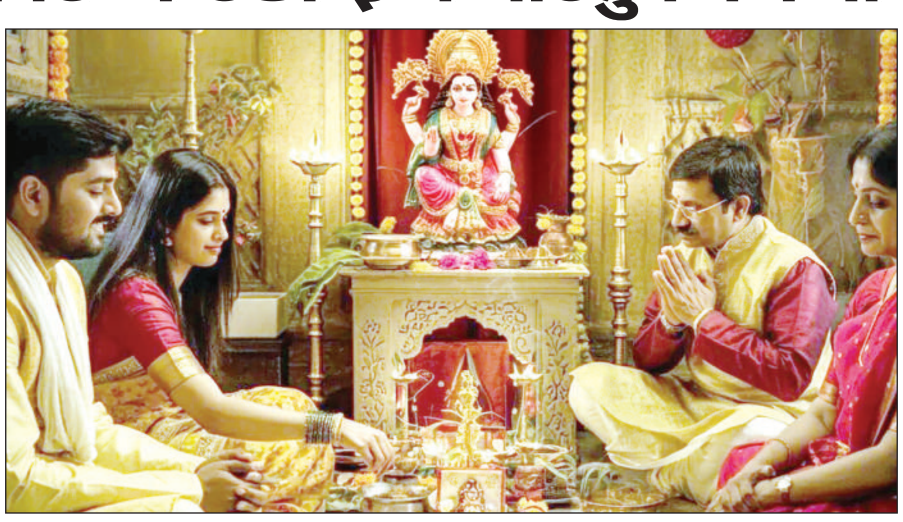

मंदिर कभी भी बेडरूम या बाथरूम के पास नहीं होना चाहिए। वरना आपको नकारात्मक परिणाम भी मिल सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान
घर के मंदिर में साफ-सफाई का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। साथ ही इस बात का ध्यान रखें कि मंदिर का सीधे फर्श पर रखना उचित नहीं माना जाता। ऐसे में इसे थोड़ी ऊंचाई पर किसी मेज या स्टैंड पर रख सकते हैं। साथ ही आपका मंदिर हवादार होना चाहिए और उसमें प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है। मंदिर शांत जगह पर होना चाहिए, जिससे पवित्रता बनाए रखने में मदद मिलती है।

कैसा होना चाहिए मंदिर
घर में लकड़ी या फिर संगमरमर का मंदिर बनवाना शुभ माना जाता है। अपने मंदिर में जितना हो सके सफेद, क्रीम या हल्के पीले रंग का इस्तेमाल करें और गहरे रंगों के प्रयोग से बचें। आप अपने मंदिर में घंटी भी लगा सकते हैं। साथ ही घर के मंदिर में मंगल कलश और गंगाजल भी रखना शुभ माना जाता है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ मंगलवार, 2 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ प्रथम मासोत्तमे कृष्ण पक्षे, द्वितीया तिथौ मंगल वासरे 19/02/ मूल नक्षत्रे 22/07/ साध्य योग 07/16/ तैतिल करणे 05/50/ धनु राशिगत चन्द्रमा घं. मि. पर।

व्रत एवं त्यौहार- बुध आर्द्रा नक्षत्र में घं.06मि.11पर। गुरू पुनर्वसु नक्षत्र कर्क राशि में घं.25 मि.47 पर।

मेष : अधिकारी से विरोध होगा। कार्य क्षेत्र की स्थिति तनावपूर्ण होगी। कार्य की आलोचना संभव है। पारिवारिक व्यय बढ़ेगा।

वृष : दैनिक कार्यों में व्यस्त रहेगे। आर्थिक कमी के चलते पारिवारिक तनाव धैर्य से विपरीत परिस्थितियों में सुधार होगा।

मिथुन : किसी शुभ सूचना से स्थिति में सुधार होगा। आमोद प्रमोद में रुचि लेंगे। संतान की ओर से प्रसन्नता रहेगी।

कर्क : विरोधी शिथिल होंगे। किसी पड़ोसी के विषय में कानूनी उलझन कष्ट देंगी। बिना सोचे कार्य में पछतावा होगा।

सिंह : अधूरे काम पूरे होंगे। महत्वपूर्ण चर्चाएं होंगी। अपने विचारों के अनुरूप वातावरण का निर्माण करना चाहेंगे।

कन्या : कार्य व्यापार में सामान्य प्रगति। पुरानी समस्याओं का समाधान। आर्थिक योजना में पूंजी निवेश कर सकते हैं।

तुला : व्यापार में सावधानी से कदम उठाएं। हानि संभावित है। कार्यक्षेत्र में अधिकारी से व्यवहार में सावधानी रखें। मतभेद की संभावना है।

वृश्चिक : घरेलू निर्णय के विषय में किसी सूचना से विचलित होंगे। वातावरण में सुधार होगा। असंतोष दूर होगा। जीवनसाथी के व्यवहार से परेशान होंगे

धनु : अधीनस्थों से उपेक्षा मिलेगी। संभव है कुछ खोना पड़े। महत्वपूर्ण परिचय तथा आर्थिक आश्वासन का लाभ उठा सकते हैं। अधूरे काम पूरे होंगे।

मकर : पारिवारिक जीवन में सुख सहयोग विशेष रहेगा। विरोधी के व्यवहार में सुधार आएगा। शुभ मांगलिक कार्यों में सम्मिलित होने से प्रसंन्नता भी बढ़ेगी।

कुंभ : स्वास्थ्य नरम होगा। काम में स्थिरता रहेगी। निकट के मित्रों से मेलजोल होगा। शत्रु सक्रिय होंगे। शत्रुओं से निपटना पड़ सकता है।

मीन : संचित धन में कमी होगी लेकिन लाभ अन्य वस्तु के रूप में प्राप्त होगा। एकाएक बनते हुए कार्यों में व्यवधान पैदा होंगे। मेहनत से आय होगी।

एचएलबी कार्य पूर्ण करने वाले 11 प्रगणकों को डीएम ने किया सम्मानित

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जनगणना-2027 की तैयारियों के अंतर्गत अपनी-अपनी हाउस लिस्टिंग ब्लॉक (एचएलबी) में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण करने वाले 11 प्रगणकों को जिलाधिकारी/प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री ईशान प्रताप सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व है, जिसकी सफलता कार्मिकों की निष्ठा, परिश्रम एवं समयबद्ध कार्य निष्पादन पर निर्भर करती है। उन्होंने उत्कृष्ट कर्य करने वाले प्रगणकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास अन्य कार्मिकों को भी बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं।जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की कि वे इसी उत्साह एवं जिम्मेदारी के साथ आगामी कार्यों को भी पूर्ण करें, जिससे जनपद जनगणना संबंधी सभी तैयारियों में अग्रणी स्थान प्राप्त कर सके।

उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त आंकड़े शासन की विभिन्न विकासात्मक योजनाओं, संसाधनों के उचित वितरण एवं नीतिगत निर्णयों का आधार बनते हैं, इसलिए प्रत्येक स्तर पर कार्य की शुद्धता एवं समयबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है।सम्मानित होने वाले प्रगणकों में नगरीय निकाय बेलहरा के विश्वनाथ सिंह, तहसील सिरौलीगौसपुर के प्रेमचन्द्र, नगरीय निकाय बंकी की श्रीमती कंचन प्रभा, तहसील हैदरगढ़ के सुखदेव, तहसील नवाबगंज की श्रीमती अर्चना सिंह, नगर पंचायत रामसनेहीघाट के रविकान्त श्रीवास्तव व विजय बहादुर,तहसील रामसनेहीघाट की श्रीमती पिंकी सिंह, तहसील रामनगर के सुनील तिवारी, नगर पंचायत सिद्धौर के आदर्श सोनी तथा तहसील फतेहपुर के श्री अमित सिंह शामिल रहे। इन सभी प्रगणकों ने अपनी-अपनी एचएलबी में सर्वप्रथम कार्य पूर्ण कर उत्कृष्ट कार्य निष्पादन का परिचय दिया, जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

घर के कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिले के घुंघटेर थाना क्षेत्र के पलटूपुर गांव में सोमवार सुबह एक युवक द्वारा फांसी लगाकर जान देने की घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय कुलदीप पुत्र सोहनलाल के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह परिवार के लोगों ने कुलदीप को घर के अंदर कमरे में पंखे से पानी के पाइप के सहारे लटका हुआ देखा। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और पुलिस को सूचना दी गई।सूचना मिलने पर घुंघटेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार कुलदीप का विवाह लगभग एक वर्ष पूर्व हुआ था। उसकी पत्नी वर्तमान में गर्भवती है। बताया जा रहा है कि पत्नी की शारीरिक कमजोरी को देखते हुए कुलदीप उसके लिए वजन बढ़ाने की दवा लेकर आया था।परिवार के लोगों के मुताबिक पत्नी दवा के संभावित दुष्प्रभावों को लेकर चिंतित थी और उसे नियमित रूप से नहीं ले रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तनाव उत्पन्न हुआ था। हालांकि पुलिस अभी सभी पहलुओं की जांच कर रही है और किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि कुलदीप पहले एक निजी अस्पताल में कार्य करता था। बाद में वह गांव में रहकर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था। आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद वह परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने का प्रयास कर रहा था।

सरकारी तालाब से अवैध खनन पर एसडीएम की छापेमारी, ट्रैक्टर-ट्रॉली व जेसीबी सीज

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। सुबेहा थाना क्षेत्र के पलिया गांव में रविवार की रात में सरकारी तालाब से अवैध मिट्टी खनन की सूचना पर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। सूचना मिलते ही एसडीएम हैदरगढ़ राजेश विश्वकर्मा पुलिस एवं राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छापेमारी की। प्रशासनिक टीम को देखकर रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए चालक मौके से फरार हो गए।छापेमारी के दौरान सरकारी तालाब से अवैध रूप से मिट्टी निकाले जाने की पुष्टि हुई। मौके पर मिट्टी से लदी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा खनन कार्य में लगी एक जेसीबी मशीन बरामद की गई। प्रशासन ने दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर सीज कर दिया।ग्रामीणों के अनुसार सरकारी तालाब से लंबे समय से अवैध मिट्टी खनन किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। शिकायत के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर जांच की और अवैध खनन में प्रयुक्त मशीनों के खिलाफ कार्रवाई की।एसडीएम हैदरगढ़ राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि सरकारी भूमि एवं तालाबों से अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

खबर एक नजर

दुर्घटना में युवक घायल

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली हैदरगढ़ अंतर्गत हैदरगढ़ रायबरेली मार्ग पर रविवार की देर शाम नैनखेड़ा चौराहे पर ट्रैक्टर बाइक की टक्कर में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया 108 एंबुलेंस द्वारा अस्पताल लाए गए युवक को गम्भीर अवस्था के कारण ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया।जानकारी के अनुसार कोतवाली हैदरगढ़ के भवानी सिंह का पुरवा निवासी राजेंद्र पुत्र भीखाराम 36 वर्ष रविवार रात हैदरगढ़ की ओर आ रहा था कि तभी घटनास्थल के निकट सामने से आया अज्ञात ट्रैक्टर टक्कर मारते हुए फरार हो गया। दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। हैदरगढ़ समाचार ट्रेन से टिकट दिए गए युवक का ट्रामा सेंटर लखनऊ में उपचार चल रहा है जहां पर हालत खतरे से बाहर बताई जा रही हैं।।

अग्निवीर परीक्षा में चयनित युवाओं का हुआ सम्मान

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। क्षेत्र के दतौली चौराहे पर स्थित श्री श्याम डिजिटल लाइब्रेरी से कोचिंग करने वाले क्षेत्र के चार युवाओं का चयन अग्नि वीर परीक्षा में हो जाने पर लाइब्रेरी में अध्यनरत युवाओं में खुशी का माहौल है। अग्निवीर के रूप में चयनित होने वाले सभी युवाओं को लाइब्रेरी संचालक दुर्गेश यादव ने खाटू श्याम की तस्वीर देकर सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सम्मानित होने वाले युवाओं में वेदप्रकाश यादव, गौरव तिवारी, अमित कुमार व सुधांशु मिश्रा शामिल है।

सहन में मिट्टी डालने को लेकर दो पक्षों में विवाद

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। थाना क्षेत्र के वनकोट मजरा अमरवल किरसिया गांव में सहन में मिट्टी डालने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।एक पक्ष की ओर से गुड्डा पत्नी देवनारायण ने पुलिस को दिए गए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि उनके पति फेरी पर गए हुए थे और वह अपने बच्चों के साथ घर के सहन में मिट्टी से पटाई का कार्य कर रही थीं। इसी दौरान गांव के बाबूलाल पुत्र सुकई ने उन्हें मिट्टी डालने से मना कर दिया। आरोप है कि इसके बाद रामरती पत्नी दिनेश, जगपता पुत्री बदलू, शालिनी पुत्री भवानी भीख तथा सपना पुत्री भवानी भीख मौके पर पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे।गुड्डा का आरोप है कि विरोध करने पर सभी लोगों ने एक राय होकर उनके साथ मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची उनकी पुत्री राधा के साथ भी मारपीट की गई, जिससे दोनों को चोटें आई हैं।वहीं दूसरे पक्ष की रामरती ने भी पुलिस को शिकायत देकर विपक्षी पक्ष पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। रामरती का कहना है कि विवाद के दौरान उनके साथ भी अभद्रता और मारपीट की गई, जिससे उन्हें चोटें आई हैं।घटना के बाद दोनों पक्षों ने थाना सुबेहा पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत प्राप्त हुई है और मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

1 जून से 31 अगस्त तक नदियों एवं बहती जलधाराओं में मछली पकड़ने पर प्रतिबंध

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिलाधिकारी श्री ईशान प्रताप सिंह द्वारा उत्तर प्रदेश मत्स्य अधिनियम-1948 तथा उत्तर प्रदेश मत्स्य (विकास एवं नियंत्रण) नियमावली, 1954 के प्रावधानों के तहत जनपद की समस्त नदियों एवं बहती जलधाराओं में 01 जून 2026 से 31 अगस्त 2026 तक मछली पकड़ने एवं बाड़े (घेराबंदी) लगाने पर प्रतिबंध लागू कर दिया गया है।मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मत्स्य पालक विकास अभिकरण, बाराबंकी ने बताया कि यह प्रतिबंध मछलियों के प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए लगाया गया है, जिससे मत्स्य संसाधनों का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित किया जा सके।उन्होंने बताया कि प्रतिबंध अवधि के दौरान यदि कोई व्यक्ति नदियों अथवा बहती जलधाराओं में बाड़े लगाते हुए अथवा मछली पकड़ते हुए पाया जाता है, तो उसके नाव, जाल एवं अन्य उपकरण जब्त कर लिए जाएंगे तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध उत्तर प्रदेश मत्स्य अधिनियम की धारा-6 के अंतर्गत नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी।मत्स्य विभाग ने जनपदवासियों एवं मत्स्यजीवियों से अपील की है कि वे मत्स्य संरक्षण के इस अभियान में सहयोग करें तथा प्रतिबंध अवधि के दौरान नियमों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित करें।

पुलिस भर्ती परीक्षा की तैयारियों को लेकर हुई समीक्षा गोष्ठी

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। नोडल पुलिस अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी द्वारा आगामी उ0प्र0 पुलिस आरक्षी भर्ती 2025 को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने के दृष्टिगत परीक्षा में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एडीएम निरंकार सिंह व अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी रितेश कुमार सिंह (नोडल पुलिस अधिकारी) द्वारा आज रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में उ0प्र0 पुलिस आरक्षी भर्ती 2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षा गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में नोडल पुलिस अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक श्री रितेश कुमार सिंह द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन परीक्षा के दौरान सुनिश्चित किये जाने तथा परीक्षा ड्यूटी से सम्बन्धित सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, केन्द्र पुलिस प्रभारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा शांति व्यवस्था ड्यूटी में लगे अधिकारी/कर्मचारीगण को परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। इस मौके अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

क्लोन बायोमेट्रिक से धोखाधड़ी करने वाले तीन अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। साइबर क्राइम थाना पुलिस द्वारा नकली फिंगरप्रिंट/क्लोन बायोमेट्रिक से एईपीएस (आधार सक्षम भुगतान प्रणाली) के माध्यम से धोखाधड़ी करने वाले 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, दो थम्ब स्कैनर व एक अदद अर्टिगा कार बरामद किए गए।मो0 आजम पुत्र मो0 शब्बीर ग्राम मरकामऊ थाना बदोसराय जनपद बाराबंकी द्वारा बीती 30 मई तहरीर दी गयी कि आरोपी संदीप कुमार ने उनके भाई मो0 अंसार को झांसा देकर 'सहज मनी' कंपनी की एक रिटेलर आईडी बनवाई और फिर अपने दोस्त शिवम यादव व अन्य साथियों के साथ मिलकर फर्जी व कूटरचित आधार कार्ड एवं बायोमेट्रिक का अवैध तरीके से इस्तेमाल करते हुए अंसार की आईडी से 1,29,000/- रूपये की धोखाधड़ी कर की अपने व अपने साथियों के अकाउंट में ट्रांसफर ली। कंपनी द्वारा पीड़ित व्यक्ति को

संबंधित आईडी पर 'चार्जबैक' नोटिस व बैंक स्टेटमेंट के माध्यम से ज्ञात हुआ कि आरोपियों द्वारा वादी के भाई मो0 अंसार की आईडी का दुरुपयोग करके भी अवैध रूप से अलग-अलग तारीखों में रूपये निकाल कर अभियुक्तों द्वारा अपने अपने बैंक खातों में ट्रांसफर कर लिया था। प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 10/2026 धारा 3(5)/318(4)/319(2)/336(3)/338/340(2) बीएनएस व 66सी/66डी आईटी एक्ट बनाम संदीप यादव आदि 07 नफर पंजीकृत किया गया।पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों की शिकायतों के शीघ्र निस्तारण में सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। इसी क्रम में आज साइबर थाना पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटेलीजेन्स एवं डिजिटल डेटा की मदद से घटना का अनावरण करते हुए 03 अभियुक्तगण शिवम यादव पुत्र देशराज यादव निवासी बुड गौरा महमूदपुर थाना रामनगर जनपद बाराबंकी, मनीष यादव पुत्र देशराज यादव निवासी बुड गौरा महमूदपुर थाना रामनगर जनपद बाराबंकी व नुसरत अली पुत्र गुलाम रसूल निवासी बुड गौरा महमूदपुर थाना रामनगर बाराबंकी को सोमैया तिराहे के आगे फैक्ट्री के पास से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे/निशांदेही से चार मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, दो थम्ब स्कैनर मशीन व एक अदद अर्टिगा कार सं0 यूपी 32 एन वाई 5099 बरामद किया गया। पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्तों द्वारा सीधे-साधे लोगों को कमीशन का लालच देकर उनके नाम पर सहज मनी की रिटेलर आईडी बनवा लेते थे, इसके बाद कुछ ऑनलाइन सर्विस देने वाली वेबसाइटों के माध्यम से राशन कार्ड और आरटीओ जैसे विभिन्न सरकारी स्रोतों से आम-जनमानस के आधार नंबर, लिंक बैंक खाते, मोबाइल नंबर और पैन कार्ड की गोपनीय जानकारी चुराते थे। इस चुराए गए डेटा का इस्तेमाल करके वे क्लोन बायोमेट्रिक (नकली फिंगरप्रिंट) या अन्य अवैध माध्यमों से पीड़ितों के बैंक खातों से पैसे निकाल लेते थे और उस फ्रॉड की रकम को अपने व अपने साथियों के खातों में ट्रांसफर कर घर, गाड़ी और जमीन खरीद कर धनोपार्जन करते थे।

पेयजल प्याऊ का शुभारंभ

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। भीषण गर्मी को देखते हुए भाजपा नेता प्रमोद तिवारी के प्रयास से स्थापित पेयजल प्याऊ का उद्घाटन भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती रचना श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि गर्मी के मौसम में राहगीरों एवं आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना एक पुण्य कार्य है। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए प्रमोद तिवारी की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सामाजिक कार्य समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।प्रमोद तिवारी ने कहा कि जनसेवा ही उनका प्रमुख उद्देश्य है तथा क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए भविष्य में भी ऐसे कार्य निरंतर किए जाते रहेंगे। उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को शीतल पेयजल वितरित किया गया।इस अवसर पर भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लखनऊ में मिला चालक का शव

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी रविवार को लखनऊ जनपद स्थित किसान पथ के किनारे झाड़ियों से संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुए शव के मामले में मृतक के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है और जांच कर दोषी के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।कोतवाली हैदरगढ़ के लालपुर मजरे अंसारी गांव निवासी विनय मिश्रा पुत्र स्वर्गीय निर्मल मिश्रा पेशे से ट्रक चालक है। परंतु पिछले 1 महीने से घर पर रह रहे थे। मृतक के छोटे भाई विकास ने बताया कि पिछले काफी समय से लखनऊ निवासी मोटर मालिक का वाहन चला रहे उन्नाव निवासी एक साथी चालक के बुलावे पर पहली बार गुरुवार को लखनऊ गया उनका भाई शुक्रवार को लौट आया था। शनिवार को एक बार फिर मोटर मालिक का फोन आने पर भाड़ा लादने के लिए शनिवार की दोपहर घर से निकला था। विकास ने आगे बताया कि शनिवार की शाम 6:00 बजे उनके भाई का फोन आया था उसने बताया था कि रात 8:00 बजे तक वह पिकअप लेकर घर आ जाएगा और यहां से खाना खाने पीने और आराम करने के बाद माल लेकर आगे के लिए रवाना हो जाएगा, परंतु वापस नहीं आया, सुबह कोतवाली पुलिस के माध्यम से पता चला कि उनके भाई की लाश बरामद हुई है। विकास ने बताया कि शनिवार को देर रात तक भाई के घर ना आने पर भाभी द्वारा जब भी फोन किया गया तो फोन उनके साथी द्वारा उठाया गया और कुछ देर में घर पहुंच जाएंगे की बात बताई जाती रहीं। विकास ने बताया कि उनका भाई और भाई का कथित उन्नाव निवासी साथी दोनों नशे के आदी थे। आशंका जताई कि किसी बात को लेकर हुए विवाद की वजह से उनके भाई की साथी द्वारा चार-चार इंजेक्शन लगाकर हत्या कर दी गई होगी। वही पोस्टमार्टम के बाद गांव पहुंचे शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पिकअप चालक की मौत से उसकी पत्नी और दो छोटी-छोटी पुत्रियों का रो-रोकर बुरा हाल हैं।

बोर्ड परीक्षा -2026 के मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। 'जीवन में लक्ष्य सदैव बड़ा बनाना चाहिए और उसकी प्राप्ति के लिए लक्ष्य पर निरंतर फोकस तथा समय का सदुपयोग आवश्यक है। ऊँचा स्थान प्राप्त करने के लिए महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। किसी भी विद्यार्थी के जीवन में माता-पिता एवं गुरुजनों का विशेष योगदान होता है, इसलिए उनके प्रति सदैव कृतज्ञ रहना चाहिए।' उक्त विचार उत्तर प्रदेश सरकार के खाद्य, रसद एवं नागरिक आपूर्ति राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षा-2026 के जनपद स्तरीय मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए।कार्यक्रम का शुभारम्भ राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजरानी रावत, विधान परिषद सदस्य अंगद कुमार सिंह, विधायक हैदरगढ़ दिनेश रावत तथा मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।इस अवसर पर जिला

विद्यालय निरीक्षक ओ.पी. त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा में जनपद का हाईस्कूल परीक्षाफल 90.65 प्रतिशत तथा इंटरमीडिएट परीक्षाफल 83.56 प्रतिशत रहा, जो प्रदेश के औसत परिणाम से अधिक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की श्रेष्ठता सूची में कक्षा 10 के 9 एवं कक्षा 12 के 4 विद्यार्थियों ने स्थान प्राप्त किया है, जिन्हें प्रदेश स्तरीय सम्मान समारोह में सम्मानित किया जा रहा है।कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सीधा प्रसारण भी उपस्थित विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को सुनाया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राजरानी रावत, एमएलसी श्री अंगद कुमार सिंह तथा विधायक श्री दिनेश रावत ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।जनपद स्तरीय सम्मान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में कक्षा 10 की महारानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल इंटर कॉलेज, बाराबंकी की छात्रा अर्पिता तथा श्री छोटेलाल इंटर कॉलेज, खानपुर की छात्रा शगुन वर्मा शामिल रहीं। वहीं कक्षा 12 के मेधावी विद्यार्थियों में महारानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल इंटर कॉलेज, बाराबंकी की आकांक्षा वर्मा, आधुनिक भारतीय शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, भिटरिया के अंशुमान सिंह, श्री साई इंटर कॉलेज, जैदपुर की नायला उबेद, श्री साई इंटर कॉलेज, लखपेड़ाबाग की अनुष्का वर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, केशव नगर की दीपांशी तथा प्रतिभा शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज, नरैनी की सिदरा वारसी शामिल रहीं।

डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई डीसीसी की तिमाही बैठक

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में जिला सलाहकार समिति (डीएलसीसी/डीसीसी) की तिमाही बैठक जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा बैंकवार ऋण-जमानुपात (सीडी रेश्यो) की समीक्षा की गई। उन्होंने 60 प्रतिशत से कम सीडी रेश्यो वाले बैंकों को निर्देशित किया कि वे अपनी शाखावार ऋण वितरण की स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करें तथा सीडी रेश्यो में वृद्धि हेतु ठोस कार्ययोजना बनाकर प्रभावी ढंग से कार्य करें।जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों एवं बैंकों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), नंद बाबा दुग्ध मिशन, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना सहित अन्य ऋण आधारित योजनाओं में पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा।

लाभार्थियों की सुविधा के लिए बैंक एवं विभाग तैयार करें संयुक्त चेकलिस्ट : डीएम

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पीएम स्वनिधि, ओडीओपी, नंद बाबा दुग्ध मिशन, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना सहित विभिन्न ऋण आधारित योजनाओं के लिए आवश्यक अभिलेखों एवं औपचारिकताओं की बैंक एवं संबंधित विभाग संयुक्त रूप से चेकलिस्ट तैयार करें। उन्होंने कहा कि स्पष्ट एवं एकरूप चेकलिस्ट उपलब्ध होने से लाभार्थियों को बार-बार बैंक अथवा कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे तथा आवेदन प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध बन सकेगी। साथ ही योजनाओं के लाभ वितरण में भी तेजी आएगी।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान शासन की प्राथमिकता वाली योजना है, जिसके माध्यम से युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है। अतः प्राप्त आवेदनों पर बैंक त्वरित एवं सकारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। साथ ही किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूहों के क्रेडिट लिंकेज तथा अन्य रोजगारपरक योजनाओं में भी ऋण वितरण की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

पुरुषोत्तम मास के तीसरे सोमवार को शिवार्चन के लिए उमड़ी भीड़

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के तीसरे सोमवार को लोधेश्वर महादेवा धाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। दूर-दराज क्षेत्रो से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से गूंजता रहा।रविवार रात से ही श्रद्धालुओं के धाम पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सोमवार सुबह बड़ी संख्या में शिवभक्त पैदल, निजी वाहनों और अन्य साधनों से लोधेश्वर धाम पहुंचे। वहीं हजारों श्रद्धालुओं ने साष्टांग दंडवत परिक्रमा करते हुए मंदिर पहुंचकर भगवान लोधेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों में भी विशेष उत्साह देखने को मिला।कई किलोमीटर की परिक्रमा और कठिन

मार्ग के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था अडिग रही। परिक्रमा पूरी करने के बाद श्रद्धालुओं ने गंगाजल, बेलपत्र और पूजन सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दर्शन-पूजन के बाद श्रद्धालुओं के चेहरों पर संतोष और भक्ति का भाव स्पष्ट दिखाई दिया।मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र में दिनभर अखंड रामचरितमानस पाठ, ओम नमः शिवाय के जाप तथा अन्य धार्मिक अनुष्ठान चलते रहे। भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के भजनों और जयघोषों में लीन नजर आए।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे, जिससे दर्शन-पूजन की प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित होती रही पुलिस क्षेत्राधिकारी गरिमा पंत प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह लगातार भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

खबर एक नजर

पांचवें बड़े मंगल पर पुलिस चौकी तिराहे पर सजेगा आस्था का विराट दरबार, विशाल भंडारे की तैयारियां पूरी

महाराजगंज, रायबरेली। ज्येष्ठ माह के पावन अवसर पर आयोजित होने वाले पांचवें बड़े मंगल को लेकर नगर में भक्तिभाव का माहौल है। 2 जून 2026 को पुलिस चौकी तिराहा, महाराजगंज पर श्री साईनाथ सेवा समिति एवं महाराजगंज प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति ने तैयारियां पूरी कर ली हैं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई है। समिति पदाधिकारियों के अनुसार भंडारे का शुभारंभ दोपहर 2 बजे से होगा, जो प्रभु इच्छा तक अनवरत चलता रहेगा। कार्यक्रम स्थल पर भगवान श्रीराम के अनन्य भक्त संकटमोचन हनुमान जी की विशेष पूजा-अर्चना के साथ श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि बड़े मंगल का पर्व जनकल्याण, सेवा और धार्मिक आस्था का प्रतीक है। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए नगरवासियों एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के श्रद्धालुओं के लिए भव्य भंडारे की व्यवस्था की गई है। आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सुविधाएं पेयजल, प्रसाद वितरण एवं बैठने की विशेष व्यवस्था की जा रही है। महाराजगंज प्रेस क्लब के अध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि बड़े मंगल पर सेवा कार्य करना सौभाग्य की बात है। प्रेस क्लब सदैव सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाता रहा है और इस बार भी श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पूरी टीम समर्पित भाव से जुटी हुई है।वहीं श्री साईनाथ सेवा समिति के अध्यक्ष सुनील मौर्य ने बताया कि हनुमान भक्तों की आस्था को ध्यान में रखते हुए विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने नगर एवं क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करने तथा आयोजन को सफल बनाने की अपील की। आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता के इस महापर्व को लेकर नगर में उत्साह चरम पर है। आयोजन समिति ने सभी भक्तजनों को सादर आमंत्रित करते हुए अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने का आह्वान किया है।

जेईई एडवांस्ड 2026 में संशिक्षा अकादमी के विद्यार्थियों का शानदार प्रदर्शन

रायबरेली। संशिक्षा अकादमी ने एक बार फिर जेईई एडवांस्ड 2026 में उत्कृष्ट परिणाम देकर रायबरेली का गौरव बढ़ाया है। संस्थान के पाँच विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है, जिससे संस्थान की शैक्षणिक उत्कृष्टता की परंपरा और सुदृढ़ हुई है। सफल विद्यार्थियों में कृष्णा यादव ने ऑल इंडिया रैंक 4800, जान्हवी वर्मा ने एआईआर 6006, संस्कार अग्रहरी ने जनरल रैंक 7700 तथा ईडब्ल्यूएस रैंक 941, अक्षत कटियार ने एआईआर 10400 तथा आर्यन सिंह चौहान ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता प्राप्त की है। विद्यार्थियों की यह उपलब्धि उनके कठिन परिश्रम, समर्पण तथा संस्थान के शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। संशिक्षा अकादमी के निदेशक नीरज कुमार सोनी ने विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं समस्त शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग तथा शिक्षकों के समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने इस उपलब्धि को अकादमी के सभी शिक्षकों और अभिभावकों को समर्पित करते हुए कहा कि संशिक्षा अकादमी निरंतर उत्कृष्ट परिणाम देने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये विद्यार्थी प्रतिष्ठित आईआईटी संस्थानों में प्रवेश प्राप्त कर अपने परिवार, जिले और संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

सैराब को मिला दर्शकों का प्यार

रायबरेली। सैराब के प्रोमो को दर्शकों का जबरदस्त प्यार मिल रहा है। शो में रोहित चंदेल और मदिराक्षी मुंडले की केमिस्ट्री की खूब सराहना हो रही है। स्टार प्लस मदिराक्षी ने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह सिर्फ प्रेम कहानी नहीं, बल्कि भावनाओं से भरा एक खास सफर है।

लोडर चालक गम्भीर रूप से घायल

ऊँचाहार, रायबरेली। ट्रक बैक करते समय पीछे से आ रहा लोडर उसकी चपेट में आ गया, घटना में लोडर चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। सोमवार की सुबह खोजनपुर स्थित सब्जी मंडी से निकलकर लोडर रायबरेली की ओर जा रहा था, इसी दौरान सामने खड़े ट्रक को चालक बैक करने लगा जिससे लोडर उसकी चपेट में आ गया। आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल लोडर चालक अनोज जायसवाल 45 वर्ष निवासी इमिलिहा का पुरवा को बाहर निकाला गया, सूचना पर पहुंची पीआरवी ने उसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि घायल व्यक्ति का इलाज किया गया है।

विद्युत बिल में बढ़ोत्तरी, दाद में खाज-ओपी

रायबरेली। सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी चिंतक ओपी यादव ने उ0प्र0 सरकार द्वारा जून से उ0प्र0 के विद्युत उपभोक्ताओं के बिल में 10 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी किए जाने के फरमान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि एक ओर तो विद्युत आपूर्ति की आवाजाही से जनता जनता त्रस्त है ऊपर से विद्युत दरों में बढ़ोत्तरी ने दाद में खाज का काम किया है। विद्युत विभाग स्मार्ट मीटर के नाम पर उपभोक्ताओं को लूट रहा है। विभागीयकर्मी कामर्शियल कनेक्शनों के स्थान पर घरेलू कनेक्शन देकर विभाग को चूना लगा रहे हैं। पैसे लेकर बिना मीटर के भी विद्युत आपूर्ति कराते रहते हैं। परिणामस्वरूप विभाग घाटे में एवं विभागीय कर्मी मालामाल है, उनकी तिजोरियां भरी हुई है। विद्युत विभाग की जर्जर लाइनें, देखरेख के अभाव में पावर हाउस व ट्रांसफार्मर बीमार रहते हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि उ0प्र0 के ऊर्जा मंत्री, प्रधानमंत्री की नाक की बाल है। पीएमओ आफिस में कई वर्षों तक काम कर चुके हैं। प्रधानमन्त्री के बहुत करीबी थे। अपनी सेवाओं से त्याग.पत्र देकर उ0प्र0 में भाजपा से एमएलसी बने और सरकार में ऊर्जा मंत्री बन गये। पीएम के चहेते ने ऊर्जा मंत्री बनाते ही विद्युत उपभोक्ताओं पर अपने तुकलकी फरमान से कहर ढाना शुरू कर दिया। श्री यादव ने उ0प्र0 के महामहिम राज्यपाल व मुख्यमन्त्री से विद्युत की बढ़ी दरें वापस लेने एवं विद्युत आपूर्ति में आने वाली बाधाओं को समाप्त किये जाने की मांग की है।

मलमास के पावन अवसर पर विशाल भंडारा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

सलोन, रायबरेली। नगर पंचायत परसदेपुर के साकेत नगर मोहल्ले में मलमास अधिक मास के पावन अवसर पर मंगलवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में नगर सहित आसपास के गांवों और क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे तथा प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। भंडारे का शुभारंभ विधिवत पूजा.अर्चना एवं भगवान विष्णु के स्मरण के साथ किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण शुरू हुआए जो देर शाम तक चलता रहा। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्रद्धालु भजन.कीर्तन के साथ धार्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता करते रहे। आयोजक श्रीराम कौशल ने बताया कि मलमास भगवान विष्णु को समर्पित अत्यंत पवित्र माह माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस माह में जप, तप, दान और पुण्य कर्मों का विशेष महत्व होता है। उन्होंने कहा कि अधिक मास में किए गए धार्मिक कार्यों का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। इसी उद्देश्य से भंडारे का आयोजन कर अन्नदान किया गया, जिसे सनातन धर्म में सर्वोत्तम दान माना गया है। इस अवसर पर विहिप जिला मीडिया प्रभारी घनश्याम मिश्रा ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन समाज में प्रेम, सद्भाव, सहयोग और सेवा भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि भंडारा केवल भोजन वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को एक सूत्र में बांधने का माध्यम भी है। कार्यक्रम के दौरान रामभक्तों ने श्रद्धालुओं की सेवा और व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली।

सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना-डॉ. मनोज पाण्डेय

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्रध्छात्राओं का सम्मान समारोह का आयोजन लोक भवन सभागार लखनऊ में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रतिभाग कर उच्च अंक प्राप्त करने वाले 1.682 छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों एवं प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में जनपद में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन स्थित महात्मा गांधी सभागार में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उ0प्र0 सरकार डॉ0 मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को सुना गया। इसके पश्चात माध्यमिक शिक्षा विभाग की परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त करने वाले हाईस्कूल के 07 एवं इण्टरमीडिएट के 14 छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रशस्ति पत्र व रुपये 21 हजार का डमी चेक देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के प्रदेश में 6वॉ स्थान प्राप्त करने वाली हाईस्कूल की तनु जायसवाल 96.83 प्रति0, प्रदेश में 08वॉ स्थान प्राप्त करने वाले सर्वेश कुमार मिश्रा 96.50 प्रति0 एवं अभिषी साहू 96.50 प्रति0 राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम में मंत्री द्वारा हाईस्कूल के मेधावी छात्र-छात्राएं दृष्टि गुप्ता 95.50 प्रति0, सोनाली सिंह 95.50 प्रति0, अंशी 95.33 प्रति0, आंचल शुक्ला 9517 प्रति0, मुस्कान सिंह 95.17 प्रति0, रिया पटेल 95.00 प्रति0, प्राची वैश्य 95.00 प्रति0 को सम्मानित किया गया। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट मेधावी छात्र-छात्राएं नन्दनी गुप्ता 93.80 प्रति0, जया शुक्ला 93.40 प्रति0द्धए वैष्णवी 92.60 प्रति0, अभिषेक अवस्थी 92.40 प्रति0, दिव्यांशी मौर्या 92.40 प्रति0, शुभ सिंह 92.00 प्रति0, अद्वैत अवस्थी 92.00 प्रति0, उम्मे हबीबा 91.80 प्रति0, आर्या पटेल 91.80 प्रति0, तृप्ति शुक्ला 91.20 प्रति0, अभिनव 91.20 प्रति0, खिलय पाण्डेय 91.20 प्रति0, अर्पित मौर्य 91.20 प्रति0, निधि श्रीवास्तव 91.20 प्रति0 को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज जिन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जा रहा है, उन्होंने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और लगन के बल पर न केवल अपना नाम रोशन किया है, बल्कि अपने माता-पिता, विद्यालय, शिक्षकों तथा पूरे जनपद का गौरव भी बढ़ाया है। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री ने कहा कि शिक्षा किसी भी व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है और परिश्रम सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहें। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम ही व्यक्ति को उसके निर्धारित मुकाम तक पहुंचाता है तथा जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करता है। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में हुए सकारात्मक परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व की तुलना में आज विद्यालयों में संसाधनों की स्थिति काफी बेहतर हुई है। पहले जहां विद्यालयों में आवश्यक संसाधनों का अभाव देखने को मिलता था, वहीं वर्तमान समय में विद्यालयों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षण सामग्री एवं अन्य आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, जिनका लाभ उठाकर छात्र-छात्राएं बेहतर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं और उत्कृष्ट परिणाम अर्जित कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा का पूर्ण विकास कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने सम्मानित विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका की भी सराहना की तथा कहा कि विद्यार्थियों की उपलब्धियों में उनके माता-पिता और गुरुजनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। उन्होंने सभी शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और समर्पण के कारण विद्यार्थी निरंतर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों की सफलता उनके अथक परिश्रम, आत्मविश्वास और निरंतर अध्ययन का परिणाम है। उन्होंने सम्मानित छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में असीम संभावनाएं होती हैं और यदि वह लक्ष्य निर्धारित कर समर्पण के साथ प्रयास करे तो कोई भी उपलब्धि असंभव नहीं है। धन्यवाद ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी उबैदुर्रहमान सहित माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व छात्र-छात्राएं उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे।

हीटवेव के दौर में फीका पड़ गया डीएम का फरमान

22 मई के आदेश को चुनौती दे रहा डलमऊ का एक शिक्षण संस्थान 9. 24 पर खुला मिला स्कूल!

स्वतंत्र भारत संवाददाता, डलमऊ रायबरेली। प्रचंड गर्मी के प्रकोप से जहां एक ओर हर कोई परेशान है लगातार तापमान में होती बढ़ोतरी से शुरू हुआ हीटवेव का दौरा खुले आसमान के नीचे चलने से महफूज रहने की मानो हिदायत दे रहा है। गर्मी के भयानक प्रकोप को देखते हुए जिलाधिकारी रायबरेली के आदेश पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह ने बीती 22 मई को एक आदेश जारी किया गया। जिसमें समस्त बोर्ड के सरकारी परिषदीय गैर सरकारी प्राइवेट विद्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद करने के आदेश जारी किए गए। जिसमें से प्राइमरी से कक्षा 8 तक जनपद के संपूर्ण विद्यालय बंद रहने का फरमान अगले आदेश तक जारी किया गया। लेकिन बीते सोमवार को डलमऊ क्षेत्र के मुराई बाग कस्बे में स्थित आर्यन दीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गेट के बाहर छात्र-छात्राओं की साइकिलें खड़ी मिली जिससे यह स्पष्ट होता है कि विद्यालय में शिक्षण कार्य आदेश के विपरीत जाकर भी चलाया जा रहा है समय तकरीबन 9. 24 मिनट पर विद्यालय के अंदर शिक्षण कार्य पूरी तरीके से चल रहा था जो सरकारी आदेश को पूर्ण तरीके से चुनौती दी जा रही थी। गर्मी के जारी इस प्रकोप से जहां रोड पर निकलना दूभर हो चुका वही छात्र और छात्राएं साइकिल चलाकर इस चिलचिलाती धूप में विद्यालय पहुंच रहे हैं जो उनके स्वास्थ्य के साथ पूरी तरीके से खिलवाड़ माना जा सकता है और विद्यालय प्रबंधन इसके लिए पूर्ण रूप से जिम्मेदार है, यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हालांकि स्वतंत्र भारत इस बात की पुष्टि नहीं करता की विद्यालय के अंदर कौन से क्लास के बच्चों को शिक्षा दी जा रही थी या फिर कोचिंग लेकिन इतना जरूर है। बीते दिन विद्यालय खुला पाया गया और दो दर्जन से ज्यादा छात्र-छात्राओं की साइकिलें विद्यालय गेट पर मौजूद रही सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विद्यालय के अंदर कोचिंग भी दी जाती है जो खंड शिक्षा अधिकारी डलमऊ के लिए यह जांच का विषय है कि आखिर विद्यालय क्यों खुला था और किस क्लास के बच्चों को पढ़ाया जा रहा था या फिर कोचिंग दी जा रही थी।

भाजपा सरकार की गलत नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण पेट्रोलियम पदार्थो में हुई बढ़ोत्तरी एवं मंहगाई व बिजली, पानी की कमी एवं भ्रष्टाचार के विरोध में जनपद के पांच ब्लाकों खीरो, सरेनी, दीनशाहगौरा, राही और बछरावां में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा धरना-प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने बताया कि आम जन सरोकारो को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जनपद के सभी ब्लाकों में धरना-प्रदर्शन का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। इसी क्रम में उक्त ब्लाकों में सुरेन्द्र लोधी, नीरज शुक्ला, अनुरूद्ध दीक्षित, अमित पासी और अवधेश चौधरी के संयोजन में प्रदर्शन किया गया, कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार की जन विरोधी नीतियों तथा सरकारी संस्थाओं का दुरूपयोग और बेलगाम मंहगाई से जनता त्रस्त है देश के युवाओं और मध्यम वर्ग में रोष है, गरीब, मजदूर, किसान का जीवन जीना दूभर हो गया है, कांग्रेस पार्टी आम जन की समस्याओं के साथ खड़ी है। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व विधायक सरेनी अशोक सिंह, पूर्व प्रत्याशी विधानसभा बछरावां एवं कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव सुशील पासी, पूर्व प्रत्याशी विधानसभा ऊंचाहार अतुल सिंह, रमेश कुमार शुक्ल, साहबशरण पासवान, सईदुल हसन, महेश प्रसाद शर्मा, प्रमेन्द्र पाल सिंह, राम खेलावन पासी, नौशाद हुसैन खतीब, सतगुरूदेव लोधी, लाल आशकिरन प्रताप सिंह, राहुल बाजपेयी, शिवानंद मौर्या, गिरीश बहादुर सिंह, अखिलेश शुक्ला, आलोक विक्रम यादव, कामता प्रसाद गौड़, दल बहादुर सिंह, श्रीमती उर्मिला लोधी, संतोष पासी, कामता नाथ सिंह, मो.अमीन, मेराजुल हसन फारूकी, राघवेन्द्र सिंह पंकज, प्रियंका रावत, घनश्याम शुक्ला, दिनेश कुमार चौधरी, राजेन्द्र मिश्रा, चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय, सुनील तिवारी, नीरज मिश्रा, श्रीराम लोधी, देशराज यादव, रोहित तिवारी, मनोज सिंह, श्रीमती अर्चना सिंह, श्रीमती साधना लोधी सहित सैकड़ो की संख्या में कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहें।

राजेश बाजपेई एसपीसीए के सदस्य नामित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सताँव, रायबरेली। क्षेत्र की कृष्णपुर ताला पंचायत की प्रधान व सताँव ब्लॉक प्रधान संघ की अध्यक्ष अमिता बाजपेई के समाजसेवी पति राजेश बाजपेई को उप्र सरकार ने पशु क्रूरता निवारण समिति सोसाइटी फॉर प्रीवेन्शन ऑफ क्रुएलिटी टू एनीमल का सदस्य नामित किया है। इस सन्दर्भ में पशुधन अनुभाग-1 के अपर मुख्य सचिव ने पत्र जारी किया है। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सुझाव पर गठित की गई यह समिति पशु क्रुरता निवारण अधिनियम की अपेक्षाओं के तहत कार्य करती है। राजेश बाजपेई के सीपीसीए का सदस्य नामित होने पर सताँव ब्लॉक के अनेक पंचायत प्रतिनिधियों व गणमान्य लोगों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

अनुराग ने क्रिकेट में अपनी प्रतिभा से जिले का नाम किया रोशन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, महराजगंज, रायबरेली। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। यदि लगन, मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण हो तो छोटे से गांव का बेटा भी बड़े सपनों को साकार करने की राह पर आगे बढ़ सकता है। कुछ ऐसा ही कर दिखाने की ओर अग्रसर हैं महराजगंज क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला निवासी दिनेश कुमार के पुत्र अनुराग, जो अपनी क्रिकेट प्रतिभा से क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। हॉली पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत अनुराग इन दिनों युगराज राज सिंह क्रिकेट एकेडमी में क्रिकेट का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। कम उम्र में ही उन्होंने अपने खेल कौशल, अनुशासन और समर्पण से प्रशिक्षकों को प्रभावित किया है। क्रिकेट के प्रति उनकी दीवानगी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह नियमित अभ्यास के साथ-साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षण शिविरों में भी हिस्सा ले रहे हैं। अनुराग को दिल्ली में आयोजित विशेष क्रिकेट कैंप में प्रशिक्षण लेने का अवसर मिला है, जहां वह भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी और विश्व कप विजेता टीम के नायक युगराज सिंह से क्रिकेट की बारीकियां सीख रहे हैं। युवराज सिंह जैसे महान खिलाड़ी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त करना किसी भी युवा क्रिकेटर के लिए बड़े सम्मान और उपलब्धि से कम नहीं माना जाता। परिवार और प्रशिक्षकों का कहना है कि अनुराग पढ़ाई के साथ.साथ खेल में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और खेल के प्रति समर्पण उन्हें लगातार नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहा है। क्षेत्र के खेल प्रेमियों का मानना है कि यदि उन्हें इसी प्रकार मार्गदर्शन और अवसर मिलता रहा तो वह आने वाले समय में जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। अनुराग की सफलता की ओर बढ़ते कदमों से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों, शिक्षकों और खेल प्रेमियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि गांव की प्रतिभाओं को यदि सही मंच और मार्गदर्शन मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना सकते हैं। अनुराग की उपलब्धि ने क्षेत्र के अन्य बच्चों को भी खेलों के प्रति प्रेरित करने का कार्य किया है। ग्रामीणों ने आशा व्यक्त की कि महराजगंज क्षेत्र का यह होनहार खिलाड़ी एक दिन भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी पहनकर देश का प्रतिनिधित्व करेगा और अपने क्षेत्र का नाम पूरे विश्व में रोशन करेगा। वर्तमान में अनुराग की मेहनत, लगन और लगातार मिल रही सफलताएं इसी दिशा में मजबूत कदम मानी जा रही हैं।

8 सूत्रीय मांगों को लेकर किसान कल्याण एसोसिएशन का धरना व आमरण अनशन शुरू

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सलोन, रायबरेली। किसान कल्याण एसोसिएशन अराजनैतिक के बैनर तले सोमवार को शिवनगर स्थित शिव मंदिर परिसर में विभिन्न किसान एवं जनसमस्याओं को लेकर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन शुरू किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालता प्रसाद शुक्ल तथा जिलाध्यक्ष सदाशिव पाण्डेय उमेश के नेतृत्व में शुरू हुए इस आंदोलन में क्षेत्र के किसानों और ग्रामीणों ने भाग लेकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि 26 मई 2026 को उपजिलाधिकारी सलोन को लिखित रूप से धरना और आमरण अनशन की सूचना दे दी गई थी, लेकिन समस्याओं के समाधान के लिए कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसके चलते संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। धरनारत किसानों ने 8 सूत्रीय मांगों को प्रमुखता से उठाया। इनमें पूरे मंगल सिंह मजरे सण्डहा स्थित संत बाबा बालकदास उर्फ फूलमती की कुटी और सहन से अवैध कब्जा हटवाने की मांग शामिल है। इसके अलावा छतोह-गांधीनगर मार्ग पर करीब दो वर्षों से अधूरे पड़े रेलवे अंडरपास का निर्माण पूरा कर मार्ग चालू कराने की मांग की गई। संगठन ने सलोन और नसीराबाद क्षेत्र में कथित रूप से हो रही गीले पशु आहार की अवैध बिक्री पर रोक लगाने की भी मांग उठाई। वहीं ग्राम पूरे खुशियाल मजरे नसीराबाद देहात में मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटवाकर रास्ते को सुगम बनाने की मांग की गईए ताकि आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस और दमकल वाहन गांव तक पहुंच सकें। किसानों ने गेहूं खरीद केंद्रों पर ऑनलाइन बोरी उपलब्ध न होने और खरीद प्रक्रिया में कथित भ्रष्टाचार की जांच की मांग भी की। साथ ही सलोन-जगदीशपुर हाईवे एवं नसीराबाद बाईपास निर्माण से प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने तथा उनकी भूमि पर खड़े पेड़ों को हटाने की अनुमति देने की मांग रखी। धरने में ग्राम पूरे महमूद अली में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए नाली निर्माण एवं सड़क ऊंची कराने तथा ग्रामसभा बेवल में बने अंत्येष्टि स्थल के निर्माण में कथित अनियमितताओं और खराब पड़ी सोलर लाइटों की जांच कराने की मांग भी उठाई गई। धरने को संबोधित करते हुए लालता प्रसाद शुक्ल और सदाशिव पाण्डेय ने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में किसान शिव बहादुर, आलम जहीर, मैकूलाल, चन्द्र चंद्रभान मौर्य, बाबा विमल दास, धर्मदास, घनश्याम सिंह, दयाराम मौर्य, मोहम्मद इलियास, गफ्फार खान, आलमीन, आलम, अखिलेश पांडे, कामता प्रसाद, हरिनारायण मिश्र, राजू मौर्य, चंद्र कुमार, विद्याधर मिश्र, गुलाम मोहम्मद, गुड्डू फारूक सहित किसान, ग्रामीण और संगठन के कार्यकर्ता मौजूद रहे। समाचार लिखे जाने तक कोई भी सक्षम अधकारी धरना स्थल तकनहीं पहुंचा था।

प्रधान अखिलेश की नेक पहेल
जनगणना कर्मियों को भेंट किया सामग्री

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज रायबरेली। जनपद के चर्चित ग्राम प्रधानो में से एक प्रधान अखिलेश यादव की नेक सोच ने साबित किया। ग्राम सभा की जनता और पंचायत में आने वाले कर्मचारियों के साथ कितनी सादगी के साथ पेश आते है ग्राम प्रधान अखिलेश इसका एक नजारा देखने को मिला। विकास खंड लालगंज की ग्राम पंचायत मुस्तफाबाद बेलहनी में जनगणना कार्य में लगे कर्मचारियों को सम्मान के साथ राहत सामग्री भेट की गई। ग्राम प्रधान अखिलेश यादव द्वारा अत्यधिक गर्मी को देखते हुए ग्राम पंचायत सचिवालय में एक-एक पानी की बोतलएपेन एवं एक-एक डिब्बा एनर्जी ड्रिंक पाउडर ग्लूकोन-डी भेंट की। ग्राम प्रधान द्वारा लगातार सभी प्रगणको को स्थानीय सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। जिससे जनगणना कर्मियों को गाँव में सही जानकारी जुटाने और आवासों की पहचान करने में मदद मिल रही है। फलस्वरुप जनगणना कर्मियों द्वारा ग्राम पंचायत में 75 फीसदी से ज्यादा कार्य किया जा चुका है। समस्त कर्मियों ने ग्राम प्रधान का आभार व्यक्त किया।

तीन जुलाई से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

जम्मू से लेकर बालटाल तक सुरक्षा चाक-चौबंद

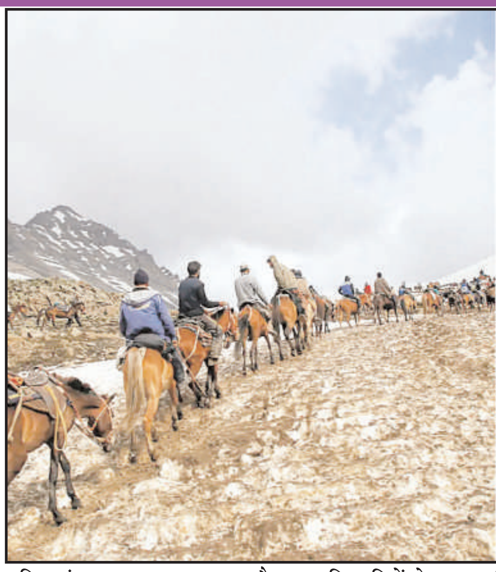

जम्मू। अमरनाथ यात्रा को लेकर प्रशासन और पुलिस ने तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा तेज कर दी है। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 57 दिनों तक चलेगी और 28 अगस्त यानि रक्षाबंधन को संपन्न होगी। यात्रा दो मार्गों पहलगाम (अनंतनाग) और बालटाल (गांदरबल) से संचालित होगी। सोमवार को जम्मू के डिविजनल कमिश्नर रमेश कुमार और आईजीपी जम्मू भीम सेन टूटी ने भगवती नगर बेस कैंप का दौरा किया और वहां चल रही तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर, आरएफआईडी सेंटर, स्वास्थ्य सुविधाएं, स्वच्छता, आवास और सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि भगवती नगर बेस कैंप में यात्रियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही सफाई, लंगर, पेयजल, बिजली, शौचालय और अन्य सुविधाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। डिविजनल कमिश्नर ने बताया कि 10 जून तक सभी कार्य पूरे करने का लक्ष्य रखा गया है। सुरक्षा एजेंसियों को ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी, क्यूआरटी तैनाती और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। आईजीपी जम्मू भीम सेन टूटी ने काठुआ, सांबा और लखनपुर क्षेत्रों में भी सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और अधिकारियों को हाईवे और सीमा क्षेत्रों में चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए। प्रशासन ने कहा है कि विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय से इस बार यात्रा को सुरक्षित और सुचारू रूप से संपन्न कराने की पूरी तैयारी की जा रही है।

आईजीपी ने किया रूट का निरीक्षण

वक्फ ट्रिब्यूनल में फीस विवाद पर कोर्ट ने उठाए सवाल

पूछा छूट की मांग का कानूनी आधार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई के दौरान वक्फ संस्थानों की मांग पर सवाल उठाए। कोर्ट ने पूछा कि राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही में वक्फ संस्थानों को कोर्ट फीस देने से छूट किस कानूनी आधार पर मिलनी चाहिए। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। यह पूरा मामला गुजरात हाई कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका से जुड़ा है। गुजरात हाई कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा था कि वक्फ संस्थानों को राज्य वक्फ ट्रिब्यूनल के सामने कोर्ट फीस देने से कोई छूट नहीं मिली है। फीस न भरने के कारण वक्फ से जुड़े कई मुकदमों को खारिज कर दिया गया था, जिसे हाई कोर्ट ने सही ठहराया था। याचिकाकर्ताओं की तरफ से वकील एजाज मकबूल कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने गुजरात हाई कोर्ट के दिसंबर 2025 के फैसले को चुनौती देने के लिए कुछ और दस्तावेज जमा करने का समय मांगा। इस दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने वकील से सीधा सवाल किया। उन्होंने पूछा कि आखिर फीस से छूट का दावा किस आधार पर किया जा रहा है? उन्होंने वकील से यह भी पूछा कि वह कौन सा कानून है जो आपको कोर्ट फीस से छूट मांगने की अनुमति देता है? वकील मकबूल ने जवाब दिया कि वे इस मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कोर्ट से इस सुनवाई को 7 अगस्त तक टालने का अनुरोध किया। इससे पहले 17 दिसंबर 2025 को गुजरात हाई कोर्ट ने वक्फ संस्थानों की कई याचिकाओं को खारिज कर दिया था। ये याचिकाएं वक्फ ट्रिब्यूनल के उन आदेशों के खिलाफ थीं, जिनमें पर्याप्त कोर्ट फीस न देने पर कार्यवाही को रद्द कर दिया गया था। हाई कोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि वक्फ अधिनियम की धारा 83 के तहत ट्रिब्यूनल में शुरू होने वाली कार्यवाही के लिए वक्फ संस्थानों को कोई पूरी छूट या माफी नहीं दी गई है।

कभी घरेलू सहायिका रही महिला बनीं मंत्री

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के गठन के बाद हुए पहले मंत्रिमंडल विस्तार में एक ऐसा नाम शामिल हुआ है, जिसकी कहानी संघर्ष, मेहनत और राजनीतिक उभार की मिसाल बन गई है। पूर्व बर्धमान जिले की आउसग्राम विधानसभा सीट से विधायक बनीं 32 वर्षीय कलिता माझी को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की कैबिनेट में मंत्री बनाया गया है। कभी चार घरों में खाना बनाने और साफ-सफाई का काम करने वाली कलिता माझी आज राज्य सरकार में मंत्री पद तक पहुंच गई हैं। घरेलू सहायिका के रूप में काम करते हुए वह हर महीने करीब 2500 रुपये कमाती थीं। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी थी, लेकिन उन्होंने हालात के आगे हार नहीं मानी। कलिता ने चुनाव प्रचार के लिए अपने काम से करीब डेढ़ महीने की छुट्टी ली थी। इस दौरान वह घर-घर जाकर लोगों से मिलीं, उनकी समस्याएं सुनीं और अपने लिए समर्थन मांगा। उनका सीधा जुड़ाव और जमीनी पहचान ही उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। कलिता माझी पिछले करीब दस वर्षों से भाजपा से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने राजनीति की शुरुआत बूथ स्तर की कार्यकर्ता के रूप में की थी। भाजपा ने उन्हें 2021 विधानसभा चुनाव में भी उम्मीदवार बनाया था, जहां उन्हें करीब 41 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन जीत नहीं मिली। इसके बावजूद पार्टी नेतृत्व ने उन पर भरोसा बनाए रखा और 2026 के चुनाव में दोबारा टिकट दिया। इस बार उन्होंने औसग्राम सीट से 12,535 वोटों के अंतर से जीत दर्ज कर विधानसभा पहुंचने का सपना पूरा किया। अब मंत्री बनकर उन्होंने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। कलिता माझी पूर्व बर्धमान जिले के मंगलकोट के काशेमनगर गांव की रहने वाली हैं। उनके परिवार में सात बहनें और एक भाई हैं। उनके पिता दिहाड़ी मजदूर थे और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। पति पेशे से प्लंबर हैं और उनका बेटा पार्थ आठवीं कक्षा में पढ़ता है।

बंगाल की नई कैबिनेट में कलिता माझी का संघर्षों भरा रहा है सफर

महाकाल दर्शन के नाम पर चल रहा साइबर फ्रॉड

होटल बुकिंग का झांसा देकर लगाते थे चूना

उज्जैन। बाबा श्री महाकाल के दर्शन के लिए देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को निशाना बनाने वाले साइबर ठगों पर उज्जैन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने महाकाल भक्त निवास, माधव सेवा न्यास और कई बड़े होटलों के नाम से चल रही 11 फर्जी वेबसाइटों को तत्काल बंद करवा दिया है।

पुलिस ने बंद करा दीं 11 फर्जी वेबसाइटें

दरअसल, साइबर अपराधी इंटरनेट पर नकली वेबसाइटें बनाकर श्रद्धालुओं को कमरे बुक करने का झांसा दे रहे थे।

एडवांस पेमेंट लेने के बाद जब श्रद्धालु परिवार के साथ उज्जैन पहुंचते थे, तब उन्हें ठगी का पता चलता था। इससे लोगों को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक परेशानी भी झेलनी पड़ रही थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर सेल ने तकनीकी जांच शुरू की। जांच में 11 फर्जी वेबसाइटें और लिंक सामने आए। इसके बाद पुलिस मुख्यालय भोपाल के माध्यम से आईटी एक्ट के तहत संबंधित कंपनियों को नोटिस भेजकर सभी साइटों को ब्लॉक करवा दिया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि ट्रिप एडवाइजर और जस्टडायल पर बने फर्जी लिंक्स को भी हटवा दिया गया है। याद रहे कि उज्जैन पुलिस ने श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने कहा कि होटल या भक्त निवास बुक करते समय सिर्फ अधिकृत वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें। किसी अज्ञात नंबर या संदिग्ध लिंक पर पेमेंट करने से पहले जानकारी को अच्छी तरह जांच लें। अगर कोई ठगी का शिकार होता है तो तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं।

धुत जीआरपी कर्मियों ने मैनेजर को पिलाई पेशाब

तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

सवाई माधोपुर। गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन स्थित एक कैंटीन के मैनेजर ने जीआरपी के अधिकारियों और पुलिसकर्मियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित का आरोप है कि कथित मासिक वसूली नहीं देने पर उसे जीआरपी थाने से जुड़े सरकारी क्वार्टर में बुलाकर बेरहमी से पीटा गया। इतना ही नहीं, एक अधिकारी पर शराब की बोतल में यूरिन भरकर पिलाने का भी आरोप लगाया गया है। मामला सामने आने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन पर संचालित कैंटीन के मैनेजर अजीत सिंह ने 29 मई को जयपुर जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में उन्होंने सीएमआई (कमर्शियल मैनेजमेंट इंस्पेक्टर) रवि मीणा, एएसआई भवानी शंकर, कांस्टेबल दिलीप कुमार मीणा और मस्तराम मीणा को नामजद किया है।

एक नजर

दोस्त की हत्या कर शव को एक्टिवा पर लेकर घूमे

सुनसान जगह पर फेंका, दो गिरफ्तार

अमृतसर। दोस्तों ने अपने एक अन्य साथी की गला घोटकर हत्या कर दी और इसके बाद शव को एक्टिवा पर लाद कर एक सुनसान जगह पर फेंक दिया। एक्टिवा पर ले जाते समय का पूरा घटनाक्रम इलाके में लगे सीसीटीवी में कैद हो गया। मृतक युवक का नाम सौरभ है और वह गुरु नानकपुरा इलाके का रहने वाला था। वह 27 मई से गायब था। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा है कि दो युवक एक अन्य युवक को अपने बीच बैठाकर दोपहिया वाहन पर ले जा रहे हैं। परिजनों के अनुसार सौरभ घर से निकलने के बाद वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस में भी शिकायत दर्ज करवाई थी। बाद में उसका शव बरामद हुआ। मृतक की मां परमजीत ने आरोप लगाया कि उनके बेटे की गला घोंटकर हत्या की गई। उनका कहना है कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहे कपड़े वही हैं, जिन्हें पहनकर सौरभ घर से निकला था। परिवार का आरोप है कि हत्या के बाद शव को एक्टिवा पर ले जाकर अमृतसर के एक इलाके में फेंक दिया गया। मामले की जांच कर रहे चौकी इंचार्ज हर्षण दीप सिंह ने कहा कि मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। इसके अलावा वायरल वीडियो की सत्यता और उससे जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और फरार आरोपियों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

विशेष कांवड़ लेकर लौट रहे युवक को मारी गोली

गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग लेकर था निकला

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र में गंगाजल लेकर ग्रेटर नोएडा लौट रहे एक कांवड़ यात्री को अज्ञात युवकों ने गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे ऋषिकेश एम्स रेफर कर दिया गया। पुलिस ने मौके से एक बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है और आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। घटना रविवार देर रात गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के निकट हाईवे किनारे हुई। पुलिस के अनुसार ग्रेटर नोएडा निवासी अजय अपने साथियों के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर पैदल लौट रहा था। देर रात होने पर उनका दल हाईवे किनारे विश्राम के लिए रुक गया। इसी दौरान हाईवे के ऊपर बने पुल पर मौजूद कुछ युवकों और कांवड़ियों के बीच कहासुनी हो गई। पुल पर मौजूद युवक शोर-शराबा कर रहे थे। कांवड़ियों ने उन्हें शांत रहने को कहा तो दोनों पक्षों में विवाद हो गया। आरोप है कि कुछ देर बाद युवक नीचे आए और कांवड़ियों के पास पहुंच गए। इसी दौरान एक युवक ने अजय पर फायर झोंक दिया। गोली उसके कंधे में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर लेकर निकला था। गोली चलने की आवाज सुनते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए ऋषिकेश एम्स रेफर कर दिया। बताया गया है कि अजय जिस दल के साथ यात्रा कर रहा था, वह गाय को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर 221 लीटर गंगाजल की विशेष कांवड़ लेकर हरिद्वार से नोएडा जा रहा था। दल में करीब दस सदस्य शामिल थे और उन्हें लगभग 240 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी करनी थी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। हालांकि जल्दबाजी में वे अपनी एक बुलेट मोटरसाइकिल वहीं छोड़ गए, जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है।

आस्था का सैलाब : बांके बिहारी मंदिर में उमड़ी भीड़

मथुरा। वृंदावन में अधिकमास की पूर्णिमा पर ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर सहित वृंदावन में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि समूची व्यवस्थाएं बिखर गईं। भीड़ में एक महिला व युवक बेहोश हो गए। वहीं अनेक श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही लौट गए। हर तीन वर्ष में आने वाले पुरुषोत्तम मास में दर्शन, पूजन और दान-पुण्य का महत्व है। रविवार की छुट्टी और स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश होने के चलते सुबह से ही मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। आस्था का आलम यह था कि भक्त अपने आराध्य की झलक पाने के लिए भीषण गर्मी के बीच एक किलोमीटर से भी अधिक लंबी कतारों में घंटों इंतजार करते नजर आए। भीड़ के कारण मंदिर को जोड़ने वाली सभी संकरी गलियां और मुख्य रास्ते पूरी तरह चोक नजर आए। गेट संख्या 5 पर हालात इस कदर हो गए कि दूर तक की गलियों में केवल लोगों के सिर दिखाई दे रहे थे। भीड़ के भारी दबाव के चलते कई श्रद्धालुओं, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की चीखें निकल गईं। त्रस्त होकर हजारों श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही लौट गए। मंदिर परिसर में बने रेलिंग चक्र के भीतर भीड़ के अत्यधिक दबाव और उमस के कारण एक महिला श्रद्धालु बेहोश होकर गिर पड़ी। महिला के अचेत होते ही परिसर में खलबली मच गई। इस दौरान महिला को उठाने या त्वरित प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए मौके पर कोई स्वास्थ्यकर्मी या प्रशासनिक अधिकारी उपलब्ध नहीं था। परिजन ने किसी तरह भीड़ के बीच ही उसे संभाला और ठंडा पानी पिलाकर होश में लाने का प्रयास किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वहीं शाम को मंदिर मार्ग पर एक युवक बेहोश हो गया। परिजन ने उसे किसी तरह संभाला। श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों का कहना है कि त्योहारों और विशेष अवसरों पर मंदिर में बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन को पहले से पुख्ता योजना बनानी चाहिए थी। भीषण गर्मी को देखते हुए न तो रास्तों में पर्याप्त पानी के टैंकरों की व्यवस्था थी और न ही जगह-जगह मेडिकल कैंप लगाए गए थे। अलीगढ़ से आए विवेक ने कहा है कि वह तो भीड़ से परेशान होकर लौटकर जा रहे हैं।

जाम हो गईं वृंदावन की गलियां

श्रद्धालुओं की बिगड़ गई हालत

प्रेमी संग मिलकर पत्थर से कुचला पति का सिर

पुलिस ने 24 घंटे में कर दिया पर्दाफाश

उज्जैन। उन्हेल थाना पुलिस ने एक दिन पहले हुए अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए किसान भारत सिंह राजपूत की हत्या के मामले में 24 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर हत्या की साजिश रची थी। आरोपी ने खेत में शराब पार्टी के बहाने भारत सिंह को बुलाया और पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार 30 मई की सुबह ग्राम पिपलियाडाबी में भारत सिंह राजपूत का रक्तरंजित शव उसके खेत में मिला था। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी संतोष चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत होने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) आलोक कुमार शर्मा और सीएसपी नागदा विक्रम अहिरवार के मार्गदर्शन में पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और मुखबिर तंत्र की मदद से जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान संदेह मृतक की पत्नी सोनाकंवर और गांव निवासी जितेंद्र सिंह पर गया। दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो पूरे घटनाक्रम का खुलासा हो गया। पुलिस के अनुसार सोनाकंवर और जितेंद्र सिंह के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध थे। मृतक भारत सिंह शराब के नशे में अक्सर विवाद करता था और जमीन बेचने की बात भी कर रहा था। इसी कारण दोनों ने उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई। योजना के तहत 29 मई की रात करीब 10 बजे जितेंद्र सिंह भारत सिंह को शराब पीने के बहाने खेत पर ले गया। वहां मौका पाकर उसने खेत में पड़े भारी पत्थर से उसके सिर पर कई वार किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

80 किलो की डमी लेकर सीबीआई ने किया सीन रि-क्रिएट गिरीबाला व समर्थ को भी रखा साथ

त्विषा को इंसाफ कब?

भोपाल। राजधानी भोपाल के हाई प्रोफाइल त्विषा शर्मा केस की जांच कर रही सीबीआई ने सोमवार को मामले से जुड़े घटनाक्रम का एक बार फिर रि-क्रिएशन किया। जांच एजेंसी आरोपी पति समर्थ सिंह और सास, सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरीबाला सिंह को लेकर बागमुगालिया एक्सटेंशन स्थित उनके घर पहुंची। इस दौरान सीबीआई ने 80 किलो वजन की डमी का इस्तेमाल कर घटना की परिस्थितियों को दोबारा समझने का प्रयास किया। सीबीआई की टीम सोमवार दोपहर करीब 12 बजे दोनों आरोपियों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर कटारा हिल्स थाना पुलिस ने पहले से ही घर के बाहर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी थी।

जांच के दौरान अधिकारियों ने घर की छत पर बने उस एंगल का निरीक्षण किया, जहां त्विषा शर्मा कथित तौर पर फंदे पर लटकी मिली थीं। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार त्विषा का वजन करीब 80 किलो था। इसी आधार पर सीबीआई टीम 80 किलो वजनी डमी लेकर पहुंची और उसे उसी स्थान पर फंदे से लटकाकर पूरे घटनाक्रम का रि-क्रिएशन किया। सीबीआई ने समर्थ सिंह और गिरीबाला सिंह द्वारा पहले पुलिस एवं जांच एजेंसी को दिए गए बयानों के आधार पर घटनाक्रम को दोहराया। जांच के दौरान यह भी देखा गया कि फंदे से शव को किस प्रकार नीचे उतारा गया था और उस समय कौन-कौन लोग मौजूद थे। जांच एजेंसी के अनुसार समर्थ सिंह ने अपने बयान में कहा है कि उसने त्विषा के साथ किसी प्रकार की मारपीट नहीं की थी। उसका दावा है कि शरीर पर आई चोटें फंदे से नीचे उतारने और अस्पताल ले जाने की जल्दबाजी के दौरान लगी हो सकती हैं। वहीं सीबीआई का फोकस पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दर्ज चोटों और घटनास्थल की परिस्थितियों के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर रहा। सूत्रों के अनुसार रि-क्रिएशन के दौरान भी जांच अधिकारियों को यह स्पष्ट नहीं हो सका कि त्विषा के शरीर पर पाई गईं कई चोटें किस परिस्थिति में लगीं। इसी बिंदु को लेकर सीबीआई ने समर्थ सिंह और गिरीबाला सिंह से दोबारा पूछताछ की है। जांच एजेंसी अब घटनास्थल मेडिकल रिपोर्ट और आरोपियों के बयानों का मिलान कर मामले की अंतिम कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई है। गौरतलब है कि त्विषा शर्मा मौत मामला प्रदेश के चर्चित मामलों में शामिल है और इसकी जांच फिलहाल सीबीआई कर रही है। एजेंसी मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

सबूतों के अभाव में 19 साल बाद आरोपी बरी

जम्मू। स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) बलदेव सिंह की हत्या के 19 साल पुराने मामले में एकमात्र जिंदा बचे आरोपी को बरी कर दिया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, डोडा अर्चना चाड़क की अदालत ने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपी की पहचान करने या उसे हमले से जोड़ने वाला कोई भी सबूत पेश करने में विफल रहा। मामले में आरोपी जमील अहमद निवासी डोडा पर आरपीसी की धारा 302 और 307 के साथ ही शस्त्र अधिनियम की धारा 7/27 के तहत 2007 में एफआईआर दर्ज की गई थी। अभियोजन के अनुसार पांच अगस्त, 2007 को मरमत के सेरी टॉप इलाके में तलाशी अभियान चला रही पुलिस की एक गश्ती टीम पर आतंकियों ने गोलीबारी कर दी थी। इस हमले में एसपीओ बलदेव सिंह की मौत हो गई थी, जबकि हमलावर उनकी एसएलआर राइफल, दो मैगजीन और 80 जिंदा कारतूस अपने साथ ले गए थे। जांच के दौरान मामले में आजाद हुसैन, जमील अहमद और कफायतुल्ला को आरोपी बनाया गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान आजाद हुसैन और कफायतुल्ला की मृत्यु हो जाने के कारण उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाही समाप्त हो गई। मामले को सबूतों के अभाव की श्रेणी में मानते हुए अदालत ने सीआरपीसी की धारा 342 के तहत जांच की आवश्यकता समाप्त करते हुए आरोपी को बरी कर दिया। अभियोजन पक्ष ने 12 गवाहों की गवाही दर्ज कराई थी। इनमें गश्ती टीम के सदस्य, मृतक के रिश्तेदार, शव का पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर और दो जांच अधिकारी शामिल थे। इनमें से कोई भी गवाह जमील अहमद की पहचान हमलावरों में से एक के रूप में नहीं कर सका। प्रारंभिक जांच अधिकारी ने जिरह के दौरान अदालत को बताया कि आतंकवादियों के नाम उनके अपने अनुमान पर आधारित थे। जांच के दौरान ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया। उन्होंने स्वीकार किया कि घटनास्थल से कोई खाली कारतूस भी जब्त नहीं किया गया।

पहचान साबित नहीं कर सका अभियोजन

मालवा के कई इलाकों में आंधी इंदौर में 150 से ज्यादा पेड़ गिरे

इंदौर। मध्य प्रदेश के मालवा इलाके में सोमवार दोपहर अचानक मौसम बदल गया। कई इलाकों में तेज आंधी चली। इंदौर में कई पेड़ धराशायी हो गए तो देवास में भी धूल भरी हवा से लोग बेहाल हो गए। उज्जैन में भी मौसम बदल गया है। वहां भी आंधी का असर देखा गया।

देवास-उज्जैन समेत कई शहर प्रभावित

इंदौर में ज्यादा नुकसान

इंदौर में आंधी का असर ज्यादा देखा गया। डेढ़ सौ से ज्यादा पेड़ गिरे। इसके अलावा कई टीन शेड भी उड़ गए। दस मिनट तक लोग जहां थे, वहीं खड़े रहे। न्याय नगर में ट्रैफिक सिग्नल भी गिरा। शहर में कई जगह धूल का गुबार भी उठता रहा। गौरी नगर में तीन पेड़ गिरे साथ ही बिजली खंभा गिरा, परदेशीपुरा के रेडीमेड कॉम्प्लेक्स के पास पेड़ गिरा, राजवाड़ा अहिल्या प्रतिमा के पास भी 2 पेड़ गिरे, हवाओं का दौर थमने के बाद ट्रैफिक भी बिगड़ गया।

बिजली के खंभे गिरने से शहर में ब्लैकआउट

इंदौर में आज दोपहर 3 बजे के बाद मौसम ने अचानक करवट ली। भीषण गर्मी और उमस के बीच अचानक आई तेज आंधी और बारिश ने पूरे शहर को अस्त-व्यस्त कर दिया है। महज कुछ ही मिनटों में आई इस आंधी बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया। तेज हवाओं के चलते शहर के कई इलाकों में पेड़, बिजली के खंभे और घरों के शेड उखड़ने की खबरें आ रही हैं। लगभग 50 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार से चली हवाओं ने शहर को अस्त व्यस्त कर दिया। शहर के 25 से अधिक इलाकों में 3 बजे बाद से बिजली पूरी तरह गुल है। मुख्य मार्गों पर पेड़ गिरने से कई जगह लंबा जाम लग गया है। कई घरों और दुकानों के टीन शेड हवा में उड़ गए; कुछ वाहनों पर पेड़ गिरने से वे क्षतिग्रस्त हो गए।

शेयर बाजार लगातार चौथे दिन फिसला, सेंसेक्स 508 अंक गिरा, निफ्टी 23400 से नीचे पहुंचा

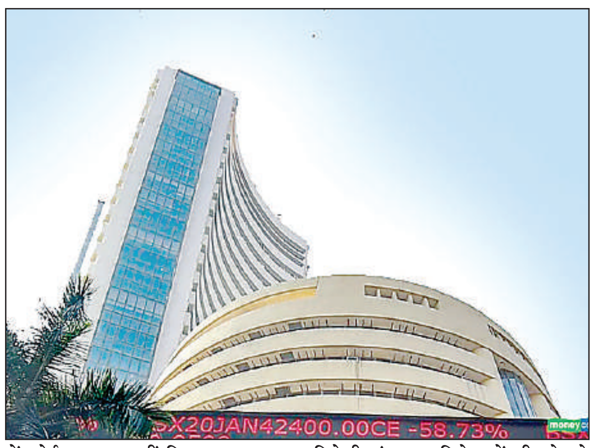

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बड़ा उतार-चढ़ाव दिखा। सोमवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत होने के बावजूद बेंचमार्क सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 508.40 अंक या 0.67त्न तक टूटकर 74,267.34 के स्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में सेंसेक्स में 1,164.25 अंकों का भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। दूसरी ओर, निफ्टी 165.16 (-0.70त्न) अंक फिसलकर 23,382.60 पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 94.97 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान एचयूएल और श्रीराम फाइनेंस जैसे शेयरों में लगभग तीन प्रतिशत की गिरावट दिखी। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन एनएसई पर सूचीबद्ध शेयरों में 2,201 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए, वहीं 1151 शेयरों में बढ़ दर्ज की गई। 99 शेयरों में कोई बदलाव नहीं दिखा।

चार दिन में बड़ा नुकसान

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को आई कमजोरी का प्रमुख कारण अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष से जुड़ा रोज नया अपडेट आना है। इन अपडेट्स का असर कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों पर पड़ता है और इससे निवेशकों का रुझान प्रभावित होता है। विदेशी संस्थागत निवेशकों की ओर से जारी लगातार बिकवाली और बॉन्ड यील्ड्स में बढ़ोतरी ने भी बाजार का माहौल खराब किया। अगर पिछले चार दिनों के आंकड़ों पर नजर डालें, तो निवेशकों की भारी पूंजी डूब चुकी है। इन चार दिनों में सेंसेक्स कुल 2,221.62 अंकों (2.90त्न) और निफ्टी 649.1 अंकों (2.70त्न) की भारी गिरावट दर्ज कर चुका है।

गिरावट के मुख्य कारण

बाजार में आई इस सुनामी की सबसे बड़ी वजह अमेरिका और ईरान के बीच ताजा सैन्य संघर्ष है।

भू-राजनीतिक तनाव- अमेरिका ने सप्ताहांत में ईरान द्वारा एक अमेरिकी ड्रोन गिराए जाने के बाद पलटवार करते हुए ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर बमबारी की है। इसके जवाब में ईरान ने भी हमले किए हैं और कुवैत में भी गोलीबारी की खबरें हैं। इसके साथ ही इस्राइल और लेबनान के बीच भी सीमा पर तनाव बढ़ गया है। महंगा कच्चा तेल- इस युद्ध के चौथे महीने में प्रवेश करने और कच्चे तेल के अहम मार्ग %होर्मुज जलडमरूमध्य% के बंद रहने की वजह से वैश्विक तेल आपूर्ति पर संकट मंडरा रहा है। इसके चलते ब्रेंट क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) 3.34 प्रतिशत की जोरदार उछाल के साथ 94.16 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगा क्रूड एक बड़ा आर्थिक खतरा है।

पावर, रियल्टी और एफएमसीजी में भारी बिकवाली

इस घबराहट के माहौल में निवेशकों ने चौतरफा मुनाफावसूली की है। व्यापक बाजार में भी मायूसी छाई रही; बीएसई मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 1.44 प्रतिशत और स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स में 0.72 प्रतिशत की गिरावट आई। बीएसई पर 2,761 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सिर्फ 1,589 शेयर ही बढ़त बना सके। गिरने वाले शेयर- सेक्टोरल आधार पर देखें तो पावर सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.90त्न की गिरावट रही। इसके अलावा कैपिटल गुड्स, यूटिलिटीज, इंडस्ट्रियल्स, रियल्टी और एफएमसीजी सेक्टर भी 2त्न से अधिक टूट गए। हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक और बजाज फाइनेंस सेंसेक्स के टॉप लूजर्स रहे।

सोना 864 गिरकर 1.56 लाख का 10 ग्राम हुआ, चांदी आज 450 सस्ती होकर 2.63 लाख किलो हुई

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 1 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (ढ्ढक्चछ्व) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम आज 864 रुपए गिरकर 1.56 लाख रुपए हो गया है। 1 किलो चांदी की कीमत 450 रुपए कम होकर 2.63 लाख रुपए पर आ गई है।

सोने की कीमतों का सफर 1.76 लाख से 1.56 लाख तक- सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025)1.33 लाख। ऑलटाइम हाई (29 जनवरी 2026)1.76 लाख। मौजूदा स्थिति- अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 20 हजार सस्ता हो चुका है। चांदी की कीमतों में क्रैश 3.86 लाख से 2.63 लाख तक। चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑलटाइम हाई से काफी नीचे आई है। शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025)- ?2.30 लाख। ऑलटाइम हाई (29 जनवरी 2026)- ?3.86 लाख। गिरावट का आंकड़ा- पिछले 123 दिन में चांदी ?1.23 लाख सस्ती हो गई है।

गिरावट के मुख्य कारण- मेटल छोड़कर कैश पर भरोसा- आमतौर पर जंग के माहौल में सोने-चांदी के दाम बढ़ते हैं, लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग है

कैश की बचत- मिडिल ईस्ट जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर %कैश% इकट्ठा कर रहे हैं ताकि अनिश्चितता के समय उनके पास लिक्विड मनी रहे।

प्रॉफिट बुकिंग- जनवरी में कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं, इसलिए बड़े निवेशकों ने ऊंचे दामों पर अपनी होल्डिंग बेचना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में सप्लाई बढ़ गई और कीमतें गिर गईं।

कैश पीछे छूटा, डिजिटल ने तोड़े सारे रिकॉर्ड

एक महीने में यूपीआई से 23 अरब लेनदेन

नई दिल्ली। क्यूआर कोड स्कैन करो और पेमेंट हो गया- यह वाक्य अब हर भारतीय की रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा बन चुका है। चाय की टपरी से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल्स और हवाई सफर तक, हर जगह यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई का दबदबा साफ नजर आता है। भारत के इस स्वदेशी डिजिटल पेमेंट सिस्टम ने अब एक नया और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए मई 2026 में नया इतिहास रच दिया है।

1. अभी की सबसे बड़ी और ताजा खबर क्या है- नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा जारी किए गए नए आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में यूपीआई के जरिए होने वाले लेनदेन ने वॉल्यूम (कुल संख्या) और वैल्यू (कुल रकम) दोनों ही पैमानों पर एक नया शिखर छू लिया है। मई के महीने में कुल 23.2 बिलियन (2,320 करोड़) बार यूपीआई से पेमेंट किया गया, जिनकी कुल कीमत 29.90 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। **2. अचानक इस रिकॉर्ड-तोड़ उछाल के पीछे मुख्य वजहें क्या रही हैं-** बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यह वृद्धि ठोस मांग पर आधारित है। कैशफ्री पेमेंट्स के सह-संस्थापक और सीईओ आकाश सिन्हा के अनुसार, मई के ये शानदार आंकड़े बाजार की मजबूत और स्वाभाविक मांग को दर्शाते हैं। गर्मी की छुट्टियों के दौरान लोगों का जमकर सफर करना, आईपीएल 2026 का बुखार और इस दौरान मौसमी चीजों पर बढ़ने वाला उपभोक्ता खर्च इस भारी लेनदेन के सबसे बड़े कारण रहे हैं। उनके मुताबिक, यह महीने-दर-महीने एक शानदार रिकवरी है और यूपीआई के लगातार ऊपर जाने के ट्रेंड को दिखाती है।

3. अगर हम पिछले आंकड़ों और साल-दर-साल से तुलना करें तो यह ग्रोथ कितनी बड़ी है? आंकड़ों पर गौर करें तो यह बढ़ोतरी बहुत स्पष्ट नजर आती है। पिछले महीने यानी अप्रैल 2026 में यूपीआई लेनदेन का मूल्य 29.03 लाख करोड़ रुपये था, और कुल 22.35 बिलियन लेनदेन हुए थे। अगर हम साल-दर-साल के आधार पर देखें तो एक साल पहले के समान महीने में (अप्रैल) लेनदेन की वैल्यू 25.14 लाख करोड़ रुपये थी, जो सालाना आधार पर 19 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि दिखाती है। वहीं वॉल्यूम के मोर्चे पर, इस बार के 23.2 बिलियन लेनदेन ने भी पिछले साल की इसी अवधि के 18.67 बिलियन लेनदेन के मुकाबले 24 प्रतिशत का बड़ा उछाल दर्ज किया है।

4. रिपोर्ट के मुताबिक यूपीआई का औसत टिकट साइज घट रहा है, इसका क्या मतलब है- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की पेमेंट्स सिस्टम्स रिपोर्ट इस बात की तस्दीक करती है कि यूपीआई का औसत टिकट साइज (प्रति लेनदेन की औसत रकम), साल 2021 के 1,848 रुपये से घटकर साल 2025 में 1,313 रुपये हो गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि अब आम लोग बड़ी खरीदारी के साथ-साथ छोटी-छोटी चीजों (जैसे किराना, सब्जी या चाय) के लिए भी नकद के बजाय डिजिटल पेमेंट का खूब इस्तेमाल कर रहे हैं।

5. क्या प्रति लेनदेन औसत रकम का गिरना किसी चिंता का विषय है? बिल्कुल नहीं। आकाश सिन्हा का स्पष्ट मानना है कि औसत टिकट साइज का गिरना चिंता की बात नहीं, बल्कि वास्तव में एक परिपक्व होते डिजिटल इकोसिस्टम का मजबूत संकेत है। यह बताता है कि यूपीआई प्रणाली अब आम आदमी के वित्तीय व्यवहार में पूरी तरह रम चुकी है और यह सिस्टम अपनी परिपक्वता के दौर में पहुंच गया है।

6. यूपीआई का संचालन कौन करता है और अर्थव्यवस्था में इसका क्या रोल है-यूपीआई का संचालन भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा किया जाता है। एनपीसीआई असल में भारतीय रिजर्व बैंक और इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) की एक संयुक्त पहल है। यह भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणालियों के संचालन के लिए एक अम्ब्रेला संगठन है। यह ग्राहकों के बीच और व्यापारियों के स्तर पर रियल-टाइम (तत्काल) पेमेंट सुनिश्चित करता है, जिससे अर्थव्यवस्था में पैसे का प्रवाह बिना किसी बाधा के बहुत तेज हो जाता है।

मेक इन इंडिया को रफ्तार, अब 400 केवी सिस्टम पर काम शुरू

नई दिल्ली। टीटीडीआई के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक हिरोशी फुरुता ने बताया कि तोशिबा की उन्नत तकनीक और स्थानीय इंजीनियरिंग से तैयार यह सिस्टम सरकार के मेक इन इंडिया मिशन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कॉम्पैक्ट सिस्टम आपदा-प्रतिक्रिया, नवीकरणीय ऊर्जा डेवलपर्स और बिजली वितरण कंपनियों के लिए बेहद उपयोगी है, जिसे चुनौतीपूर्ण रास्तों पर आसानी से लाकर तुरंत ग्रिड से जोड़ा जा सकता है। इस सफलता के बाद कंपनी अब 400 केवी एम-जीआईएस सिस्टम विकसित करने के अंतिम चरण में है, जिसकी डिलीवरी इसी वर्ष के अंत तक होने की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश बना देश में ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट का नया हब, वैश्विक बाजारों में धूम

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश क्रॉस-बॉर्डर ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट के मामले में देश के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक बनकर उभरा है। राज्य के हजारों एमएसएमई, पारंपरिक कारीगर और औद्योगिक क्लस्टर डिजिटल मार्केटप्लेस के जरिए सीधे दुनिया भर के ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं।

यूपी एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी 2025-2030, बेहतर बुनियादी ढांचे और मजबूत पॉलिसी सपोर्ट के कारण राज्य का निर्यात जो साल 2017-18 में 86,000 करोड़ रुपये था, वह एमएसएमई और ओडीओपी (ह्रष्ठह्रक्क) अभियानों की मदद से रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

वर्तमान में अमेजन ग्लोबल सेलिंग जैसे कार्यक्रमों के तहत राज्य के 25,000 से अधिक सेलर्स अमेरिका, यूरोप और मिडिल ईस्ट जैसे वैश्विक बाजारों में अपने उत्पाद बेच रहे हैं।

भारत में मई में बढ़ा कारोबार, तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंचा ग्रोथ रेट, उत्पादन और ऑर्डर दोनों बढ़े

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) क्षेत्र में मई के दौरान गतिविधियों की रफ्तार तेज हुई और यह तीन महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। मजबूत घरेलू मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में तेजी और नए कारोबार के बढ़ने से उत्पादन गतिविधियों को मजबूती मिली। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण बढ़ती महंगाई और लागत दबाव उद्योग के लिए चुनौती बने हुए हैं।

कितना बढ़ा पीएमआई- सोमवार को जारी एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (क्क्रूढ्ढ) के अनुसार, मई में सूचकांक बढ़कर 55.0 पर पहुंच गया, जो अप्रैल में 54.7 था। यह पिछले तीन महीनों में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की सबसे मजबूत वृद्धि को दर्शाता है। पीएमआई 50 के स्तर से ऊपर होने पर क्षेत्र में विस्तार और 50 से नीचे रहने पर संकुचन का संकेत देता है। यह सूचकांक नए ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार, आपूर्ति समय और खरीद स्टॉक जैसे प्रमुख संकेतकों के आधार पर तैयार किया जाता है।

किन कारणों से हुई वृद्धि- सर्वेक्षण के अनुसार, मई में नए ऑर्डर और उत्पादन दोनों में फरवरी के बाद सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई। कंपनियों ने इसके पीछे मजबूत मांग, इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं से मिलने वाले ऑर्डर और नए कारोबार को प्रमुख कारण बताया।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मई के आंकड़े संकेत देते हैं कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कंपनियां एहतियात के तौर पर अतिरिक्त स्टॉक जमा कर रही हैं। उत्पादन वृद्धि तेज हुई है, वहीं खरीद गतिविधियों और तैयार माल के भंडार में भी तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

सर्वेक्षण में क्या आया सामने?

सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि को मुख्य रूप से घरेलू बाजार से समर्थन मिला, जबकि निर्यात ऑर्डरों में वृद्धि हुई, लेकिन उसकी रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी रही। दूसरी ओर, ऊर्जा, ईंधन, कच्चे माल और परिवहन लागत बढ़ने से कंपनियों पर लागत का दबाव बना रहा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का असर लागत पर स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। हालांकि, इनपुट लागत मुद्रास्फीति में अप्रैल की तुलना में थोड़ी नरमी आई, जबकि तैयार उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की रफ्तार और अधिक धीमी हुई। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे कंपनियों के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है।

लागत बढ़ने के बावजूद कंपनियों ने खरीद बढ़ाई

लागत बढ़ने के बावजूद कंपनियों ने मई में कच्चे माल की खरीद बढ़ाई। खरीद गतिविधियों की वृद्धि दर पिछले तीन महीनों में सबसे तेज रही और यह दीर्घकालिक औसत से भी ऊपर रही। कंपनियां संभावित जोखिमों को देखते हुए अतिरिक्त स्टॉक तैयार करने में जुटी रहीं।

रोजगार सृजन को लेकर क्या आया सामने?

बढ़ते उत्पादन की जरूरतों के कारण विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन भी जारी रहा। हालांकि, अप्रैल की तुलना में नई भर्तियों की रफ्तार कुछ धीमी रही, लेकिन कुल मिलाकर रोजगार में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। कारोबारी भरोसा भी सकारात्मक बना हुआ है। कंपनियों को उम्मीद है कि वर्ष के आगे के महीनों में लागत संबंधी दबाव कम होंगे।

मई में 3.2 फीसदी बढ़ा जीएसटी कलेक्शन 1.94 लाख करोड़ रुपये के पहुंचा पार

नई दिल्ली। देश का सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह मई में 3.2 प्रतिशत बढ़कर 1.94 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया।

फिर सरकार का क्यों हुआ नुकसान

सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। मई 2025 में सकल जीएसटी संग्रह 1.88 लाख करोड़ रुपये था। मई 2026 में घरेलू लेनदेन से केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) संग्रह 37,397 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) संग्रह 45,143 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) संग्रह 51,990 करोड़ रुपये रहा।

घरेलू मांग में दिखा मजबूती का संकेत- रिपोर्ट के अनुसार, कर योग्य वस्तुओं की आपूर्ति में 26.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो घरेलू मांग में मजबूती का संकेत है। वहीं, सेवाओं की कर योग्य आपूर्ति 22.2 प्रतिशत बढ़ी, जो घरेलू खपत की मजबूती को दर्शाती है। मई के दौरान आयात से प्राप्त आईजीएसटी संग्रह 19.1 प्रतिशत बढ़कर 59,654 करोड़ रुपये हो गया। इसे औद्योगिक क्षमता में विस्तार का संकेत माना जा रहा है।

इस अवधि में जीएसटी रिफंड 2.6 प्रतिशत बढ़कर 27,281 करोड़ रुपये रहा। रिफंड समायोजित करने के बाद मई में शुद्ध जीएसटी राजस्व 3.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.67 लाख करोड़ रुपये हो गया। इससे पहले अप्रैल में जीएसटी संग्रह 2.43 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

मई में कलेक्शन बढ़ा, फिर कैसे हुआ सरकार का घाटा- अप्रैल 2026 के जीएसटी कलेक्शन के आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए तो मई महीने में हुए जीएसटी कलेक्शन में सरकार को सीधे तौर पर घाटा हुआ है। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया संघर्ष से उपजे माहौल के चलते जीएसटी कलेक्शन पर यह असर पड़ा है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशहित में सोना न खरीदने जैसी अपील का भी इस पर असर पड़ा है।

भारत में जी एंटरटेनमेंट पर दिखेगा फीफा वर्ल्ड कप

टीवी पर युनाइट 8 स्पोर्ट्स और जी5 एप पर लाइव स्ट्रीमिंग होगी

11 जून से टूर्नामेंट शुरू होगा

नई दिल्ली। भारत में फीफा वर्ल्ड कप 2026 टीवी पर युनाइट 8 स्पोर्ट्स और जी5 एप पर देख सकेंगे। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेस लिमिटेड ने वर्ल्ड कप 2026 और इसके आगामी एडिशन को भी ऑफिशियल ब्रॉडकास्ट करेगा। युनाइट 8 स्पोर्ट्स कंपनी का नया स्पोर्ट्स चैनल है। फीफा वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में 48 टीमें हिस्सा लेंगी और 104 मैच खेले जाएंगे। जी एंटरटेनमेंट ने घोषणा की है कि उसने 2026 और 2030 के फीफा मेंस वर्ल्ड कप, 2027 के फीफा विमेंस वर्ल्ड कप और 2034 तक होने वाले अन्य प्रमुख फीफा इवेंट्स के मीडिया राइट्स हासिल कर लिए हैं। इसमें भारतीय मार्केट के लिए डॉक्यूमेंट्री-सीरीज कंटेंट भी शामिल है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ब्रॉडकास्ट राइट्स की यह घोषणा टूर्नामेंट शुरू होने से दो हफ्ते से भी कम समय पहले की गई है। टाइम जोन के अंतर की वजह से भारत में अधिकांश मैचों का लाइव टेलीकास्ट आधी रात के बाद शुरू होगा। इस वजह से भारतीय ब्रॉडकास्टर्स दिलचस्पी नहीं ले रहे थे।

1 जून से क्या-क्या बदल गया?

यूपीआई, कार, टैक्स और सोलर पैनल से जुड़े पांच बड़े बदलाव

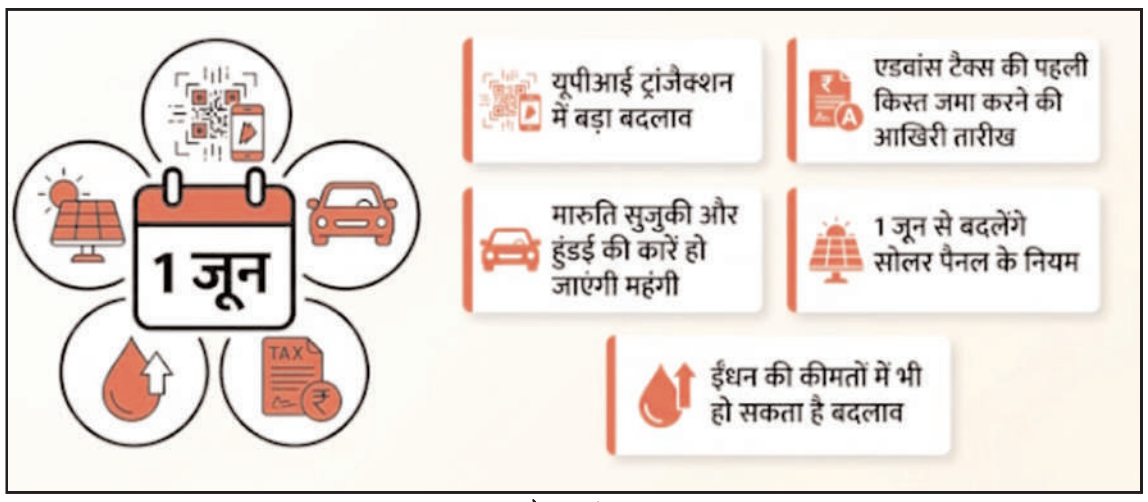

नई दिल्ली। जून महीने की शुरुआत के साथ आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और फाइनेंशियल प्लानिंग से जुड़े कई बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं। इन बदलावों का असर गैस सिलेंडर की कीमतों से लेकर डिजिटल पेमेंट और बैंकिंग सेवाओं तक दिखाई देगा। ऐसे में 1 जून से पहले इन बदलावों को जानना जरूरी है।

यूपीआई ट्रांजैक्शन में बड़ा बदलाव- यूपीआई ट्रांजैक्शन में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। एक जून से जिस किसी को भी आप यूपीआई से पैसे ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा। यूपीआई का परिचालन करने वाली सरकारी एजेंसी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) की ओर से यह कदम धोखाधड़ी को कम करने के लिए उठाया गया है।

एडवांस टैक्स की पहली किस्त जमा करने की आखिरी तारीख

टैक्सपेयर्स के लिए 15 जून अहम तारीख होगी क्योंकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एडवांस टैक्स की पहली किस्त जमा करने की आखिरी तारीख यही है। जिन लोगों की अनुमानित टैक्स देनदारी 10,000 रुपए से अधिक है, उन्हें कुल एडवांस टैक्स का 15 प्रतिशत जमा करना होगा, अन्यथा ब्याज देना पड़ सकता है।

मारुति सुजुकी और हुंडई की कारें हो जाएंगी महंगी- एक जून से मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया जैसी कार कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी का एलान किया है। मारुति सुजुकी जून से अपने सभी मॉडल्स की कीमतें 30,000 रुपए तक बढ़ा रही है। बढ़ोतरी मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग होगी। कंपनी ने बढ़ती इनपुट लागत और महंगाई को वजह बताया है। वहीं, हुंडई मोटर इंडिया ने भी अपने पूरे पोर्टफोलियो की कीमतें 12,800 रुपए तक बढ़ाने का ऐलान किया है। इसकी वजह कंपनी ने कच्चे माल, कमोडिटी और ऑपरेशनल कॉस्ट बढ़ने को बताया है।

1 जून से बदलेंगे सोलर पैनल के नियम- 1 जून 2026 से सोलर पैनल लगाने के नियम सख्त हो जाएंगे। सरकार ने तय किया है कि सरकारी योजनाओं, सब्सिडी वाले सोलर प्रोजेक्ट्स और नेट-मीटरिंग से जुड़े सिस्टम में अब केवल उन्हीं सोलर पैनल और सोलर सेल का इस्तेमाल किया जा सकेगा, जो सरकार की स्वीकृत सूची (ड्डरूरू) में शामिल हैं। 1 जून 2026 के बाद सरकारी योजनाओं में सिर्फ ड्डरूरू में शामिल कंपनियों के सोलर पैनल और सेल ही लगाए जा सकेंगे।

ईंधन की कीमतों में भी हो सकता है बदलाव- इसके अलावा, सरकार द्वारा हर महीने की एक तारीख को पेट्रोल और डीजल एंव एलपीजी की कीमतों की समीक्षा की जाती है। ऐसे में एक जून को ईंधन की कीमतों में भी बदलाव देखने को मिल सकता है।

आईसीसी बोर्ड की बैठकः टेस्ट और टी20 में बड़े बदलावों को मंजूरी, कोचिंग नियमों से पिंक बॉल ट्रायल तक अहम फैसले

अब टेस्ट मैच के बीच में बदल जाएगा गेंद का रंग, रेड बॉल की जगह पिंक का होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सोमवार को अहमदाबाद में हुई बोर्ड बैठक में क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों को मंजूरी दी गई। बैठक में खिलाड़ियों, कोचों और मैच अधिकारियों से संबंधित नियमों में बदलाव के साथ-साथ टेस्ट क्रिकेट में पिंक बॉल के उपयोग के नए ट्रायल को भी हरी झंडी दी गई।
आईसीसी बोर्ड ने खेल की परिस्थितियों में संशोधन को मंजूरी देते हुए यह फैसला किया है कि अब हेड कोच या उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि निर्धारित ड्रिंक्स इंटरवल के दौरान खिलाड़ियों से परामर्श कर सकेंगे। अब तक मैच के दौरान कोचिंग संबंधी संवाद पर कड़े प्रतिबंध थे, लेकिन नए नियम के तहत तय अंतराल में रणनीतिक चर्चा की अनुमति मिलेगी। माना जा रहा है कि इससे टीमों को मैच की परिस्थितियों के अनुसार बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी।
आईसीसी बोर्ड ने टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में दोनों पारियों के बीच 15 मिनट का अनिवार्य अंतराल लागू करने को भी मंजूरी दी है। इस कदम का उद्देश्य मैच संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाना, खिलाड़ियों को पर्याप्त तैयारी का समय देना और प्रसारण संबंधी आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से समायोजित करना माना जा रहा है।
बैठक में एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए आईसीसी ने मैच अधिकारियों को हॉक-आई तकनीक के डेटा तक पहुंच देने की मंजूरी दी है। अब यदि किसी गेंदबाज के एक्शन को लेकर संदेह उत्पन्न होता है, तो मैच अधिकारी रिपोर्ट तैयार करने या अवैध गेंदबाजी एक्शन की जांच पर विचार करते समय हॉक-आई से प्राप्त तकनीकी आंकड़ों का उपयोग कर सकेंगे। इससे निर्णय प्रक्रिया को अधिक वैज्ञानिक और सटीक बनाने में मदद मिलेगी।
आईसीसी बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट में पिंक बॉल के उपयोग के ट्रायल को भी मंजूरी दी है। यह प्रयोग उन परिस्थितियों में किया जाएगा जहां खराब रोशनी के कारण खेल बाधित होने की आशंका हो। हालांकि, पिंक बॉल के इस्तेमाल के लिए दोनों टीमों की पूर्व सहमति अनिवार्य होगी। आईसीसी का मानना है कि इस कदम से खराब रोशनी के कारण खेल रुकने की घटनाओं को कम किया जा सकेगा और अधिक ओवरों का खेल संभव हो सकेगा।
आईसीसी बोर्ड ने महिला क्रिकेट के वैश्विक विस्तार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। बोर्ड ने आईसीसी विमेंस चैंपियंस ट्रॉफी 2027 की नई तारीखों को मंजूरी दी। अब यह टूर्नामेंट जून-जुलाई की बजाय 14 से 28 फरवरी 2027 के बीच खेला जाएगा। इसके अलावा आईसीसी महिला इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 शुरू करने का फैसला किया गया है। यह 10 टीमों का टूर्नामेंट होगा, जिसमें पांच फुल मेंबर और पांच एसोसिएट सदस्य देश हिस्सा लेंगे। टीमों का चयन रैंकिंग और पिछले महिला टी20 विश्व कप क्वालिफिकेशन प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा।
आईसीसी ने महिला टी20 विश्व कप 2028 के लिए क्वालिफिकेशन प्रक्रिया को भी मंजूरी दी। यह टूर्नामेंट पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की मेजबानी में आयोजित होगा, जबकि भारत के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। 12 टीमों वाले इस टूर्नामेंट में 10 टीमों को सीधे प्रवेश मिलेगा। इनमें 2026 महिला टी20 विश्व कप की शीर्ष आठ टीमें, मेजबान देश (यदि पहले से क्वालिफाई नहीं हो) और 6 जुलाई 2026 की आईसीसी टी20 रैंकिंग के आधार पर अगली सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम शामिल होगी। बाकी दो स्थान ग्लोबल क्वालिफायर के जरिए तय होंगे।
आईसीसी बोर्ड ने सिद्धांत रूप में पुरुष टी20 विश्व कप के लिए ग्लोबल क्वालिफायर प्रणाली को मंजूरी दी है। प्रबंधन को 16 टीमों वाले ग्लोबल क्वालिफायर का प्रारूप और क्वालिफिकेशन संरचना अंतिम रूप देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप चैलेंज लीग में भाग लेने वाली टीमों को टूर्नामेंट चक्र के दौरान अन्य लिस्ट-ए सीमित ओवरों के मुकाबले खेलने की अनुमति जारी रहेगी। बोर्ड ने लेग-साइड वाइड के ट्रायल नियम को स्थायी रूप से अपनाने का फैसला किया है। इसके अलावा एमसीसी (मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब) द्वारा प्रस्तावित क्रिकेट कानूनों में बाकी सभी बदलावों को भी 1 अक्तूबर 2026 से लागू करने की मंजूरी दे दी गई है।
आईसीसी बोर्ड ने सदस्यता संबंधी गंभीर उल्लंघनों के चलते क्रिकेट कनाडा को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला किया है। हालांकि खिलाड़ियों के हितों को ध्यान में रखते हुए कनाडा की राष्ट्रीय टीमों को आईसीसी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की अनुमति जारी रहेगी।
आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि अहमदाबाद में हुई चर्चा ने आईसीसी की सुशासन, प्रशासनिक सुधार और क्रिकेट के वैश्विक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट, उभरते क्रिकेट राष्ट्रों और फ्रेंचाइजी प्रतियोगिताओं के प्रबंधन से जुड़े फैसले खेल को निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी और प्रशंसकों के लिए अधिक रोमांचक बनाएंगे।

दो अलग खेल के दो कोच में है गजब समानता, आरसीबी के लुई एनरिक हैं एंडी फ्लावर

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार दूसरी बार आईपीएल खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए विराट कोहली, रजत पाटीदार और भुवनेश्वर कुमार की जमकर तारीफ हो रही है, लेकिन इनके बीच एक और शख्स है जो शायद किसी शांत कोने में संतुष्टि की हल्की मुस्कान बिखेर रहा होगा। इस व्यक्ति का नाम है एंडी फ्लावर, जो आरसीबी के मुख्य कोच हैं। फ्लावर ने आरसीबी को ठीक उसी तरह से बदल दिया है जैसे लुई हेनरिक ने फुटबॉल टीम पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को विजेता टीम बना दिया है। यह भी संयोग है कि पीएसजी के मुख्य कोच हेनरिक ने आईपीएल फाइनल से एक दिन पहले अपनी टीम को चैंपियंस लीग में लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में योगदान दिया। फ्लावर ने जब अगस्त 2023 में कमान संभाली, तब आरसीबी अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में थी। यह कहना गलत नहीं होगा कि जब फ्लावर ने पदभार संभाला था तब आरसीबी आईपीएल की पीएसजी थी। उन्होंने गुपचुप अपना काम किया और अब आरसीबी 2025 और 2026 की आईपीएल की चैंपियन है। पीएसजी की तरह आरसीबी के पास भी स्टार खिलाड़ियों की कमी नहीं थी लेकिन वह चैंपियन नहीं बन पा रही थी। उसके पास विराट कोहली के अलावा एबी डी विलियर्स, क्रिस गेल, डेल स्टेन, शेन वॉटसन, युवराज सिंह जैसे शानदार खिलाड़ी भी रहे लेकिन इसके बावजूद वह खिताब नहीं जीत पा रही थी। जिस तरह 2023 में पीएसजी को एनरिक के रूप में अपना मसीहा मिला, उसी तरह आरसीबी को जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान फ्लावर के रूप में तारणहार मिला। संयोग देखिए कि फ्लावर ने भी 2023 में आरसीबी का जिम्मा संभाला था और उन्होंने अपने अपार अनुभव से इस टीम को विजेता बना दिया। फ्लावर अपने साथ अपार अनुभव लेकर आए थे। उन्होंने 2005 में इंग्लैंड को एशेज, भारत में टेस्ट श्रृंखला में जीत (2012) और 2010 टी20 विश्व कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने क्लब स्तर पर विभिन्न फ्रेंचाइजी लीग में मुल्तान सुल्तांस, गल्फ जायंट्स, ट्रेंट रॉकेट्स और मराठा अरबियन्स को खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह बार्सिलोना के साथ एनरिक की तीन खिताबी जीत और पीएसजी के यूरोपीय खिताब के 55 साल के इंतजार को समाप्त करने जैसा है। माइक हेसन से कमान संभालने के बाद फ्लावर का ध्यान आरसीबी की गेंदबाजी को मजबूत करने पर था। लेकिन आईपीएल 2025 से पहले भुवनेश्वर कुमार को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदने से कई लोगों की भौंहें तन गईं। लेकिन यह एक मास्टर-स्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने दो आईपीएल में 45 विकेट लिए और आरसीबी की गेंदबाजी इकाई की शानदार तरीके से अगुवाई की।

कोहली ने फिर साबित किया कि टी20 क्रिकेट में तकनीक और धैर्य का कोई सानी नहीं हैः शर्मा

नई दिल्ली। विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा का मानना ??है कि आईपीएल फाइनल में इस स्टार बल्लेबाज के शानदार प्रदर्शन से यह साबित हो गया है कि सबसे छोटे प्रारूप में पावर-हिटिंग के साथ-साथ तकनीक और धैर्य भी समान रूप से महत्वपूर्ण होते हैं। कोहली ने आईपीएल फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की गुजरात टाइटंस पर पांच विकेट से जीत में 42 गेंदों पर नाबाद 75 रन बनाए, जिसमें नौ चौके और तीन छक्के शामिल हैं। शर्मा ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''युवा खिलाड़ियों के लिए यह एक सबक है कि यह प्रारूप केवल पावर हिटिंग या छक्के मारने तक सीमित नहीं है। अगर आपकी तकनीक अच्छी है तो आप बड़ा स्कोर बना सकते हैं और विराट ने आज यही साबित किया।'' उन्होंने कहा, ''अगर आपके पास अच्छी तकनीक और जज्बा है और आप धैर्य बनाए रख सकते हैं तो आपको सफलता मिलेगी। यही वह चीज है जो विराट इतने लंबे समय से अपनी फ्रेंचाइजी के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट के लिए करते आ रहे हैं। वह युवा खिलाड़ियों के लिए एक उदाहरण हैं कि टी20 क्रिकेट कैसे खेला जाता है।''

सूर्यवंशी को आयरलैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में होना चाहिएः एमएसके प्रसाद

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद ने वैभव सूर्यवंशी को 'अति प्रतिभाशाली' और 'टी20 क्रिकेट में दुनिया का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी' करार देते हुए कहा कि इस महीने के आखिर में आयरलैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला के लिए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। प्रसाद ने पीटीआई से कहा, ''वह केवल असाधारण प्रतिभा ही नहीं हैं। वह टी20 क्रिकेट में विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्हें तुरंत ही भारतीय टीम में शामिल किया जाना चाहिए। भारत ए के साथ श्रीलंका दौरे के बाद उन्हें आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए भारतीय टीम में चुना जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें भारत की सीनियर टीम में चुना जा सकता है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह श्रीलंका में भारत ए की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्हें इंतजार करवाने का कोई मतलब नहीं होगा। वह जल्द ही भारत के लिए खेलेंगे और लंबे समय तक खेलते रहेंगे।'' प्रसाद ने इसके साथ ही कहा कि सूर्यवंशी अभी केवल 15 साल के हैं और उनको अच्छी तरह से संभालना बेहद जरूरी है। प्रसाद ने कहा, ''मुझे लगता है कि उन्हें कुछ समय के लिए (वीवीएस) लक्ष्मण या (राहुल) द्रविड़ के मार्गदर्शन में रहना चाहिए। वे ही ऐसे लोग हैं जो उन्हें विनम्र बनाए रख सकते हैं। इस स्तर पर उनके करियर को सही दिशा देने के लिए यह जरूरी है।''

इस साल पूरे टूर्नामेंट में हमारा दबदबा रहा : पाटीदार

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना दूसरा खिताब उस दिन जीता जब कप्तान रजत पाटीदार अपना 33वां जन्मदिन मना रहे थे, लेकिन इस सुखद संयोग से भी कहीं अधिक वह प्रतियोगिता में अपनी टीम के शुरू से अंत तक के दबदबे से खुश थे। आरसीबी ने पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन किया। उसने अपने पहले मैच में एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को बुरी तरह हराया और अब नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर खिताब जीता। पाटीदार ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल बहुत दबाव था। इस साल टूर्नामेंट में हमारे प्रदर्शन की वजह से माहौल काफी शांत रहा। मुझे लगता है कि हमने न सिर्फ अच्छा खेल दिखाया, बल्कि इस साल हमने टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा।''
उन्होंने कहा, ''हमें पूरा भरोसा था कि अगर हम इसी तरह खेलते रहे तो हम निश्चित रूप से दूसरा खिताब जीतने में सफल रहेंगे।'' पाटीदार ने इसके साथ ही अन्य टीम को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी टीम लगातार तीसरा खिताब जीतने के लिए भी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा, ''यह सबसे अच्छा उपहार है क्योंकि आज (रविवार) मेरा जन्मदिन है। कुल मिलाकर अच्छा लग रहा है, लेकिन मैं वर्तमान में जीने की कोशिश करता हूं। हमें इस बात पर अधिक ध्यान देना होगा कि हम लगातार तीसरी (खिताबी) जीत कैसे हासिल कर सकते हैं।'' पाटीदार ने आरसीबी की इस जीत में एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में अहम भूमिका निभाई। मध्य प्रदेश के इस क्रिकेटर ने कहा कि कैसे उन्होंने चुपचाप आरसीबी का नेतृत्व किया, जो उनके पूर्ववर्ती कप्तानों विराट कोहली और फाफ डुप्लेसी की आक्रामक शैली से बिल्कुल अलग था। उन्होंने कहा, ''कप्तानी का मेरा तरीका अलग है। मैं ज्यादा खुलकर अपनी भावनाएं व्यक्त नहीं करता, लेकिन साथ ही खेल की स्थिति से भी पूरी तरह वाकिफ रहता हूं। मुझे प्रबंधन और खिलाड़ियों दोनों का भरपूर समर्थन मिला।''
पाटीदार ने इस सत्र में 501 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 192.69 रहा। उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि बल्लेबाजी में मैं खुद को कितना समय दे रहा हूं क्योंकि अपनी बल्लेबाजी को समझना महत्वपूर्ण है। आईपीएल से पहले मैंने नेट पर पर्याप्त अभ्यास किया था।'' पाटीदार ने कहा, ''मैंने (आरसीबी के मार्गदर्शक) डीके भाई (दिनेश कार्तिक) से इस बारे में काफी बातचीत की कि मैं और बेहतर कैसे कर सकता हूं, जैसे कुछ तकनीकी बदलाव। मैंने टीम से जुड़ने के बाद भी कड़ी मेहनत जारी रखी। इससे एक बल्लेबाज के रूप में मुझे काफी स्पष्टता मिली।''
पाटीदार ने लगातार दूसरे साल खिताब जीतने में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के योगदान की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मेरे पास उनके योगदान को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं। विराट कोहली कड़ी मेहनत करने वाले खिलाड़ी हैं। वह एक महान खिलाड़ी हैं। मैदान पर और मैदान के बाहर हम सभी को उनसे सीखने का अवसर मिलता है।'' पाटीदार ने कहा, ''हम नाश्ते के दौरान काफी समय साथ में बिताते हैं।

एक नज़र

आईजीपीएल राइजिंग स्टार्स गोल्फ में संयुक्त 12वें स्थान पर रहे कार्तिक

नई दिल्ली। भारत के उभरते हुए गोल्फर कार्तिक सिंह ने यहां आईजीपीएल मोरक्को राइजिंग स्टार्स 2026 के अंतिम दौर में एक अंडर 71 का स्कोर बनाकर संयुक्त 12वां स्थान हासिल किया। आखिरी नौ होल में एक डबल बोगी और एक बोगी करने के बावजूद कार्तिक का प्रदर्शन सराहनीय रहा। इस बीच थाईलैंड के तानापत पिचैकूल ने बांग्लादेश के अनुभवी खिलाड़ी सिद्दीकुर रहमान को दो शॉट से हराकर खिताब जीता। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने तीसरे दौर में आठ अंडर 64 के स्कोर के बाद दो शॉट की बढ़त बना ली थी। उन्होंने अंतिम दौर में दो अंडर 70 का स्कोर बनाकर अपनी बढ़त को बरकरार रखा। उन्होंने कुल नौ अंडर का स्कोर बनाया।

इस बार विजय जुलूस नहीं निकालेगा आरसीबी

नई दिल्ली। पिछले साल की भगदड़ और 11 लोगों की मौत को ध्यान में रखते हुए रॉयल चैलेंज बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दूसरी खिताबी जीत के लिए विजय जुलूस नहीं निकालने का फैसला किया है। रॉयल चैलेंजर्स ने रविवार को यहां गुजरात टाइटन्स को पांच विकेट से हराकर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता। आरसीबी ने यह निर्णय कर्नाटक के नवनियुक्त मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के शपथ ग्रहण समारोह को ध्यान में रखते हुए भी लिया जो लोक भवन में आयोजित किया जाएगा। पिछले साल चार जून को जल्दबाजी में निकाले गए विजय जुलूस के दौरान चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास 11 प्रशंसकों की मौत हो गई थी। आरसीबी के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''बेंगलुरु में किसी भी प्रकार का जश्न मनाने की संभावना बहुत कम है। कुछ दिशानिर्देश निर्धारित हैं और हमें उनका पालन करना होगा।'' इस बीच बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सीमंथ कुमार सिंह ने कहा, ''हम किसी भी प्रकार के सार्वजनिक समारोह की अनुमति नहीं देंगे। यदि कोई जश्न मनाना चाहता है तो वह घर के अंदर मना सकता है।'' साक्षी पाडेकर अपने सीनियर विश्व कप पदार्पण में सातवें स्थान पर रहीं

नॉर्वे शतरंजः भारत के चारों खिलाड़ियों को मिली हार

नई दिल्ली। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भाग ले रहे चारों भारतीय खिलाड़ियों का छठे दौर में प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उन सभी को हार का सामना करना पड़ा। पिछले दौर में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विश्व चैंपियन डी गुकेश अपना विजय अभियान जारी नहीं रख पाए जबकि आर प्रज्ञानंदा, दिव्या देशमुख और कोनेरू हम्पी भी हार गए। भारतीय खिलाड़ियों को जहां निराशा हाथ लगी वहीं मौजूदा चैंपियन और विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने क्लासिकल में जीत दर्ज करके खुद को खिताब की दौड़ में शामिल कर दिया है। उन्होंने अलीरेजा फिरोजा को हराया। वेस्ली सो ने प्रज्ञानंदा पर क्लासिकल गेम में जीत से पूरे तीन अंक हासिल करके अपने कुल अंकों की संख्या 11.5 पर पहुंचा दी है और वह एकल बढ़त पर पहुंच गए। प्रज्ञानंदा इस हार के कारण छह खिलाड़ियों की तालिका में छह अंकों के साथ सबसे नीचे खिसक गए। विन्सेंट कीमर ने गुकेश (6.5 अंक) की गलतियों का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत हासिल की, जिससे उनके अंकों की संख्या आठ हो गई है। कार्लसन फिरोजा (10 अंक) पर जीत से 7.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए। महिला वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख (8.5 अंक) चीन की पांच बार की विश्व चैंपियन जू वेनजुन (8 अंक) से क्लासिकल बाजी में हार से दूसरे स्थान पर खिसक गईं। वह हालांकि शीर्ष पर काबिज बिबिसारा असौबायेवा (9.5 अंक) से ज्यादा दूर नहीं हैं। असौबायेवा ने आर्मागेडन टाई-ब्रेक में कोनेरू हम्पी (5.5 अंक) को हराया।

आईसीसी का बड़ा एक्शन, क्रिकेट कनाडा की सदस्यता निलंबित; खिलाड़ियों को राहत

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट कनाडा की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आईसीसी ने यह फैसला कनाडाई क्रिकेट बोर्ड द्वारा सदस्यता संबंधी दायित्वों के गंभीर उल्लंघन के चलते लिया है। हालांकि, वैश्विक क्रिकेट संस्था ने स्पष्ट किया है कि प्रशासनिक विफलताओं का खामियाजा खिलाड़ियों को नहीं भुगतना पड़ेगा। आईसीसी बोर्ड ने फैसला किया है कि निलंबन के बावजूद कनाडा की राष्ट्रीय क्रिकेट टीमें आईसीसी के टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए पात्र बनी रहेंगी। परिषद का मानना है कि खिलाड़ियों को उन मुद्दों के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए, जिन पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। इसके अलावा, क्रिकेट कनाडा को आईसीसी की ओर से वित्तीय सहायता मिलती रहेगी। हालांकि यह फंडिंग आईसीसी प्रबंधन की निगरानी में नियंत्रित तरीके से जारी की जाएगी और इसका उपयोग केवल राष्ट्रीय टीमों के कार्यक्रमों एवं खिलाड़ियों की तैयारियों पर ही किया जा सकेगा। आईसीसी ने कहा है कि यह निलंबन स्थायी नहीं है। क्रिकेट कनाडा को सदस्यता बहाल कराने के लिए कुछ निर्धारित शर्तों और सुधारात्मक कदमों को पूरा करना होगा। इन सुधारों की निगरानी आईसीसी की नॉर्मलाइजेशन कमेटी और आईसीसी प्रबंधन संयुक्त रूप से करेंगे। सभी आवश्यक प्रशासनिक और सुशासन संबंधी सुधार लागू होने के बाद ही सदस्यता बहाल करने पर विचार किया जाएगा। पिछले कुछ वर्षों से क्रिकेट कनाडा कई विवादों के कारण सुर्खियों में रहा है। सबसे बड़ा मामला कनाडा और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले से जुड़ा है, जिसकी जांच आईसीसी की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) कर रही है। इसके अलावा, पूर्व मुख्य कोच खुर्रम चौहान से जुड़ा मामला भी जांच के दायरे में है। पिछले वर्ष चौहान की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग सार्वजनिक हुई थी, जिसमें उन्होंने क्रिकेट कनाडा के वरिष्ठ अधिकारियों पर राष्ट्रीय टीम चयन में हस्तक्षेप करने और कुछ खिलाड़ियों को टीम में शामिल कराने का दबाव बनाने के आरोप लगाए थे। ऑडियो में मैच फिक्सिंग से जुड़े गंभीर आरोपों का भी उल्लेख था, जिसके बाद आईसीसी की इंटीग्रिटी यूनिट ने मामले की जांच शुरू कर दी। आईसीसी बोर्ड ने बैठक में बांग्लादेश और श्रीलंका के क्रिकेट प्रशासन से जुड़े हालिया घटनाक्रमों की भी समीक्षा की।

न कोहली, न वैभव, इस खिलाड़ी को 'प्लेयर ऑफ द मैच और टूर्नामेंट' होना था : अश्विन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने ऐसा धमाकेदार खेल दिखाया जिसने हर किसी को उनका फैन बना दिया. 776 रन बनाकर 15 साल के इस बैटर ने ना सिर्फ ऑरेंज कैप जीता बल्कि प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुने गए. भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि ये अवार्ड वैभव नहीं बल्कि आईपीएल चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार को मिलना चाहिए था. इतना ही नहीं उन्होंने तो विराट कोहली की जगह फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच का हकदार भी भुवी को ही बताया. अश्विन ने कहा कि 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भुवनेश्वर कुमार को चुना जाना चाहिए था. ऑरेंज कैप विजेता राजस्थान रॉयल्स के ओपनर वैभव सूर्यवंशी को 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुना गया. विराट कोहली को गुजरात टाइटंस के खिलाफ रन चेज में नाबाद 75 रन बनाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।
फाइनल में भुवनेश्वर ने जीटी के ओपनर साई सुदर्शन को शॉर्ट बॉल पर आउट किया. उन्होंने पावरप्ले ओवरों में रन रोककर रखे. पुराने बॉल से उन्होंने अंतिम ओवर में जेसन होल्डर का विकेट लिया. उन्होंने चार ओवर में 29 रन दिए. अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'भुवनेश्वर कुमार पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहे. मेरे लिए, उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और प्लेयर ऑफ द मैच दोनों होना चाहिए था। ' अगर भुवनेश्वर फाइनल में एक और विकेट ले लेते तो पर्पल कैप उनके नाम होती. 16 मैचों में उन्होंने 28 विकेट 17.89 की औसत से लिए. उन्होंने 7.95 की इकॉनमी से रन दिए. भुवी ने पर्पल कैप जीटी के साउथ अफ्रीकी पेसर कागिसो रबाडा से गंवा दी. 17 मैचों में इस तेज गेंदबाज ने कुल 29 विकेट लिए. 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने पावरप्ले में तेज शुरुआत की और अपने आईपीएल करियर की सबसे तेज फिफ्टी 25 गेंदों में पूरी की।

मोदी ने एशियाई अंडर20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पदक जीतने पर बधाई दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने वाले भारतीय टीम को बधाई देते हुए सोमवार को कहा कि यह शानदार प्रदर्शन खिलाड़ियों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। भारत ने हांगकांग में आयोजित की गई चार दिवसीय प्रतियोगिता में 10 स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य सहित कुल 19 पदक जीतकर चीन (14 स्वर्ण, नौ रजत, दो कांस्य) के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '22वीं एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10 स्वर्ण पदकों सहित 19 पदक जीतने के लिए भारतीय टीम को हार्दिक बधाई। यह उत्कृष्ट प्रदर्शन भारत के युवा एथलीटों के दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता को दर्शाता है। उम्मीद है कि यह उपलब्धियां आने वाले वर्षों में और भी कई युवा भारतीयों को खेल में अपना करियर बनाने के लिए प्रेरित करेंगी।''

जब विराट से मिले वैभव, पहले किया नमस्ते फिर हुआ हैंडशेक

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के फाइनल के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जश्न अपने चरम पर था। आतिशबाजी से आसमान जगमगा रहा था, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का उत्सव मना रही थी और हजारों दर्शक इस ऐतिहासिक पल के गवाह थे। लेकिन इसी शोर और चमक-दमक के बीच एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने क्रिकेट प्रेमियों के दिलों को छू लिया। यह पल था भारतीय क्रिकेट के वर्तमान और भविष्य की मुलाकात का। एक तरफ थे विराट कोहली, जिन्होंने अपनी शानदार बल्लेबाजी से आरसीबी को खिताब तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। दूसरी तरफ थे महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी, जिन्होंने पूरे आईपीएल 2026 में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से हर किसी को प्रभावित किया।
फाइनल के बाद जब खिलाड़ी और मेहमान मैदान पर मौजूद थे, तभी विराट कोहली की नजर वैभव सूर्यवंशी पर पड़ी। भारतीय क्रिकेट के इस युवा सितारे ने अपने आदर्श विराट को देखते ही दोनों हाथ जोड़कर नमस्ते किया। विराट ने भी बड़े स्नेह के साथ उनका अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद दोनों के बीच हैंडशेक हुआ। कोहली ने वैभव के कंधे पर हाथ रखा और कुछ देर उनसे बातचीत की। इस दौरान दोनों के चेहरों पर मुस्कान साफ दिखाई दे रही थी। ऐसा लग रहा था मानो भारतीय क्रिकेट की एक पीढ़ी दूसरी पीढ़ी को आगे बढ़ने का आशीर्वाद दे रही हो। कैमरों ने इस खूबसूरत पल को कैद कर लिया और देखते ही देखते यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। क्रिकेट प्रशंसकों ने इसे सिर्फ एक मुलाकात नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेट के सुनहरे भविष्य की झलक बताया।
विराट कोहली आज उस मुकाम पर हैं, जहां पहुंचने का सपना हर युवा क्रिकेटर देखता है। दूसरी ओर वैभव सूर्यवंशी ने बेहद कम उम्र में वह कर दिखाया, जिसकी उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। आईपीएल 2026 में वैभव ने अपनी निडर बल्लेबाजी, बड़े शॉट्स और लगातार रन बनाने की क्षमता से क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। पूरे सीजन में उन्होंने कई यादगार पारियां खेलीं और अपनी टीम के लिए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। ऐसे में विराट जैसे महान खिलाड़ी का उनके पास जाकर बातचीत करना और उनकी सराहना करना वैभव के लिए किसी बड़े सम्मान से कम नहीं माना जा रहा। आईपीएल 2026 वैभव सूर्यवंशी के लिए सपनों जैसा रहा। सीजन खत्म होने के बाद आयोजित अवॉर्ड समारोह में भी उनका दबदबा देखने को मिला। 15 वर्षीय बल्लेबाज ने कुल पांच बड़े व्यक्तिगत पुरस्कार अपने नाम किए। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट (मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर) चुना गया। इसके अलावा उन्होंने ऑरेंज कैप, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन जैसे प्रतिष्ठित सम्मान भी हासिल किए। इन पुरस्कारों के जरिए उन्हें कुल 45 लाख रुपये की इनामी राशि मिली, जबकि सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन बनने पर उन्हें पुरस्कार स्वरूप टाटा सिएरा कार भी प्रदान की गई।

चुनिंदा कीटनाशकों पर प्रतिबंध की सुगबुगाहट से हड़कंप

कीटनाशकों पर रोक लगाने के बजाय किसान आत्महत्या के कारणों की तह में जाकर समाधान की उठी मांग

नई दिल्ली, ब्यूरो। जहर के तौर पर कुछ चुनिंदा कीटनाशकों का इस्तेमाल किए जाने और किसानों की आत्महत्या के कई मामलों में सामने आई इसके सेवन की रिपोर्टों के बीच सरकार द्वारा ऐसे कीटनाशकों की बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाए जाने की सुगबुगाहट से फसल सुरक्षा के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं में हड़कंप का माहौल देखा जा रहा है। खास तौर से पैराक्वाट डाइक्लोराइड और कार्बोसल्फान सरीखे कीटनाशकों की बिक्री की सरकार द्वारा की जा रही समीक्षा को देखते हुए यह मांग भी जोर पकड़ रही है कि किसानों की आत्महत्या के मामले को कीटनाशकों से जोड़ कर नहीं देखा जाना चाहिए। इसके पीछे दलील यह दी जा रही है कि आत्महत्या के साधन को किसानों की पहुंच से दूर कर देने से इस समस्या का समाधान नहीं हो सकता बल्कि उन कारणों पर ध्यान देने की जरूरत है जिसके कारण किसानों को आत्महत्या के लिए विवश होना पड़ता है। अलबत्ता खरीफफसलों की बुआई की अंतिम चरण में चल रही तैयारियों के बीच अगर अचानक ही इन उत्पादों की बिक्री पर रोक लगा दी गई तो इससे खेती की लागत में काफी इजाफा हो जाएगा जिससे किसानों को उसी आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ेगा जो उनकी आत्महत्याओं की कई वजहों में एक मुख्य कारण है। लिहाजा सरकार से अपील की जा रही है कि चुनिंदा कीटनाशकों की बिक्री की समीक्षा कर उसे प्रतिबंधित करने पर विचार करने के बजाय उसे कर्ज, फसल बीमा, आय सहायता और बाजार मूल्य सरीखी किसानों की वास्तविक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। देश में फसल सुरक्षा उत्पादों के स्वदेशी बाजार में 70 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली 17 शोध-आधारित कंपनियों की संस्था क्रॉपलाइफइंडिया के चेयरमैन अंकुर अग्रवाल के अनुसार वैज्ञानिक अध्ययनों में बार-बार यह साबित हुआ है कि किसान आत्महत्याओं के पीछे मुख्य रूप से आर्थिक कारण जिम्मेदार हैं। वर्ष 2024 में भारतीय सामुदायिक चिकित्सा पत्रिका में प्रकाशित तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के किसानों पर किए गए अध्ययन में स्पष्ट किया गया कि मुख्य समस्या कर्ज का जाल है। इसी प्रकार इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एनवायरनमेंट एंड डेवलपमेंट के अध्ययन में भी पाया गया कि किसान आत्महत्याएं वर्षा पर निर्भर करती हैं क्योंकि सामान्य वर्षा की 5 प्रतिशत कमी में औसतन 810 आत्महत्याएं होती हैं जबकि 25 प्रतिशत कमी में यह संख्या बढ़कर 1,188 तक पहुंच जाती है। इसमें जहां गारंटीड रोजगार और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध है वहां फसल खराब होने के बावजूद आत्महत्या की संख्या काफी कम रहती है। ऐसे में अग्रवाल के अनुसार सरकार को कर्ज उपलब्धता, फसल बीमा, आय सहायता, उचित बाजार मूल्य और वैकल्पिक रोजगार जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सपा ने प्रदर्शन कर मतदाता सूची को दुरुस्त करने की उठाई आवाज

स्वतंत्र भारत मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी के निर्देश पर जनपद में

सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी बोले दोषियों पर हो कार्यवाही

396 सदर विधानसभा मीरजापुर, 395-छानबे विधानसभा (सुरक्षित), 397-मझवां विधानसभा, 398-चुनार विधानसभा व 399- मड़िहान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र- 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में हजारो की संख्या में डूब्लीकेट (फर्जी) मतदाता सूची में हुई गड़बड़ी को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद

चौधरी के नेतृत्व में जोरदार प्रदर्शन कर मतदाता सूची को सही करने की मॉग जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार से की। जिलाधिकारी को पॉचो विधानसभा क्षेत्र की डूब्लीकेट और फर्जी नामो की सूची सौपी। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि जॉच में गलती पाये जाने पर दोषियो के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि जनपद मीरजापुर के पॉचो विधानसभा में एक नाम/एक ही पिता/पति का नाम समउम्र का कई बूथो पर विभिन्न वोटर आई0 डी0 नम्बर का एवं लगभग सेम फोटो का अंतिम मतदाता सूची में प्राप्त पाये जाने पर विरोध जताया और कहा कि 396-मीरजापुर 4353, एवं 398-चुनार में 5475 व 395-छानबे (सुरक्षित) में 5120 एवं 397-मझवां 6403 व 399-मड़िहान 6667 में मतदाता का नाम आया है। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के राष्ट्रीय दलो की बैठक मे बार-बार कहा जाता था कि गड़बड़ी होने पर लगे कर्मचारियों पर दण्डात्मक कार्यवाही किया जायेगा। कहा कि समाजवादी पार्टी मॉग करती है कि 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित मतदाता सूची में डूब्लीकेट (फर्जी) नाम दर्ज किये जाने से मतदाता विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2027 में मतदान नही कर पायेंगे। यह एक गंभीर मामला है मामले को तत्काल संज्ञान मे लेकर जॉच करायी जाय और दोषी संलिप्त कर्मचारियों पर दण्डात्मक कार्यवाही कर कृत कार्यवाही का अवगत कराया जाय।

प्रदर्शन करने वालो में पूर्व विधायक जगतम्बा सिंह पटेल, मुन्नी यादव, आशीष यादव, अशोक यादव, सुरेन्द्र सिंह पटेल, दामोदर प्रसाद मौर्या, रविन्द्र बहादुर सिंह, झल्लू यादव, आशीष कोल, रमाशंकर कोल, बलराम यादव, अभय यादव, मेवालाल प्रजापति, संदेश यादव, रामराज यादव आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

रोहिणी नक्षत्र की बारिश से किसानों में बढ़ी उम्मीद, घाघ की कहावत हो रही चरितार्थ

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। क्षेत्र में बीते दिनों हुई बारिश और उसके बाद निकल रही तेज धूप ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान लौटा दी है। लोक परंपरा और कृषि अनुभव के लिए प्रसिद्ध घाघ की कहावत 'रोहिणी बरसे, मृग तपे, कुछ-कुछ आद्रा जाए, घाघ कहें सुन घाघनी, स्वान भात नहीं खाए' इन दिनों किसानों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। कृषि विशेषज्ञों और ग्रामीण किसानों के अनुसार यदि रोहिणी नक्षत्र में अच्छी वर्षा हो जाए तथा मृगशिरा नक्षत्र में पर्याप्त धूप और गर्मी पड़े तो धान समेत खरीफ फसलों की पैदावार बेहतर होने की संभावना बढ़ जाती है। इसी विश्वास के साथ किसान खेतों की तैयारी में जुट गए हैं। क्षेत्र में लंबे अंतराल के बाद हुई बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई है। इसका लाभ उठाते हुए किसान जुताई, पाटा लगाने तथा खेतों में उगे खरपतवारों को नष्ट करने का कार्य तेजी से कर रहे हैं। किसानों का मानना है कि मृगशिरा नक्षत्र की तपन खेतों की मिट्टी को खरीफ फसलों के लिए और अधिक उपयुक्त बना देगी।

वहीं दूसरी ओर मानसून की दस्तक की संभावना को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में लोग अपने कच्चे मकानों, खपड़ैल घरों, मड़हों और झोपड़ियों की मरम्मत एवं निर्माण कार्य में भी जुट गए हैं, ताकि बरसात के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अगैती खेती की तैयारी कर रहे किसान एक जून से पांच जून के बीच धान की नर्सरी डालने में लगे हुए हैं। खेतों की मेड़बंदी, जुताई और बीज उपचार जैसे कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं। किसानों को उम्मीद है कि मौसम का यही रुख बना रहा तो इस वर्ष धान की फसल बंपर होगी। ग्रामीण बुजुर्गों का कहना है कि घाघ की कहावतें वर्षों के कृषि अनुभव पर आधारित हैं और मौसम के मौजूदा हालात को देखकर लग रहा है कि इस बार उनकी कही बातें एक बार फिर सही साबित हो सकती हैं। यही वजह है कि क्षेत्र के किसानों में अच्छी पैदावार को लेकर उत्साह और उम्मीद दोनों बढ़ गई।

आज लगेगा युवा उद्यमी शिविर कैंप, 5 लाख तक ब्याज रहित ऋण के लिए होगा ऑनलाइन आवेदन

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत हलिया विकास खण्ड मुख्यालय पर 2 जून को सुबह 10:00 बजे से एक दिवसीय कैंप का आयोजन किया जाएगा। कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी हलिया विजय शंकर त्रिपाठी ने पत्र जारी कर शिविर कैंप में युवाओं को 5.00 लाख रुपये तक का ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन कराए जाएंगे। प्रातः 10:00 बजे विकास खण्ड मुख्यालय, हलिया, प्रदेश के युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना प्रत्येक ग्राम पंचायत से 25-25 ऑनलाइन आवेदन कराना प्रत्येक ग्राम पंचायत सचिव और पंचायत सहायक को अपने-अपने गांव से 25-25 आवेदन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। कैंप में जिला स्तर के अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे। नोडल अधिकारी विजयेश कुमार, उद्योग विभाग ,पोर्टल ऑपरेटर आशीष कुमार आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज आवेदक का फोटो, हस्ताक्षर,आधार से लिंक मोबाइल नंबर, आयु प्रमाण पत्र , जाति व निवास प्रमाण पत्र कक्षा 8 पास या उससे अधिक का शैक्षिक प्रमाण पत्र, पैन कार्ड, शपथपत्र,बैंक पासबुक , कौशल प्रमाण पत्र, कोटेशन, परियोजना रिपोर्ट।

एक दिवसीय डेटा एनालटिक्स प्रशिक्षण सम्पन्न

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में सोमवार को नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय डेटा एनालटिक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को प्रशिक्षक डॉक्टर सत्यम कुमार द्वारा डेटा कलेक्शन, एनालिस, विजुअलाइज़ेशन और रिपोर्टिंग के बेसिक से लेकर एडवांस टूल्स तक की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने प्रैक्टिकल सेशन के जरिए पावर, एक्सेल और पायथन के उपयोग पर फोकस किया। प्रशिक्षकों ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम युवाओं और प्रोफेशनल्स को जॉब-रेडी स्किल्स देने के लिए कराए जा रहे हैं। प्रतिभागियों ने कहा कि एक दिन का सेशन काफी उपयोगी रहा और इससे डेटा के क्षेत्र में काम करने की समझ बढ़ी। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।इस दौरान चिकित्सक विवेक खरे, एआरओ संतोष कुमार गौतम मौजूद रहे।

युवक ने तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी बृजेश कोल ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर गांव निवासी तीन लोगो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराया है पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है दी गई तहरीर में बताया है की रविवार की रात्रि में करीब 11 बजे विपक्षी गांव निवासी जगी नारायण, प्रकाश, राजा मेरे दरवाज़े पर आकर गाली गलौज देने लगे की मना करने पर लाठी डंडे से मारने पीटने लगे जिससे सिर में चोट लगी है बीच बचाव के लिए आई राजकुमारी को भी मारपीट कर घायल कर दिया जान से मारने की धमकी दिया है जिस पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भेज दिया है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है।

सीएचओ और टीएसयू की संयुक्त बैठक में स्वास्थ्य रिकॉर्ड दुरुस्त रखने के निर्देश

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में स्वास्थ्य विभाग के तहत सीएचओ की बैठक और टीएसयू की बैठक सोमवार को आयोजित की गई। बैठक में एचआरपी, जन्म और मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।बैठक में सभी सीएचओ को निर्देश दिया गया कि सब सेंटर स्तर पर रिकॉर्ड मेंटेनेंस को समयबद्ध और त्रुटिरहित रखा जाए। गर्भवती महिलाओं की हाई रिस्क प्रेग्नेंसी यानी एचआरपी की पहचान कर उनका फॉलोअप सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। साथ ही जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को तत्काल अपडेट कर शत-प्रतिशत रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने को कहा गया, ताकि स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके।स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि रिकॉर्ड की शुद्धता और समय पर अपडेटिंग से ही गांव स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की मॉनिटरिंग बेहतर हो सकेगी।

2 किलो 15 ग्राम गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक भी बरामद

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बरौंधा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक युवक को दो किलो 15 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से गांजा ले जा रही बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक के निर्देशन में अपराध एवं मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में रविवार की शाम बरौंधा चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव हेड कांस्टेबल सदानंद तिवारी कांस्टेबल अमित कुमार तथा कांस्टेबल सिद्धार्थ के साथ बेलन नहर से कोरांव मार्ग पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान कोरांव (प्रयागराज) की ओर से एक युवक बाइक पर पिट्ठू बैग लेकर आता दिखाई दिया। पुलिस चेकिंग देखकर उसने बाइक मोड़कर भागने का प्रयास किया। संदिग्ध गतिविधि पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पिट्ठू बैग से दो किलो 15 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी ने अपनी पहचान दिलीप कुमार पुत्र रामधनी निवासी बढ़वारी कला मिश्रपुर थाना कोरांव, जनपद प्रयागराज के रूप में बताई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह गांजा बिक्री के उद्देश्य से लेकर जा रहा था, लेकिन बीच रास्ते में ही पुलिस के हत्थे चढ़ गया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। बरौंधा पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध बिक्री में संलिप्त लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। बरौंधा चौकी प्रभारी नरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पुलिस कप्तान के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। लालगंज थाना प्रभारी निरीक्षक अभय कुमार सिंह के नेतृत्व में अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी।

धूमधाम से मनाई गई महारानी अहिल्या बाई होलकर जयंती, निकाली गई भव्य रैली

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्ज़ापुर)। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की जयंती सोमवार को में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई।लोक माता देवी अहिल्या बाई होलकर कमेटी, पाल चौराहा रामपुर नौडीहा के तत्वावधान में सुबह भव्य रैली निकाली गई।युवा और ग्रामीण पीले गमछे, साफा बांधकर और हाथों में पीले झंडे लेकर नारे लगाते हुए गांव के मुख्य मार्गों से गुजरे। रैली के दौरान लोकमाता के लोक कल्याण, न्याय और सुशासन के कार्यों को याद किया गया।युवा समाज सेवी रवि शंकर पाल, अनिल पाल, सुरेन्द्र पाल, कृष्ण बहादुर पाल, डॉ. सुनील पाल, श्यामबहादुर पाल, रामेश्वर पाल, डॉ. प्रमोद पाल, ग्राम प्रधान लाल बहादुर पाल, जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी हलिया वार्ड नं. 3 मनीष पाल, राम कृष्ण सिंह, निशु सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण आयोजकों ने कहा कि महारानी अहिल्या बाई का जीवन समाज सेवा और नारी सशक्तिकरण के लिए प्रेरणा है। कार्यक्रम का समापन लोकमाता के जयकारों के साथ हुआ।

मौसम बदलते ही संक्रामक बीमारियों का बढ़ा प्रकोप, झोलाछाप डाक्टरों की चांदी

स्वतंत्र भारत हलिया (मीरजापुर)। मौसम के लगातार चढ़ाव-उतार और उमस भरी गर्मी के चलते क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में सर्दी, जुकाम, खांसी, तेज बुखार, बदन दर्द और डिहाइड्रेशन जैसी बीमारियों से लोग बड़ी संख्या में पीड़ित हैं।नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौंधा

बरौंधा क्षेत्र में दर्जनों अवैध क्लीनिक संचालित

में पर्याप्त चिकित्सीय सुविधाएं और विशेषज्ञ डाक्टर उपलब्ध न होने के कारण मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है। इसका फायदा उठाकर बरौंधा बाजार और आसपास के क्षेत्रों में दर्जनों झोलाछाप डाक्टरों ने अपनी दुकानें सजा रखी हैं। बिना डिग्री और अनुभव के इलाज करने वाले ये कथित झोलाछाप चिकित्सक भोली-भाली ग्रामीण जनता की मजबूरी का फायदा उठाकर खुलेआम लोगों की जेब पर डाका डाल रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि झोलाछाप डाक्टर महंगी दवाइयां लिखकर और अनावश्यक इंजेक्शन लगाकर मरीजों से मोटी रकम वसूल रहे हैं। कई मामलों में गलत इलाज से मरीजों की हालत और बिगड़ने की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग की ओर से इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। बरौंधा और उसके आसपास के क्षेत्रों में झोलाछाप डाक्टरों की बढ़ती संख्या स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई नहीं की, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर बेहतर चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तथा झोलाछाप डाक्टरों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और बेहतर इलाज मिल सके।

दुबारी में घर में घुसकर मारपीट, युवक बेहोश

स्वतंत्र भारत मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र के भानपुर दुबारी गांव में पुरानी रंजिश को लेकर घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता पूजा यादव पत्नी रामविजय यादव, निवासी भानपुर दुबारी के अनुसार 26 मई 2026 की रात करीब 9 बजे पुरानी रंजिश को लेकर आरोपित उनके घर में घुस आए और उनके साथ तथा उनके भाई सत्येन्द्र यादव के साथ मारपीट की। आरोप है कि मारपीट के दौरान सत्येन्द्र यादव बेहोश हो गए। साथ ही गाली-गलौज और धमकी भी दी गई। इस मामले में पुलिस ने रामसत्य यादव, बृजेश चंद यादव, रमानंद यादव और इन्द्रजीत यादव निवासी नई बस्ती मल्लाह टोला दुबारी के खिलाफ मुकदमा संख्या 183/2026 में बीएनएस की विभिन्न धाराओं 115(2), 352, 333 और 110 के तहत केस दर्ज किया है।

उपजिलाधिकारी जमानिया ने जनगणना के प्रगति हेतु सुपरवाइजर की बैठक

स्वतंत्र भारत जमानिया। उपजिलाधिकारी जमानियाँ मनोज कुमार पाठक द्वारा जनगणना कार्य में अपेक्षित प्रगति हेतु पर्यवेक्षक सर्किल 51 से 100 तक के सभी सुपरवाइजर की बैठक आयोजित की गई, जिसमें चार्ज अधिकारी/तहसीलदार राम नारायण वर्मा, सहायक चार्ज अधिकारी/खण्ड शिक्षा अधिकारी जमानिया श्री सुनील कुमार उपस्थित रहे, सभी को निर्देशित किया गया कि वो प्रतिदिन अपने प्रगणक की मॉनिटरिंग करे तथा उनसे प्रगति रिपोर्ट अवश्य ले, फील्ड में अपने प्रगणक को आवश्यक सहयोग प्रदान करे तथा सभी एचएलबी का कार्य 05 जून तक 100त्न पूर्ण करें साथ ही उपजिलाधिकारी महोदय द्वारा सुपरवाइजर श्री जयशंकर प्रसाद राय द्वारा कार्य पूर्ण करने पर उनको बधाई दी गई तथा प्रोत्साहन हेतु प्रशस्ति पत्र दिया गया।

यातायात अभियान में 19,309 चालान 189 वाहन सीज

स्वतंत्र भारत मऊ। सड़क सुरक्षा को लेकर मई माह में चलाए गए विशेष अभियान के तहत यातायात पुलिस एवं जनपद के सभी थानों ने मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर, सायरन, फॉल्ट नंबर प्लेट तथा नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सघन कार्रवाई की। अभियान के दौरान कुल 19,309 चालान कर 2.76 करोड़ रुपये से अधिक का जुर्माना लगाया गया तथा 189 वाहन सीज किए गए। पुलिस ने साइलेंसर, हूटर व प्रेशर हॉर्न की खरीद-बिक्री करने वाले दुकानदारों को भी सख्त चेतावनी दी है।

शिलापट्टों पर नाम अंकित करने की मांग

स्वतंत्र भारत मऊ। मोहम्मदाबाद गोहना के वलीदपुर नगर पंचायत क्षेत्र में विकास कार्यों के शिलापट्टों पर मनोनीत सभासदों एवं जनप्रतिनिधियों के नाम अंकित किए जाने की मांग को लेकर सोमवार को प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में कहा गया कि विकास कार्यों में सभासदों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है, इसलिए उनके नाम भी शिलापट्टों पर शामिल किए जाएं। साथ ही विकास योजनाओं की जानकारी मनोनीत सभासदों को उपलब्ध कराने की मांग की गई। इस दौरान मनीष वर्मा, शशि प्रभा सिंह, प्रमोद सोनकर सहित अन्य सभासद उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

डीएम ने मिल परिसर का किया निरीक्षण

स्वतंत्र भारत मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने सोमवार को मिल परिसर का निरीक्षण कर चल रहे मरम्मत एवं अनुरक्षण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आगामी पेराई सत्र को ध्यान में रखते हुए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान डीएम ने मशीनों एवं उपकरणों की उपलब्धता की समीक्षा करते हुए कहा कि समय पर मरम्मत कार्य पूर्ण होने से पेराई सत्र सुचारु रूप से संचालित होगा और किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। इस अवसर पर जिला गन्ना अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कौड़िया गांव में चला विशेष सफाई अभियान वर्षों पुराना जल जमाव विवाद सुलझा

शाहगंज जौनपुर। विकास खण्ड शाहगंज सोंधी के ग्राम पंचायत कौड़िया में सोमवार को विशेष सफाई अभियान चलाकर जल निकासी की समस्या का समाधान किया गया।

भादी न्याय पंचायत के सफाई कर्मचारियों का रोस्टर लगाकर गांव की चोक नालियों की सफाई कराई गई, जिससे लम्बे समय से जलजमाव की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों को राहत मिली। ग्रामीणों के अनुसार गांव की मुख्य जल निकासी नाली वर्षों से विवाद के कारण अधूरी पड़ी थी। नाली के अवरुद्ध होने से पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी, जिसके चलते नालियां चोक हो गई थीं और सड़कों पर पानी बहता रहता था। इससे लोगों को आवागमन में भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। समस्या के समाधान के लिए ग्रामीणों ने तहसील दिवस से लेकर आईजीआरएस पोर्टल तक कई बार शिकायतें दर्ज कराईं, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल सका। सोमवार को सहायक विकास अधिकारी दीपक यादव ने गांव पहुंचकर मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठक कर बातचीत की और वर्षों पुराने विवाद का आपसी सहमति से निस्तारण कराया। इसके बाद सफाई कर्मचारियों का रोस्टर बनाकर नालियों की सफाई कराई गई तथा जल निकासी व्यवस्था को सुचारु कराया गया। ग्रामीणों ने प्रशासन की पहल की सराहना करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी गांव की साफ-सफाई और जल निकासी व्यवस्था पर नियमित ध्यान दिया जाएगा।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

होर्मुज में अमेरिकी सेना का बड़ा एक्शन

अब तक 118 व्यापारिक जहाज खदेड़े, पांच को किया पंगु

वॉशिंगटन। पश्चिम एशिया के समंदर में तनाव बहुत बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के बंदरगाहों को पूरी तरह घेर लिया है। अमेरिकी सैन्य कमान (सेंटकॉम) ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। अमेरिकी सेना ने ईरान जाने और वहां से आने वाले 118 व्यापारिक जहाजों का रास्ता बदल दिया है। यही नहीं, अमेरिकी सेना की बात न मानने वाले पांच जहाजों को पूरी तरह अपाहिज यानी निष्क्रिय कर दिया गया है। अमेरिका ने ईरान की यह नौसैनिक नाकेबंदी 13 अप्रैल को शुरू की थी। अमेरिकी सेना ने साफ चेतावनी दी है। वे ईरान के बंदरगाहों की तरफ आने-जाने वाले सभी जहाजों को रोकते रहेंगे। हैरत की बात यह है कि यह सब तब हो रहा है जब दोनों देश शांति की राह पर आने के लिए बातचीत भी कर रहे हैं। कुछ दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग तय है। लेकिन अब मामला अटक गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ दो घंटे बैठक की। इसके बाद ट्रंप ने समझौते का ड्राफ्ट वापस कर दिया। ट्रंप अब इस समझौते में और ज्यादा कड़ी शर्तें चाहते हैं। ट्रंप चाहते हैं कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर सख्ती बरती जाए। वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते को हमेशा खुला रखने की गारंटी चाहते हैं। ट्रंप ईरान को कोई आर्थिक राहत देने के पक्ष में नहीं हैं। वे ओबामा के समय हुए समझौते जैसी नरमी नहीं बरतना चाहते। ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम को जब्त कर नष्ट करेगा। वहीं ईरान इस पर बात करने को भी तैयार नहीं है।

ईरान की दो टूक-हम नहीं झुकेंगे

ईरान ने भी अमेरिका के सामने झुकने से साफ मना कर दिया है। तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि जब तक उनके अधिकार सुरक्षित नहीं होंगे, वे कोई समझौता नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि हमें दुश्मन के वादों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। हमें ठोस नतीजे चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स का कहना है कि ट्रंप की शर्तें कागजों पर अच्छी हैं, लेकिन इन्हें जमीन पर लागू करना बहुत मुश्किल होगा।

ईरान : राष्ट्रपति पेजेशकियन ने की इस्तीफे की पेशकश

- कहा- सब कुछ कमांडरों के हाथ, सरकार बेबस

तेहरान। ईरान की राजनीति से इस वक्त की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अपने पद से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने अपना इस्तीफा सीधे सुप्रीम लीडर के दफ्तर को भेजा है। इस अप्रत्याशित कदम ने देश के शीर्ष नेतृत्व में मचे घमासान को सरेआम कर दिया है। सूत्रों का कहना है कि राष्ट्रपति पेजेशकियन ने अपने इस्तीफे में बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने साफ लिखा है कि देश के बड़े और बेहद जरूरी फैसलों से राष्ट्रपति और सरकार को पूरी तरह अलग थलग कर दिया गया है। राष्ट्रपति के मुताबिक, इस हालात की वजह से जो खालीपन पैदा हुआ, उसका फायदा कट्टरपंथी धड़ों ने उठाया। अब आईआरजीसी के कमांडर देश के तमाम मामलों को अपनी मर्जी से चला रहे हैं।

आईआरजीसी के दखल से काम करना हुआ नामुमकिन- पेजेशकियन ने कहा है कि मौजूदा हालात में उनके लिए सरकार चलाना मुमकिन नहीं रह गया है। वे अपनी कानूनी जिम्मेदारियों निभाने में खुद को पूरी तरह असमर्थ पा रहे हैं। इसी वजह से उन्होंने बिना किसी देरी के तुरंत पद छोड़ने की मांग की है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि मोजतबा खामेनेई इस इस्तीफे को स्वीकार करेंगे या नहीं। लेकिन इस पत्र ने ईरान की सत्ता के शीर्ष पर मौजूद गहरी और अभूतपूर्व दरार को उजागर कर दिया है।

यह बड़ा घटनाक्रम सरकार और सैन्य-सुरक्षा संस्थाओं के बीच महीनों से चल रहे तनाव का नतीजा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईआरजीसी ने धीरे-धीरे राष्ट्रपति के कई अधिकारों को सीमित कर दिया था। इसके बाद सरकार के अहम हिस्सों पर सीधे कब्जा कर लिया गया। जानकारों की मानें तो इसी वजह से पेजेशकियन प्रशासन पूरी तरह राजनीतिक और प्रशासनिक गतिरोध में फंस गया था। इस कड़वाहट के कारण न तो कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ पा रही थी और न ही कैबिनेट में जरूरी बदलाव लागू हो पा रहे थे।

एक नज़र

भारत आएंगी ब्रिटिश विदेश मंत्री

लंदन। ब्रिटेन की विदेश सचिव यवेट कूपर सोमवार से चीन और भारत की यात्रा शुरू करेंगी। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य वैश्विक चुनौतियों से निपटना और आपसी सहयोग मजबूत करना है। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय के अनुसार, इन दो प्रमुख शक्तियों के साथ वार्ता में होर्मुज, यूक्रेन रूस युद्ध, अफ्रीका में इबोला के प्रकोप जैसे मुद्दे शामिल रहेंगे। कूपर बृहस्पतिवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ वार्ता करेंगी।

तुर्किये में पर्यटक बस जलकर खाक, आठ की मौत

अंकारा। पश्चिमी तुर्किये के डेनिजली प्रांत में रविवार तड़के एक पर्यटक बस रेलिंग से टकराकर आग की लपटों में घिर गई। इस भीषण हादसे में नौ महीने के मासूम समेत आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 33 अन्य घायल हुए हैं। यह बस इजमिर शहर से अंताल्या जा रही थी। हादसे के तुरंत बाद घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। तुर्किये के अधिकारियों ने इस दर्दनाक घटना की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

चीन में अवैध खदान धंसी, पांच की मौत

बीजिंग। चीन में अवैध खोदाई के दौरान खदान धंस गई। इसमें पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक घायल हो गया। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, घटना यून्नान प्रांत के हुइजे काउंटी में 4.30 बजे भोर में हुई। हालांकि, समाचार एजेंसी ने यह साफ नहीं किया कि खदान किस प्रकार की थी। बचाव दल ने बाइवु गांव स्थित खदान में फंसे छह लोगों को बाहर निकाला। हादसे की वजहों की जांच की जा रही है।

दक्षिण कोरिया में एयरोस्पेस संयंत्र में धमाका, चार की मौत

सियोल। दक्षिण कोरिया के मध्य शहर डेजॉन में रक्षा कंपनी हनवा एयरोस्पेस के कारखाने में सोमवार को हुए विस्फोट में चार लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों को सुबह 10:59 बजे विस्फोट की सूचना मिली और वे हताहतों की सही संख्या की पुष्टि करने में जुटे हैं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, घटनास्थल पर भेजी गई दमकल कर्मी आग बुझाने में जुटे हुए थे। पुलिस और दमकल अधिकारियों का मानना है कि विस्फोट कारखाने की पहली मंजिल पर हुआ था और आग बुझने के बाद वे घटना के सटीक कारण की जांच करने की योजना बना रहे हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, पुलिस ने पुष्टि की है कि देश की अग्रणी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनी हनवा एयरोस्पेस के संयंत्र में हुई दुर्घटना में चार लोगों की मौत और दो लोग घायल हुए हैं। दमकल अधिकारियों ने स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 11.17 बजे आग बुझाने के लिए स्तर-1 की प्रतिक्रिया जारी की और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। अधिकारियों ने बताया है कि दक्षिण कोरिया के प्रधानमंत्री किम मिन-सेओक ने हनवा एयरोस्पेस कारखाने में हुए विस्फोट के बाद बचाव कार्यों के लिए उपकरणों और कर्मियों को पूरी तरह से जुटाने का आदेश दिया है।

जॉर्जिया में हेलिकॉप्टर क्रैश, दो मरे

जॉर्जिया। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में हुए एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में भारतीय मूल के एक युवक और पायलट की मौत हो गई। यह हादसा युवक की शादी के कुछ घंटों बाद ही हुआ। हेलिकॉप्टर दुर्घटना में नवविवाहिता पत्नी घायल हो गई। अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी सामने आई है। डेल्टा एयर लाइंस में पायलट और अटलांटा निवासी 25 वर्षीय डेव फिजी बीते शुक्रवार को डॉसन काउंटी के डॉसनविल के पास एक पांच सीटों वाले रॉबिन्सन हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से मारे गए। उनकी पत्नी जेस्नी घायल हो गईं और उन्हें उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। परिवार के अनुसार, डेव और जेस्नी ने उसी दिन डॉसनविल के पास स्थित द रिवेरे नाम के कार्यक्रम स्थल पर शादी की थी। समारोह में सैकड़ों मेहमान शामिल हुए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, डेव के माता-पिता जॉर्ज और फेबा फिजी कई वर्ष पहले केरल के एर्नाकुलम जिले से अमेरिका आकर बस गए थे। जेस्नी का परिवार भी केरल के अलप्पुझा जिले से जुड़ा हुआ है।

लेबनान पर हमले रोके इस्राइल : ब्रिटेन

गृह सचिव ने हिजबुल्ला से भी की हथियार छोड़ने की मांग

लंदन। ब्रिटेन की गृह सचिव यवेट कूपर ने लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने हिज्बुल्ला से पूर्ण रूप से हथियार छोड़ने और इस्राइल के खिलाफ हमले बंद करने का भी आग्रह किया है। यवेट कूपर ने एक्स पर जारी एक संदेश में पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ती हिंसा पर चिंता जताते हुए कहा, इस्राइल की लेबनान में सैन्य बढ़ोतरी से नागरिकों की मौत हुई है, लोग विस्थापित हुए हैं, बुनियादी ढांचा तबाह हुआ है और कूटनीति के लिए जगह कम हुई है। इसे समाप्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों को युद्धविराम का सम्मान करना चाहिए और ईमानदारी से बातचीत की प्रक्रिया में शामिल होना चाहिए। इस बीच अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गैत ने भी लेबनान में इस्राइल की कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे क्रूर आक्रामकता बताया और संघर्ष तत्काल रोकने की मांग की। जर्मनी ने भी दक्षिणी लेबनान में इस्राइल के जमीनी अभियान के विस्तार पर चिंता जताई है। जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल ने कहा कि दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सेना की आगे बढ़त गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि किसी भी अतिरिक्त सैन्य बढ़ोतरी से पहले से तनावपूर्ण हालात और बिगड़ेंगे। इससे नए सिरे से विस्थापन की स्थिति पैदा होगी। ब्रिटेन के मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने भी कहा कि लेबनान में लगातार बढ़ता संघर्ष कूटनीतिक प्रयासों को कमजोर कर रहा है और नागरिकों पर अस्वीकार्य प्रभाव डाल रहा है।

दबाव बढ़ेगा तो पुतिन करेंगे बातचीत : यूक्रेन

- जेलेंस्की की रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक बार फिर दुनिया के देशों से रूस पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। उनका कहना है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता की मेज तक लाने के लिए और कड़े प्रतिबंध तथा अंतरराष्ट्रीय दबाव की जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध अब अपने पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और जेलेंस्की लगातार युद्ध समाप्त करने के लिए नए कूटनीतिक रास्ते तलाश रहे हैं। एक इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि आने वाले छह महीनों में अगर यूक्रेन युद्धक्षेत्र में महत्वपूर्ण सफलता हासिल करता है, तो भविष्य की किसी भी शांति वार्ता में उसकी स्थिति काफी मजबूत हो सकती है। उन्होंने कहा कि सर्दियों के आने से पहले किसी न किसी तरह कूटनीतिक रास्ता निकालकर बातचीत शुरू करनी होगी। उनका मानना है कि युद्ध को केवल सैन्य ताकत से नहीं बल्कि बातचीत के जरिए भी खत्म किया जा सकता है। इस बीच, अमेरिकी थिंक टैंक इंस्टीट्यूट फॉर द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध के मोर्चे पर हालात धीरे-धीरे यूक्रेन के पक्ष में बदलते दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार रूसी सेना की बढ़त की गति धीमी पड़ रही है, जबकि यूक्रेनी सेना नई रणनीतियों और आधुनिक युद्ध तकनीकों का इस्तेमाल कर रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि यूक्रेन पूरी तरह से युद्ध का रुख बदल पाएगा या नहीं। जेलेंस्की ने अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता की भी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र भेजकर पैट्रियट मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए और इंटरसेप्टर मिसाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

ईरान समझौते के मसौदे में ट्रंप ने मांगे बड़े बदलाव

- परमाणु कार्यक्रम और होर्मुज पर सख्त शर्तें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ प्रस्तावित समझौते के मसौदे को वापस भेजकर उसमें कई महत्वपूर्ण बदलाव करने को कहा है। इससे दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत लंबी खिंच सकती है और समझौते को लेकर नई अनिश्चितता पैदा हो गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रंप ने अपने सलाहकारों के साथ हुई बैठक में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर और अधिक सख्त शर्तें जोड़ने की मांग की है। साथ ही उन्होंने रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलने को भी समझौते का अहम हिस्सा बनाने पर जोर दिया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप ईरान को दिए जाने वाले आर्थिक राहत पैकेज को लेकर भी सतर्क हैं। उन्हें आशंका है कि अगर ईरान को ज्यादा वित्तीय रियायतें दी गई तो इसकी तुलना पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के दौर के परमाणु समझौते से की जा सकती है, जिसकी ट्रंप पहले भी आलोचना कर चुके हैं।

कुछ दिन पहले ही ट्रंप ने कहा था कि समझौता लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुका है और दोनों देशों के बीच तनाव जल्द खत्म हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी संकेत दिए थे कि एक ऐसा समझौता तैयार किया जा रहा है जिससे संघर्ष रुकेगा, होर्मुज जलडमरूमध्य फिर से पूरी तरह खुलेगा और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर आगे की बातचीत का रास्ता बनेगा। हालांकि करीब दो घंटे की बैठक के बाद भी कोई अंतिम फैसला नहीं हो सका। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमेरिका ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम के भंडार को अपने कब्जे में लेकर नष्ट करना चाहता है। दूसरी ओर, ईरान का कहना है कि मौजूदा वार्ता में उसके परमाणु कार्यक्रम के तकनीकी विवरण पर चर्चा नहीं हो रही है। वित्तीय मुद्दों पर भी दोनों पक्षों में मतभेद बने हुए हैं। ट्रंप का कहना है कि समझौते में धन के आदान-प्रदान पर कोई चर्चा नहीं हुई, जबकि ईरान का मानना है कि किसी भी समझौते में आर्थिक प्रावधान शामिल होना जरूरी है।

समझौते पर ईरान-अमेरिका की राय

इस बीच ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कालिबाफ ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक ईरान के अधिकार और हित सुरक्षित नहीं किए जाते, तब तक अमेरिका के साथ किसी समझौते को मंजूरी नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि केवल वादों पर भरोसा नहीं किया जा सकता और ईरान को ठोस लाभ मिलने चाहिए। उधर, अमेरिकी सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि ट्रंप द्वारा रखी गई शर्तें कागज पर तो उचित लगती हैं, लेकिन विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर इन्हें लागू करना आसान नहीं होगा। फिलहाल दोनों देशों के बीच समझौते की भाषा और शर्तों पर बातचीत जारी है, लेकिन नए बदलावों की मांग के बाद यह स्पष्ट नहीं है कि अंतिम समझौता कब तक हो पाएगा।

म्यांमार में भीषण बम विस्फोट, 55 मरे

- 100 से ज्यादा मकान तबाह
- राहत और बचाव कार्य जारी

यंगून। म्यांमार के शान प्रांत में हुए एक भीषण विस्फोट में कम से कम 55 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, हादसा रविवार दोपहर चीन सीमा के निकट नामखाम टाउनशिप के काउंग तात गांव में हुआ। विद्रोही संगठन ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (टीएनएलए) ने दावा किया है कि विस्फोट खनन कार्यों के लिए कथित रूप से जमा किए गए विस्फोटक पदार्थों में लापरवाही से हुए धमाके के कारण हुआ।

मृतकों में 25 महिलाएं- मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, विस्फोट ने पूरे गांव में भारी तबाही मचाई है। मृतकों में 25 महिलाएं और 30 पुरुष शामिल हैं। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। बचाव दल मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं, जबकि क्षतिग्रस्त इमारतों और तबाह मकानों से शव निकाले जा रहे हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, विस्फोट में 100 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हो गए। गांव का एक हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया है और अनेक परिवार बेघर हो गए हैं। टीएनएलए के राजनीतिक संगठन पलाउंग स्टेट लिबरेशन फ्रंट ने टेलीग्राम पर जारी बयान में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घटना की जांच करने की जानकारी दी। संगठन ने कहा कि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है और घटना के जिम्मेदार लोगों या संस्था के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मलेशिया में बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर रोक लागू

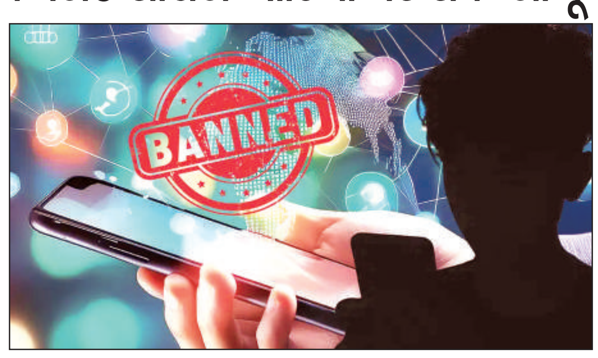

कुआलालंपुर। मलेशिया ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट रखने पर रोक लगाने वाले नियमों को सोमवार से लागू कर दिया। इसके साथ ही मलेशिया सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले बच्चों के लिए ऑनलाइन सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के वैश्विक प्रयास में शामिल हो गया है। इन नियमों के तहत सोशल मीडिया मंचों को आयु सत्यापन प्रणाली लागू करनी होगी और 16 वर्ष से कम उम्र के सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को 'अकाउंट' बनाने से रोकना होगा।

ये नियम कम से कम 80 लाख उपयोगकर्ताओं वाले मंचों पर लागू होंगे जिनमें फेसबुक, इंस्टाग्राम, टिकटॉक और यूट्यूब शामिल हैं। नियमों का पालन नहीं करने वाली कंपनियों पर एक करोड़ रिंगिट (25 लाख अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना लग सकता है। हालांकि, अगर बच्चे इस कानून को किसी तरह दरकिनार कर सोशल मीडिया अकाउंट बना लेते हैं तो उनके माता-पिता पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा। सरकार ने कहा कि इन उपायों का उद्देश्य बच्चों को हानिकारक सामग्री, ऑनलाइन उत्पीड़न और मंचों की उन विशेषताओं से बचाना है जो अत्यधिक इस्तेमाल को प्रोत्साहित करने के लिए बनाई गई हैं। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और इंडोनेशिया सहित अन्य देशों ने भी बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को सीमित करने के लिए आयु आधारित प्रतिबंध या शर्तें लागू की हैं या उनकी घोषणा की है। ब्रिटेन, फ्रांस, स्पेन, डेनमार्क, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया जैसे देश भी इसी तरह के उपायों का अध्ययन कर रहे हैं या उन्हें विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं।

घरेलू राजनीति को लेकर भारी उलझन में हैं ट्रंप

- मागा का सपना कैसे पूरा होगा
- वेंस-रूबियो में किसे मिलेगा जिम्मा
- करीबियों के बीच करा रहे गुप्त सर्वे

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारी उलझन में हैं। वह अपनी मेक अमेरिका ग्रेट अगेन (एमएजीए) के राजनीतिक भविष्य को लेकर परेशान हैं। न्यू यॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट ने एक बड़ा खुलासा किया है। ट्रंप को अपने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस पर शक है। उन्हें लगता है कि वेंस साल 2028 का चुनाव नहीं संभाल पाएंगे। वह वेंस को बड़े फैसलों में साथ रखते हैं, लेकिन बंद कमरों में उनकी क्षमता पर सवाल उठाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आजकल अपने करीबियों के बीच एक गुप्त सर्वे करा रहे हैं। वह अपने सहयोगियों से एक बड़ा सवाल पूछ रहे हैं। वह जानना चाहते हैं कि भविष्य में पार्टी कौन संभालेगा। उनके पास दो नाम हैं। पहला नाम उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का है। दूसरा नाम विदेश मंत्री मार्को रूबियो का है। ट्रंप पूछते हैं कि दोनों में से कौन बेहतर नेता साबित होगा? ट्रंप अक्सर अपने सलाहकारों से एक ही बात पूछते हैं। उनका सवाल होता है, क्या जेडी वेंस में आखिरी तक टिकने का दम है? रिपोर्ट कहती है कि ट्रंप खुद ही इसका जवाब देते हैं। वह कहते हैं कि उन्हें वेंस पर पूरा भरोसा नहीं है। ट्रंप का मानना है कि वेंस अकेले चुनाव नहीं जीत सकते। वह ट्रंप के समर्थन के बिना ओहायो से सीनेटर भी नहीं बन पाते।

नीतियों और आदतों पर खिंचाई : यह रिपोर्ट ट्रंप और वेंस के रिश्ते की असली कहानी बताती है। ट्रंप वेंस की वफादारी की तारीफ करते हैं, लेकिन वह वेंस की आदतों का मजाक भी उड़ाते हैं।

विदेश नीति पर नाराजगी : ईरान पर सैन्य कार्रवाई को लेकर वेंस हिचकिचा रहे थे। ट्रंप को वेंस का यह रवैया पसंद नहीं आया। वेंस के नेतृत्व में पाकिस्तान गया एक मिशन भी फेल हो गया था। ट्रंप इससे भी काफी नाखुश थे।

निजी आदतों पर तंज : ट्रंप अक्सर वेंस की आदतों पर चुटकी लेते हैं। वह कहते हैं कि वेंस छुट्टियां ज्यादा लेते हैं। वह बैठकों के बीच में दूसरों को टोकते हैं।

ट्रॉफी गिरने का मजाक : व्हाइट हाउस के एक कार्यक्रम में वेंस से बड़ी गलती हुई थी। उनके हाथ से ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी की चैंपियनशिप ट्रॉफी गिर गई थी। ट्रंप आज भी इस बात पर मजे लेते हैं। वह कहते हैं कि अच्छा हुआ ट्रॉफी उनके हाथ से नहीं गिरी।

इंटरनेट की बहस से नाराजगी

डोनाल्ड ट्रंप खुद ट्रुथ सोशल पर बहुत एक्टिव रहते हैं। लेकिन उन्हें वेंस का इंटरनेट पर दूसरों से उलझना पसंद नहीं है। ट्रंप का मानना है कि उपराष्ट्रपति को ऑनलाइन बहसबाजी शोभा नहीं देती। इन तमाम शिकायतों के बाद भी ट्रंप वेंस को पसंद करते हैं। उनके लिए वेंस की वफादारी सबसे ऊपर है। दूसरी तरफ व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने मतभेदों को गलत बताया है। उनका कहना है कि वेंस इतिहास के सबसे ताकतवर उपराष्ट्रपति हैं। उन्हें राष्ट्रपति का पूरा भरोसा मिला हुआ है।

इटली में इबोला का खौफ, संदिग्ध मरीज भर्ती

रोम। इटली के काग्लियारी शहर में इबोला वायरस का एक संदिग्ध मामला सामने आने से हड़कंप मच गया है। कांगो से लौटे एक मरीज में इबोला के लक्षण दिखने के बाद उसे सारदीनिया की राजधानी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मरीज को इस समय अस्पताल के इन्फेक्शियस डिजीज विभाग में पूरी तरह आइसोलेशन में रखा गया है। संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए अस्पताल में सभी सुरक्षा नियम लागू कर दिए गए हैं। मरीज के टेस्ट सैंपल हवाई एम्बुलेंस के जरिए रोम की प्रसिद्ध स्पालनजानी लैब में जांच के लिए भेजे गए हैं। इटली की सरकार इस स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है।

बाजार दर्पण

उत्सव लॉन्स

गोरखपुर में

शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनो हेतु।

अलहदादपुर, गोरखपुर

फोनः- 0551-2338099

+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

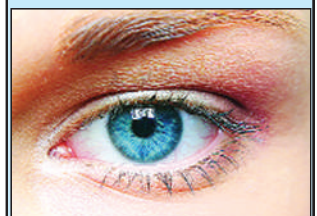

डॉ. विश्वास वर्मा

नेत्र सर्जन

मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध

विराम खण्ड, राम भवन के सामने

गोमती नगर लखनऊ

मोबाइलः 9415016089